फाल्गुन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

रांची का तापमान
कांके: अधिक. 27.0° न्यून. 16.0°
रांची: अधिक. 26.6° न्यून. 14.0°

रांची, बुधवार
25 फरवरी 2026
वर्ष-27, अंक-26, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पेश किया वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ का बजट

'अबुआ दिशोम बजट' से बेहतर शिक्षा बेहतर स्वास्थ्य एवं हर चेहरे पर मुस्कान

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा 13,595.96 करोड़ रुपए होने का है अनुमान
- सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाओं के लिए 750 'अबुआ दवाखाना' खोले जाने का है लक्ष्य

● चतरा जिला मुख्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की होगी स्थापना

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले हेमंत सोरेन सरकार ने 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया था। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और हर चेहरे पर मुस्कान पर ध्यान दिया गया है।

झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की ओर से पेश किए गए बजट में कृषि गतिविधियों में लगी महिलाओं के लिए एक योजना की घोषणा की गई। वित्त मंत्री ने कहा कि महिला किसानों के लिए 'महिला खुशहाली योजना' शुरू की जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से 25 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा, यहां देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर और राजरप्पा मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के साथ-साथ नेतरहाट जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी हैं। राज्य सरकार लोगों की समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त मंत्री किशोर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपए का सकल बजट अनुमान है, जो गत वर्ष से लगभग 9 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजस्व व्यय के लिए 1 लाख 20 हजार 851 करोड़ 90 लाख रुपए प्रस्तावित हैं, जो गत वर्ष से 9.2 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय अंतर्गत गत वर्ष के बजट पर 8.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 37 हजार 708 करोड़ 10 लाख रुपए का प्रस्ताव है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में प्रावधानित राशि के लिए निधि की व्यवस्था की जाएगी। राज्य को अपने कर राजस्व से 46 हजार करोड़ रुपए और गैर कर राजस्व से 20 हजार 700 करोड़ रुपए, केंद्रीय सहायता से 18 हजार 273 करोड़ 66 लाख रुपए तथा केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी के रूप में 51 हजार 236 करोड़ 38 लाख रुपए **शेष पेज 11 पर**

बोले, वित्त मंत्री - अबुआ दिशोम बजट गरीबों के आंसू पोंछेगा : *बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग - गरीब, किसान, आदिवासी और महिलाओं - की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि 'अबुआ दिशोम बजट' झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा और गरीबों के आंसू पोंछेगा।*

हम झुकेंगे नहीं, राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए आगे बढ़ते रहेंगे

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि विपक्ष की ओर से बाधाएं उत्पन्न किए जाने के बावजूद हम झुकेंगे नहीं और राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने झारखंड को पर्याप्त वित्तीय सहायता न देकर केंद्र पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य को केंद्रीय करों में 5,000 करोड़ रुपए का हिस्सा नहीं मिला और अनुदान सहायता के रूप में 11,000 करोड़ रुपए भी नहीं मिले। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी धीरे-धीरे घट रही है। विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी (वीबी - जी राम जी) के कारण राज्य को 5,640 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कोयला आपूर्ति के बदले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को 1.36 लाख करोड़ रुपए की बकाया राशि का भुगतान न करने को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

'अबुआ दिशोम बजट' की खास बातें

शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रस्ताव

- 100 नए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले जाएंगे।
- राज्य के सभी 17 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों और 6 नवनिर्मित पॉलिटेक्निक संस्थानों को आईआईटी एवं एनआईटी की तर्ज पर जेएचआईटी के रूप में विकसित किया जाएगा।
- चतरा जिला मुख्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी।
- छह चयनित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से एआई विषय पर प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा।

महिलाओं के लिए प्रस्ताव

- 'महिला किसान खुशहाली योजना' प्रारंभ की जाएगी। महिला किसानों को एकीकृत खेती से जोड़कर अद्यतन तकनीक की मदद दी जाएगी। उन्हें ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।

बजट में हर वर्गों का रखा गया है ख्याल : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वित्त मंत्री ने राज्य के बेहतर विकास को लेकर पूरी पारदर्शिता के साथ बजटीय प्रावधानों को सदन पटल पर लाया है। इस बजट में राज्य सरकार ने हर वर्ग के लोगों के साथ-साथ हर किसी की भावनाओं का ख्याल रखते हुए बजट पास किया है। जमीनी स्तर पर इसका जल्द परिणाम दिखने को मिलेगा, ताकि राज्य का सर्वांगिण विकास हो सके। वे मंगलवार को विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सीएम ने कहा कि सदन के अंदर जिस बजट की कॉपी को रखी गई। मीडिया के माध्यम से उसे सार्वजनिक किया गया है। बजट में लाई गई हर चीजों को जमीनी स्तर पर उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसी को नजर अंदाज नहीं किया है। उन्होंने एयर एंबुलेंस के जरिए इलाज कराने के दौरान विमान हादसे पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि बेहतर इलाज करवाने के लिए सवार लोगों ने एयर एंबुलेंस किया था। पर, दुर्भाग्यवश जानें चली गई। लेकिन, सारी चीजों की सूचना जबसे मिली है, प्रशासन हरकत में है। सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रस्ताव

- राज्य में 750 'अबुआ दवाखाना' खोले जाएंगे। इससे लोगों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवा मिल सकेगी।
- सभी 5 सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीईटी और सीटी स्कैन मशीन लगाए जाएंगे।
- राज्य के सभी 24 जिला सदर अस्पताल में मैमोग्राफी मशीन स्थापित किया जाएगा।
- सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कैथलैब की स्थापना की जाएगी।

ग्रामीण विकास के लिए प्रस्ताव

- गन्ना, जूट एवं अन्य नकदी फसलों का क्षेत्र विस्तार किया जाएगा।
- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक एलएएमपीएस/पीएसीएस में सहकारी विपणन परिसर-सह-सौर पैनल आधारित कोल्ड रूम का निर्माण किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए पथों का निर्माण किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए पुलों का निर्माण किया जाएगा।

कोकिलाबेन ने श्रीनाथजी मंदिर में मनाया जन्मदिन

राजसमंद। रिलायंस समूह के अध्यक्ष मुकेश अंबानी और उद्योगपति अनिल अंबानी की माता कोकिलाबेन अंबानी ने मंगलवार को अपना जन्मदिन प्रभु श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा में श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया।

समीक्षा

स्वास्थ्य मंत्री ने की एयर एंबुलेंस दुर्घटना पर उच्चस्तरीय बैठक

लापरवाही सामने आने पर कड़ी कार्रवाई होगी : डॉ इरफान

● **कहा, प्रारंभिक तौर पर मामला उड़ान संचालन प्रक्रिया से जुड़ा प्रतीत हो रहा है**

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। चतरा के सिमरिया थाना क्षेत्र में एयर एंबुलेंस क्रैश में सात लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मंगलवार को चतरा सदर अस्पताल पहुंचे और स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्री ने जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और सिविल सर्जन के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर मामला विमानन सुरक्षा मानकों और उड़ान संचालन प्रक्रिया से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। विशेषज्ञ टीम को जांच के लिए बुलाया गया है।

लाइन होटल में आग लगने से झुलस गए थे संजय कुमार

बताया गया कि इस हादसे में मृतक संजय कुमार चंदवा के निवासी और व्यवसायी थे। पलामू स्थित उनके लाइन होटल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण वे लगभग 65 प्रतिशत तक झुलस गए थे। उन्हें रांची के देवकमल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था। उनके दो बेटे शुभम (17) और शिवम (13) हैं। संजय के परिजनों के अनुसार, एयर एंबुलेंस सेवा के लिए कंपनी को पहले ही 8 लाख रुपए दिए जा चुके थे, जबकि 2.50 लाख रुपए शेष थे। आरोप है कि पूरी राशि नहीं मिलने पर कंपनी ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया था। बाद में परिजन चंदवा जाकर शेष राशि की व्यवस्था कर दोबारा रांची लौटे और भुगतान के बाद ही विमान ने उड़ान भरी। इस हादसे के बाद से मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है। **शेष पेज 11 पर**

स्वास्थ्य मंत्री डॉ अंसारी ने बताया कि ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) की गहन जांच की जाएगी। इसके साथ ही मौसम की स्थिति, एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संवाद, विमान के मेंटेनेंस रिकॉर्ड और पायलटों के अनुभव की भी जांच होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के अनुसार, तकनीकी जांच के लिए दिल्ली से विशेषज्ञों की टीम आएगी। यह टीम ब्लैक बॉक्स बरामद करने का प्रयास करेगी, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। ज्ञात हो कि रांची से दिल्ली जा रही रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड की एयर एंबुलेंस सोमवार की देर रात चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र स्थित कसियातु जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने देर रात तक सभी शव बरामद कर लिए थे।
विमान ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ समय बाद कोलकाता एटीसी से संपर्क टूट गया, जिसके बाद रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर को सक्रिय किया गया। **शेष पेज 11 पर**

सीयूजे में सीबीआई ने की छापेमारी, वित्तीय अनियमितता की जांच शुरू

रांची। राजधानी रांची के ब्रांबे स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में मंगलवार को सीबीआई की टीम ने छापेमारी की। आधा दर्जन से अधिक वाहनों में आई केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने चेरी मनातू स्थित कैंपस पहुंचकर जांच की प्रक्रिया शुरू की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पुराने वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी जांच का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जांच भवन निर्माण फंड के आवंटन और यूनिवर्सिटी में की गई नियुक्तियों में गड़बड़ी की आशंका के मद्देनजर की जा रही है। सीबीआई अधिकारियों ने पहुंचते ही विश्वविद्यालय के कार्यालय में मौजूद सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए और सभी को वहीं रुकने का निर्देश दिया। सीबीआई की टीम ने सीयूजे के कार्यालय भवन के दूसरे तल पर स्थित वित्त एवं प्रशासनिक शाखा में दर्जनों फाइलें खंगालीं। **शेष पेज 11 पर**

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य के पूर्व मुख्य सचिव सुधीर त्रिपाठी ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।

झारखंड सरकार व पीएनबी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण : सीएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) एवं राज्य सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो रहा है। पंजाब नैशनल बैंक आज राज्य सरकार के साथ एक नए अध्याय के रूप में जुड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस के साथ-साथ राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों की आर्थिक लेन-देन की कड़ी में बैंक की अहम भूमिका होती है। वर्तमान समय में व्यवसाय, कृषि, ग्रामीण विकास सहित हरेक क्षेत्र में बैंक की बड़ी भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी

कार्यों के साथ-साथ कई संस्थानों की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसी क्रम में आज राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। इससे पहले भी राज्य सरकार एवं अन्य बैंकों के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हुए हैं और उक्त एमओयू के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया भी जा रहा है। मुझे विश्वास है कि जिस उद्देश्य से पंजाब नैशनल बैंक राज्य सरकार के साथ जुड़ी है उस उद्देश्य और कर्तव्य को सफलता पूर्वक पूरा करेगी। राज्य सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के बेहतर समन्वय का लाभ राज्य सरकार के कर्मचारियों सहित आम जनमानस को भी मिलेगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित झारखंड सरकार एवं पंजाब नैशनल बैंक के मध्य राज्य सरकार कर्मचारियों के वेतन खाता पैकेज का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में अपने संबोधन में कही। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से एमओयू हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

इस अवसर पर मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, महाप्रबंधक पंजाब नैशनल बैंक आशीष कुमार चतुर्वेदी, मंडल प्रमुख रांची अवधेश झा, उप मंडल प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव सहित राज्य सरकार के अन्य अधिकारी एवं पंजाब नैशनल बैंक के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य प्रणाली व जनता के बीच की दूरी को कम करना है : डॉ अजीत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा के निर्देशानुसार, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान, आईईसी, सीपीएचसी आम एवं सामुदायिक उत्प्रेरण कोषांग के संयुक्त तत्वावधान में सात जिलों देवघर, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, हजारीबाग और जामताड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु व्यवहार परिवर्तन संचार रहा। कार्यक्रम के माध्यम से फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार समुदाय के साथ अपने संवाद को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। इसका उद्देश्य न केवल सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना भी है। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पर जोर दिया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रोत्साहित करने और माताओं एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही, टीकाकरण कवरेज में वृद्धि, संक्रामक एवं गैर-संक्रामक रोगों की रोकथाम और परिवार नियोजन सेवाओं के विस्तार को लेकर भी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोक स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक डॉ अजीत खलखो ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य प्रणाली और जनता के बीच की दूरी को कम करना है। जब हमारे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और फ्रंटलाइन कार्यकर्ता बेहतर संवाद कौशल से लैस होंगे, तभी हम समुदाय में स्वास्थ्य संबंधी आदतों में वास्तविक सुधार देख पाएंगे। यह प्रशिक्षण न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की समय पर पहुंच सुनिश्चित करेगा, बल्कि किशोर-किशोरियों में जीवन कौशल और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मील का पत्थर साबित होगा। आईईसी के राज्य नोडल अधिकारी डॉक्टर राहुल किशोर सिंह ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि राज्य के सुदूर क्षेत्रों में भी उपचार अनुपालन में सुधार हो और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो। कार्यक्रम में सीपीएचसी आम, आईईसी एवं समुदाय उत्प्रेरण कोषांग के परामर्शी, समन्वयक सहित अन्य लोग शामिल हुए।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित

रांची। अखिल विश्व गायत्री परिवार की सिल्ली प्रखंड शाखा अंतर्गत मूरी महिला मंडल के प्रतिनिधित्व में आदर्श उच्च विद्यालय, छोटा मुरी (सिल्ली) में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार सह प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 7, 8 एवं 9 के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यालय की प्राचार्या पुष्पा महतो एवं शिक्षिकाएं प्रतिमा कुमारी, रानो देवी और लक्ष्मी देवी की उपस्थिति में समारोह संपन्न हुआ। गायत्री परिवार की महिला मंडल संचालिका कोशिला महतो के सानिध्य में अनीता देवी, लक्ष्मी देवी तथा फणीभूषण महतो सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन में सहयोग दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्र पाठ एवं गुरु-ईश वंदना से हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि "पूज्यवरश्री की पाती घर-घर पहुंचाने का समय आ गया है" और युवाओं को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं आदर्श जीवन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रतिभागियों को युग तीर्थ शान्तिकुञ्ज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान, गायत्री तपोभूमि मथुरा एवं अन्य इकाइयों में संचालित युग निर्माण योजनाओं, संस्कार परंपरा और विचार क्रांति अभियान की जानकारी दी गई।

होली को लेकर खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण

नौ खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना, छह को नोटिस

- रांची रेलवे स्टेशन के आसपास के 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को रांची रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित कुल 15 खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य पर्व के दौरान लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराना था। निरीक्षण के दौरान कुलदीप होटल, होटल एंबेसडर, होटल कृष्ण, लवली डेयरी, अन्नपूर्णा भोजनालय, आर.के. भोजनालय, होटल मानसरोवर, होटल मां डेयरी, तंदूर फूड वैन, एम्बसी फूड प्लाजा, सन्नी रेस्टोरेंट, शिवम खाजा भंडार, कुशवाहा खाजा भंडार, पंजाबी बार एंड रेस्टोरेंट तथा खालसा रेसिडेंसी का निरीक्षण किया गया।

जांच के क्रम में जिन निबंधित दुकानों में कमियां पाई गईं, उन्हें सुधार हेतुखाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस एवं पंजीकरण) विनियम, 2011 एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-32 के तहत सुधारात्मक नोटिस जारी किया गया। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-69 के अंतर्गत कुल 09 खाद्य प्रतिष्ठानों पर जुर्माना की कार्रवाई की गई।

निरीक्षण दल द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता तथा लाइसेंस संबंधी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही भविष्य में सुधार नहीं होने की स्थिति में संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पर्व-त्योहार के अवसर पर आम नागरिकों एवं यात्रियों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन हेतु इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रंगभरी आमलकी एकादशी 27 फरवरी को, आस्था और उल्लास का पर्व : संजय सर्राफ

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट व विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि फाल्गुन शुक्ल पक्ष की रंगभरी (आमलकी) एकादशी 27 फरवरी को मनाई जाएगी। यह व्रत भगवान विष्णु और आंवला वृक्ष की पूजा को समर्पित है तथा होली उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु का वास आंवले के वृक्ष में होता है, इसलिए आंवला पूजन, परिक्रमा और विष्णु स्तुति का विशेष महत्व है। रंगभरी एकादशी का संबंध काशी विश्वनाथ मंदिर से भी जुड़ा है, जहां इस दिन विशेष श्रृंगार और उत्सव आयोजित होते हैं। संजय सर्राफ ने कहा कि यह पर्व आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देता है तथा श्रद्धा से किया गया व्रत सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है।

धर्म व संस्कृति के संरक्षण के लिए सत्संग प्रतियोगिता, कई मंडलियां शामिल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दक्षिण झारखंड संभाग स्तरीय सत्संग मंडली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन मंगलवार को बरियातू रोड स्थित मारवाड़ी आरोग्य भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि आदित्य मल्होत्रा (चैंबर्स ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष), डॉ ललन कुमार शर्मा (राष्ट्रीय महामंत्री, एकल अभियान), सतीश तुलस्यान (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्रीहरि कथा), रेखा जैन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बनबंधु परिषद), उषा जलन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अकाल ग्राम संगठन), मुकेश अग्रवाल (केंद्रीय कोषाध्यक्ष) एवं बबीता जलन सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह अभियान प्रमुख जीतू पाहन ने सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ग्राम स्तर से प्रांत स्तर तक प्रतियोगिताओं के माध्यम से धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण का उद्देश्य रखा गया है। प्रांत स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को राष्ट्रीय स्तर पर अयोध्या धाम में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता में गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, सिमडेगा, रामगढ़, खूंटी, चाईबासा, सरायकेला एवं जमशेदपुर सहित विभिन्न अंचलों की मंडलियों ने भाग लिया। भजन-कीर्तन, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। रामगढ़ अंचल की टीम ने प्रथम, गुमला अंचल ने द्वितीय तथा पलामू (पांकी) अंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन सत्र में डॉ. ललन कुमार शर्मा ने एकल अभियान की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि श्रीहरि कथा प्रसार योजना ग्रामीण समाज में सांस्कृतिक जागरण का सशक्त माध्यम बन रही है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों से आए पदाधिकारियों, निर्णायकों एवं लगभग 200 से अधिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। अंत में भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

रंग रंगीलो श्री श्याम फागन अमृत महोत्सव में संगीतमय सुंदरकांड पाठ

- आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा आयोजित रंग रंगीलो श्री श्याम फागन अमृत महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। धनबाद से आए भजन गायक पंकज मोदी एवं पंकज सांवरिया ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर परिसर श्री राम जय राम जय जय राम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति में घी अर्पित कर बालाजी महाराज के समक्ष अपनी अर्जी लगाई। देर रात आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ तथा भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

महोत्सव के तहत बुधवार को मंदिर सेवा सदन, बड़ा तालाब के पास से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। लक्ष्मी नारायण मंदिर में मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया ने विधिवत गणेश पूजन कर तैयारियों का शुभारंभ किया। मंडल के पदाधिकारियों एवं सैकड़ों श्याम सेवकों ने ध्वजा-निशान बांधकर स्थापना की।

शोभायात्रा में राजस्थान के कलाकार धूप-धवन की सिगड़ी लेकर बाबा के रथ के आगे चलेंगे, जबकि गुजरात का डांडिया विशेष आकर्षण रहेगा। शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं मार्ग में निशान धारियों का स्वागत करेंगी। यह जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

आरोप नगर निगम चुनाव की कुव्यवस्था पर बिफरे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कहा

प्रशासन की कुव्यवस्था से 50 हजार से अधिक लोगों का वोट प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के लोकतांत्रिक इतिहास को जब भी याद किया जाएगा, नगर निकाय चुनाव 2026 सबसे कुव्यवस्थित चुनाव के रूप में याद किया जाएगा। उक्त बातें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को अपने केंद्रीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। श्री सेठ नगर निगम चुनाव में कुव्यवस्था और साजिश को लेकर पत्रकारों से संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की कुव्यवस्था और साजिश के कारण 50 हजार से अधिक लोगों का वोट प्रभावित हुआ है। एक ही परिवार का अलग-अलग वार्ड और अलग-अलग बूथों में मतदान केंद्र बनाया गया। एक ही मत पेटी में वार्ड पार्षद और महापौर का वैलेट पेपर डाला गया। स्टेशन रोड में रहने वाले सैकड़ो सिख बंधुओं का बूथ अचानक से बदलकर अंजुम इस्लामिया कर दिया गया, जिसके कारण बड़ी संख्या में हमारे सिख बंधु वोट देने से वंचित रह गए। कई लोग वोटर पर्ची लेकर जब बूथ पर पहुंचे तो उस बूथ पर उनका नाम ही नहीं था। अल्पसंख्यक इलाकों में मतदान करने गए लोगों की कोई जांच नहीं हुई।

किसी बूथ पर ना तो सीसीटीवी कैमरा था, ना तो पुलिस प्रशासन की समुचित व्यवस्था थी। बुजुर्गों के लिए बूथों पर कोई भी विशेष व्यवस्था नहीं की गई। श्री सेठ ने कहा कि चुनाव कार्य में लगे राज्य के हजारों सरकारी कर्मचारी वोट डालने से वंचित रह गए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि मतदान समाप्त होने के बाद फार्म 17 नहीं दिया गया, जो सबसे महत्वपूर्ण होता है। राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में नोटा का प्रावधान होता है परंतु इस चुनाव से नोट को हटा दिया गया।

उन्होंने कहा कि बैलट पेपर छापने में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। बड़ी संख्या में मतदाताओं को यह पता ही नहीं चल पाया कि मोहर कहां लगाना है। इसके चलते भी वोटिंग प्रभावित हुआ है। इस पूरे प्रकरण की निष्पक्षता पूर्वक जांच कराई जाए और जो भी इसके लिए दोषी हो, उस पर कठोर कार्रवाई किया जाए। लोकतंत्र का प्रदर्शन और वोटिंग के साथ मजाक सीधे-सीधे संविधान का अपमान है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब मतगणना की जो तैयारी चल रही है, उसे लेकर भी गड़बड़ी करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। मेरी शासन और प्रशासन के साथ ही निर्वाचन आयोग से भी यह मांग है कि सिर्फ जिला प्रशासन के भरोसे मतगणना को नहीं छोड़ा जाए। मतगणना का समय निश्चित नहीं करके लगातार मतगणना की जाए। 8:00 बजे रात में मतगणना बंद करने का कोई प्रावधान नहीं है। सीसीटीवी के साथ सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हों। हर टेबल की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाए। प्रत्याशी या उनके इलेक्शन एजेंट के बैठने की समुचित व्यवस्था हो।

निर्धारित समय पर होगी मतगणना : राज्य निर्वाचन आयुक्त

रांची। राज्य में हुए नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने एक विशेष बातचीत में कहा कि पूर्व में निर्धारित समय सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक तय की गई है, उसी समय पर मतगणना होगी। मतगणना को लेकर कुछ राजनीतिक दल के लोग राज्य निर्वाचन आयुक्त से मिलकर एक ही दिन में पूरा करने की मांग कर रहे हैं। लोगों को भय है कि रोक-रोक कर मतगणना होने से हेराफेरी की संभावना है।

न्यूज बॉक्स

नियम विरुद्ध निजी नर्सिंग कॉलेजों में पढ़ रहे छात्रों को परीक्षा देने की मिलेगी अनुमति

रांची। राज्य के विभिन्न निजी नर्सिंग कॉलेजों की ओर से पूर्व में नामांकित छात्रों को राज्य सरकार राहत देगी। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में निजी नर्सिंग कॉलेजों के लिए तय नियमों को एक बार शिथिल करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले से वैसे छात्र जो झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा पर्षद (जेसीईसीबी) की ओर से काउंसिलिंग के आधार पर नहीं, बल्कि सीधे निजी नर्सिंग कॉलेजों की ओर से नामांकित कर लिए गए थे। कैबिनेट के फैसले से ऐसे छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल सकेगी। विभागीय सूत्रों के अनुसार निजी नर्सिंग कॉलेजों की ओर से अपनी संस्था को तकनीकि मान्यता नहीं मिलने सहित अन्य अनियमितताओं के बावजूद नर्सिंग कोर्स में नामांकन ले लिया था। इस वजह से झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) की ओर से उनकी परीक्षा नहीं ली जा रही थी। ऐसे नामांकित छात्रों की वर्षों से परीक्षा नहीं हो पा रही थी। अब राज्य सरकार की ओर से छूट मिलने के बाद ये सभी छात्र परीक्षा में बैठ सकेंगे और नर्सिंग की डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। इधर, निकाय चुनाव के कारण मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में लिए गये फैसलों की ब्रीफिंग नहीं की गई। सूत्रों का कहना है कि कैबिनेट में कुल 22 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। इसमें से एक फैसले को स्थगित कर दिया गया। कैबिनेट के फैसलों में लगभग 12 फैसले न्यायालय के आदेश से संबंधित थे।

एआई समिट में विरोध देश की छवि धूमिल करने का प्रयास : सुनील सिंह

रांची। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान कपड़े उतारकर हंगामा करना देश को शर्मिंदा करने वाला कृत्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी से जुड़े लोगों द्वारा किया गया यह प्रदर्शन सुनियोजित था और इससे भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा है। सिंह ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की गरिमा को ठेस पहुंचाना उचित नहीं है। सुनील कुमार सिंह ने यह भी दावा किया कि विरोध करने वाला युवक आयोजन से जुड़ा रहा है और उसकी तस्वीरें पूर्व में राहुल गांधी के साथ सामने आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य भारत की तकनीकी नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करने वाले मंच की गरिमा को प्रभावित करते हैं।

बीआईटी में विशेषज्ञों ने समझाए जियोस्पेशल डेटा एनालिटिक्स के गुर

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी)), मेसरा के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) विभाग द्वारा मंगलवार को 'मशीन लर्निंग का उपयोग कर जियोस्पेशल डेटा एनालिटिक्स' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। पहले दिन देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य भू-स्थानिक आंकड़ों के विश्लेषण में आधुनिक संगणकीय तकनीकों, विशेषकर मशीन लर्निंग के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझना है। चर्चा के मुख्य विषयों में उपग्रह चित्रों का विश्लेषण, स्थान-आधारित डेटा प्रसंस्करण, भौगोलिक प्रणालियों के लिए पूर्वानुमान मॉडल तैयार करना और योजना निर्माण व निगरानी कार्यों में इनके परिणामों का प्रभावी उपयोग शामिल है। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर डॉ. सौम्य कांति घोष के साथ बीआईटी मेसरा के डीन (स्नातकोत्तर अध्ययन) प्रो. संदीप सिंह सोलंकी और सीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. अभिजीत मुस्तफी ने संबोधित किया। समन्वय विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. शशांक पुष्कर और डॉ. इंद्रजीत मुखर्जी द्वारा किया जा रहा है। पहले दिन तकनीकी सत्रों में जियोस्पेशल एआई के बुनियादी ढांचे और कार्यप्रणाली पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कैसे मशीन लर्निंग के माध्यम से जटिल भौगोलिक आंकड़ों को सरल और सटीक बनाया जा सकता है। समापन बुधवार को होगा।

भारतीय शिक्षण मंडल का 'परिचायक वर्ग' में शिक्षा में भारतीयता पर हुआ मंथन

रांची/नई दिल्ली। भारतीय शिक्षण मंडल दिल्ली प्रांत (आरके पुरम एवं दक्षिणी विभाग) द्वारा 21 व 22 फरवरी को वसंत कुंज स्थित दिल्ली पीठाधीश्वर मठ में दो दिवसीय 'परिचायक वर्ग' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन की कार्यपद्धति, शिक्षा में भारतीय दृष्टि और कार्यकर्ता विकास पर मार्गदर्शन प्रदान करना था।प्रथम दिवस का शुभारंभ ध्येय श्लोक एवं ध्येय वाक्य से हुआ। अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शर्मा, संगठन मंत्री गणपति भाई साहब, प्रांत मंत्री धर्मेन्द्रनाथ तिवारी एवं प्रांत संगठन मंत्री सचिन ने वर्ग की आवश्यकता और संगठनात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों का परिचय कराया गया और कल्याण मंत्र के साथ सत्र का समापन हुआ। द्वितीय दिवस सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन से आरंभ हुआ। अखिल भारतीय सह-व्यवस्था प्रमुख डॉ. अमित दत्ता ने "भारतीय शिक्षा दर्शन और शिक्षा में भारतीयता" विषय पर विचार रखते हुए प्राचीन गुरुकुल परंपरा, मध्यकालीन व्यवस्था और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों, मातृभाषा, कौशल विकास और पंचकोश सिद्धांत की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। अन्य सत्रों में संगठन की कार्यप्रणाली, 'कार्य' और 'कार्यक्रम' के अंतर, छः उत्सवों की परंपरा तथा कार्यकर्ता विकास के सूत्रों पर मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर "भारतीय शिक्षा में भारतीयता का महत्व" विषय पर चर्चा कराई गई। समापन सत्र में जिज्ञासा समाधान के बाद धन्यवाद ज्ञापन एवं कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बिजनस एक्सचेंज उप समिति की बैठक में आपसी संवाद पर हुई चर्चा

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के तत्वावधान में मंगलवार को चैंबर भवन में बिजनेस एक्सचेंज कार्यक्रम की चौथी बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य चैंबर सदस्यों के बीच आपसी संवाद को बढ़ावा देना, व्यापारिक अनुभव साझा करना तथा नए व्यावसायिक अवसरों का सृजन करना रहा। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यवसायियों ने अपने-अपने व्यवसाय की जानकारी साझा की और आपसी सहयोग के माध्यम से व्यापार विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता दी जाए, जिससे स्थानीय व्यापार और उद्योग को मजबूती मिल सके। एफजेसीसीआई पदाधिकारियों ने कहा कि बिजनेस एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के माध्यम से सदस्य न केवल नेटवर्किंग कर पा रहे हैं, बल्कि उन्हें वास्तविक व्यापारिक ऑर्डर और सहयोग के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के साथ आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस : राधाकृष्ण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधा कष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड में सोरेन सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास और आधारभूत संरचना सहित अन्य मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री ने मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि बजट में विभिन्न विभागों के लिए बड़ी राशि का प्रावधान करते हुए सरकार ने विकास की गति तेज करने और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ-साथ, हेमंत सरकार की ओर से अपने बूते राज्य के आंतरिक संसाधनों को सशक्त कर झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस किया गया है। इसी के तहत इस्पात, ऊर्जा, विनिर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों में बजट में लगभग 45 हजार रोजगार अवसर सृजित होने की संभावनाएं हैं। वहीं आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत 5,000 से 6,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। विभिन्न औद्योगिक नीतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश लाया जाएगा, जिससे लगभग 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावनाएं है। इसी तरह आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में रेशम क्षेत्र में 1,800 मीट्रिक टन तसर रेशम उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। बजट में कुटीर उद्योग के सतत विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाने के प्रावधानों को शामिल है। प्रशासनिक प्रशिक्षण के लिए रांची स्थित श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में 155 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से नए भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर होने की बातें बजट में कही गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भवन निर्माण विभाग के लिए 894 करोड़ 31 लाख रुपए का बजट प्रस्तावित है। अन्य विभागों के लिए बजट प्रावधान के तहत पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के लिए 361 करोड़ 67 लाख रुपये, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-शासन के लिए 328 करोड़ 99 लाख रुपये, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के लिए 11 हजार 38 करोड़ 53 लाख रुपये, योजना एवं विकास विभाग के लिए 539 करोड़ 94 लाख रुपये, वन विभाग के लिए एक हजार 544 करोड़ 75 लाख रुपये, पथ निर्माण विभाग के लिए छह हजार 601 करोड़ 28 लाख रुपये, ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 5 हजार 81 करोड़ 74 लाख रुपये, नागर विमानन के लिए 138 करोड़ 63 लाख रुपये, ऊर्जा विभाग के लिए 11 हजार 197 करोड़ 89 लाख रुपये राशि शामिल किए गए है।

साइकिल वितरण योजना के तहत किए जाएंगे 136 करोड़ खर्च

उन्होंने बताया कि शिक्षा और कल्याण विभाग के तहत साइकिल वितरण योजना के तहत 136 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 1,216 करोड़ रुपये का प्रावधान है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के लिए तीन हजार 568 करोड़ 19 लाख रुपये निर्धारित है। जबकि प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा के लिए 16 हजार 251 करोड़ 43 लाख रुपये, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 2 हजार 564 करोड़ 45 लाख रुपये, सात जिलों में 12 नए महाविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव करने की बातें शामिल है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जाएंगी।

रिम्स में एमबीबीएस सीटों को दोगुना किया जाएगा

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में रिम्स में एमबीबीएस सीटों को दोगुना करने का लक्ष्य, अगले वर्ष रिम्स सहित अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 220 एमबीबीएस सीटों की बढ़ोतरी करने, आगामी चार वर्षों में एमबीबीएस सीटों की संख्या 1,030 से दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह 750 अबुआ दवाखाना खोलने का लक्ष्य, मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन एवं रख रखाव योजना शत-प्रतिशत राज्य योजना से संचालित किए जाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सात हजार 990 करोड़ 30 लाख रुपये, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के लिए पांच हजार 194 करोड़ 53 लाख रुपये, जल जीवन मिशन के तहत 62 लाख 55 हजार ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य करने, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के लिए दो हजार 887 करोड़ 27 लाख रुपये किए जाने की बातें शामिल है। ग्रामीण विकास और सामाजिक सुरक्षा मामलों के विभागीय बजट में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के लिए एक हजार 168 करोड़ 73 लाख रुपये, ग्रामीण विकास के लिए 12 हजार 346 करोड़ 90 लाख रुपये, पंचायत ज्ञान केंद्रों के लिए 209 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान है। 15वें वित्त आयोग से एक हजार 340 करोड़ रुपये अनुदान मिलने के प्रावधान है।

पीएम आवास योजना के तहत 2 लाख 11 हजार 10 घर स्वीकृत

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत झारखंड राज्य के लिए कुल 2 लाख 11 हजार 10 आवासीय इकाइयां स्वीकृत किए गए है। बजट में आगामी वित्तीय वर्ष में लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास योजना के तहत 36 हजार 202 तथा भागीदारी आधारित किफायती आवास योजना के तहत 36 हजार 740 निर्माणाधीन आवास पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत हजारीबाग शहरी जलापूर्ति योजनाओं तथा चास सेप्टेज प्रबंधन योजना को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किए गए है।

बजट...

राज्यपाल को वित्त मंत्री ने सौंपा 2026-27 का बजट

रांची। संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोक भवनमें शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान वित्त मंत्री ने राज्यपाल को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट दस्तावेज समर्पित किया। इस अवसर पर राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार भी उपस्थित थे। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

भाजपा की ओर से फैलाए गए भ्रम का जवाब है अबुआ बजट : विनोद पांडेय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक हताशा का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि जिस बजट को भाजपा दिशाहीन और रंगहीन बता रही है, उसी बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए 34,211 करोड़ रुपये का जेंडर बजट, बच्चों के कल्याण हेतु 10,793 करोड़ रुपये का बाल बजट, ग्रामीण सड़क निर्माण के लिए 1,000 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत 730 करोड़ रुपये, पर्यटन क्षेत्र में दशम, जोन्हा, हुंडरू जलप्रपात सहित राज्य के प्रमुख स्थलों के विकास की योजनाएं तथा वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के माध्यम से 1.24 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं, जो आने वाले समय में लगभग 45 हजार रोजगार सृजित करेंगे। महासचिव पांडेय ने कहा कि भाजपा को महिलाओं, किसानों, युवाओं और गांवों के विकास की योजनाएं 'लूट' इसलिए दिखाई दे रही हैं, क्योंकि यह बजट बिचौलियों के बजाय सीधे आम जनता को सशक्त करता है। धान खरीद, छात्रवृत्ति, पेंशन या गैस सिलेंडर जैसे मुद्दों पर भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब यही बजट है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को मजबूत किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र से प्राप्त सहायता और राज्य के अपने संसाधनों के संतुलित उपयोग से ही विकास संभव है और यही इस बजट की मूल भावना है। स्थानीय निकायों को पहली बार 1172 करोड़ 66 लाख रुपये का अनुदान देकर सरकार ने विकेंद्रीकृत विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। झामुमो महासचिव ने कहा कि भाजपा के पास न तो गांवों के विकास का कोई वैकल्पिक विजन है और न ही महिलाओं के सशक्तिकरण का कोई ठोस खाका। इसलिए वह जनहितकारी बजट पर तथ्यहीन आरोप लगाकर राज्य की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट झारखंड को आत्मनिर्भर और समतामूलक विकास के नए युग में ले जाएगा।

बजट सामाजिक न्याय की दिशा में मजबूत कदम: केशव

रांची। झारखंड सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि बजट राज्य के समग्र विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम है। यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के समाधान की भी स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है। सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संतुलित और प्रभावी प्रावधान किए हैं। ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष योजनाओं का विस्तार राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देगा। सिंचाई, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं पर बढ़ा हुआ निवेश ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को कम करने में सहायक होगा। इससे राज्य के युवाओं को अपने ही प्रदेश में बेहतर अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या में कमी आएगी। महिलाओं के सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में बढ़ोतरी समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, नए अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से आम जनता को राहत मिलेगी।

अबुआ दिशोम बजट में गांवों के समग्र उत्थान पर जोर: दीपिका

रांची। झारखंड 'अबुआ दिशोम' बजट 2026-27 में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग को उल्लेखनीय बढ़ोतरी के साथ नई मजबूती दी गई है। सरकार ने गांव, गरीब, महिला और अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभागवार बजट प्रावधानों में वृद्धि की है। ग्रामीण विकास विभाग का बजट वर्ष 2025–26 के 9,841 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2026-27 में 12,347 करोड़ रुपए किया गया है। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग का बजट 4,576 करोड़ से बढ़ाकर 5,081 करोड़ रुपये तथा पंचायती राज विभाग का बजट 2,144 करोड़ से बढ़ाकर 2,283 करोड़ रुपए किया गया है। इन प्रावधानों से ग्रामीण आधारभूत संरचना, सड़कों, पुल-पुलियों, आजीविका सृजन, स्वयं सहायता समूहों और पंचायत सशक्तिकरण को गति मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि महिलाओं के लिए संचालित 250 योजनाओं के तहत लगभग 34,000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर जेंडर बजटिंग को 35 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है। उन्होंने केंद्र से लंबित लगभग 1,300 करोड़ रुपए की राशि शीघ्र जारी करने की अपेक्षा भी जताई, ताकि विकास कार्यों की गति और तेज हो सके।

राज्य बजट दिशाहीन और तथ्यहीन: आदित्य साहू

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर राज्य सरकार द्वारा पेश 2026-27 के बजट को दिशाहीन-तथ्यहीन बजट बताया। 1.58 लाख करोड़ के बजट में कोई विजन नहीं दिखाई देता। साहू ने कहा कि वित्तमंत्री इसे आदर्श बजट बता रहे थे। राज्य के सभी वर्गों का बजट बता रहे थे, लेकिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने स्वयं कुछ दिनों पूर्व बयान दिया था कि बजट के विषय में उनसे पदाधिकारी कुछ पूछ नहीं रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वित्तमंत्री केंद्रांश की बात कर रहे है, लेकिन बार-बार पूछने के बाद भी आज तक राज्य की हेमंत सरकार नहीं बता पाई कि कब-कब का किस मद में बकाया है।. यह सरकार केवल इसे मुद्दा बनाकर अपनी नाकामियों को छुपाने का प्रयास करती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार ने पैसों की कोई कमी नहीं होने की बात की, लेकिन 3200 रुपए क्विंटल धान खरीदने में यह सरकार पूरी तरह विफल रही। 2450 रुपये भी किसानों को नहीं मिले। घोषणा के अनुरूप 400 रुपए में गैस सिलेंडर देने की बात पर कोई प्रस्ताव बजट में नहीं है।

झारखंड बजट पर चैंबर की मिश्रित प्रतिक्रिया

उद्योग और व्यापार के क्षेत्र के लिए अतिरिक्त नीतिगत समर्थन की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत झारखंड बजट 2026-27 को लेकर व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों ने संतुलित लेकिन उद्योगोन्मुखी प्रावधानों की आवश्यकता वाला बजट बताया है। विभिन्न पदाधिकारियों ने बजट को विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताते हुए उद्योग और व्यापार क्षेत्र के लिए अतिरिक्त नीतिगत समर्थन की मांग की है। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि बजट राज्य के विकास की दिशा में सकारात्मक पहल है, किंतु औद्योगिक प्रोत्साहन के लिए पूंजीगत निवेश, ब्याज सब्सिडी, तकनीकी उन्नयन और क्लस्टर विकास के लिए अधिक प्रावधान अपेक्षित थे। उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल और खनिज आधारित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही भूमि उपलब्धता, प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर और सिंगल विंडो सिस्टम के प्रभावी क्रियान्वयन को जरूरी बताया। उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बजट को संतुलित और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि कर संरचना में सुधार और बुनियादी ढांचे पर निवेश से राज्य में निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। महासचिव रोहित अग्रवाल ने पूंजीगत व्यय में वृद्धि और आधारभूत संरचना पर बल को राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती की दिशा में सकासह सचिव नवजोत अलंग एवं रोहित पोद्दार ने इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएसएमई पर फोकस को स्थानीय व्यापार के लिए लाभकारी बताया तथा पारदर्शी और सरल क्रियान्वयन की अपेक्षा जताई। कोषाध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने राजकोषीय अनुशासन, नियंत्रित घाटा और सिंकिंग फंड जैसे प्रावधानों को राज्य की वित्तीय सुदृढ़ता का संकेत बताया, हालांकि जीएसटी अनुपालन सरलीकरण और ऊर्जा लागत को प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यकारिणी सदस्य विकास विजयवर्गीय ने कहा कि बजट में पीपीपी मॉडल, ग्रीन इंडस्ट्री, कृषि प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स पर जोर से नए अवसर सृजित होंगे।

राष्ट्रीय औसत का बजट नहीं : महेश

रांची। झारखंड बजट 2026-27 को लेकर पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बजट के आकार में वृद्धि के बावजूद विकास की रफ्तार और संसाधनों के संकुचन को देखते हुए राज्य का राष्ट्रीय औसत तक पहुंचना फिलहाल असंभव सा प्रतीत होता है। पोद्दार ने कहा कि सरकार विकास दर को राष्ट्रीय औसत से अधिक बता रही है, लेकिन उसका प्रभाव आम नागरिक के जीवन स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने वित्त मंत्री द्वारा बजट को "आउटकॉम बजट" बताए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वर्ष का 60-70 प्रतिशत आवंटन ही खर्च नहीं हो पाया।

मध्यम- गरीब वर्ग का विरोधी बजट : रमेश

रांची। भाजपा नेता रमेश सिंह ने सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत 2026-27 का 1.58 लाख करोड़ रुपए के बजट को दिशाहीन और गरीब व मध्यम वर्ग विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि बजट की राशि 10,000 करोड़ रुपएये बढ़ाकर जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास किया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि 31 जनवरी 2026 तक पिछली बजट राशि का केवल 50.29 प्रतिशत ही खर्च हो पाया। इससे स्पष्ट है कि राज्य में विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों-युवाओं, आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ छल किया है। बकाया छात्रवृत्ति, रोजगार सृजन, धान खरीद, पेंशन और गैस सिलेंडर सब्सिडी जैसे मुद्दों पर बजट में कोई ठोस पहल नहीं दिखती।

बजट में पर्यटन को प्राथमिकता: वेदांत

रांची। अबुआ अधिकार मंच के वेदांत कौस्तव ने झारखंड आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा, आवास, कृषि, महिला सशक्तिकरण और पर्यटन क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि 100 नए उत्कृष्ट विद्यालयों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के रूप में संचालित करने का प्रावधान कर सरकार ने "हम पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे" की दिशा में स्पष्ट संदेश दिया है। कौस्तव ने कहा कि 4100 करोड़ रुपये की अबुआ आवास योजना के माध्यम से हर गरीब को छत उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दिखाई गई है। किसानों की स्थिति में सुधार के लिए कर्जमुक्त किसान की अवधारणा को बजट में स्थान दिया गया है। वहीं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी सराहनीय हैं।

आदिवासी के साथ हो रहा फरेब : सन्नी

रांची। मांडर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने झारखंड सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को राज्य के हर व्यक्ति के साथ धोखा बताया है। श्री टोप्पो ने कहा कि पिछले छह वर्षों से झारखंड की कांग्रेस, झामुमो और राजद गठबंधन की सरकार जनता के साथ सिर्फ धोखा कर रही है। यह आम बजट भी इस धोखे की एक कड़ी है। रोजगार, भ्रष्टाचार, पलायन, विकास जैसे मुद्दों पर यह सरकार कुछ नहीं करती दिख रही है। मजदूर, किसान, महिला सभी बेहाल हैं। अबुआ आम बजट के नाम पर पूरे झारखंड को धोखा देने का काम कर रही है। श्री टोप्पो ने कहा कि अबुआ और आदिवासी हितों की बात करने वाली यह सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिए कागजों पर ही योजना लाती है।

बजट जन विरोधी व दिशाहीन : प्रतुल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पूरी तरह दिशाहीन, जनविरोधी और केवल कागजी घोषणाओं का पुलिंदा है। वर्तमान बजट का सरकार जनवरी तक सिर्फ 50% ही खर्च कर पाई है। यानी झारखंड मार्च लूट की ओर बढ़ रहा है। इस बजट में भी न युवाओं के लिए ठोस रोजगार की योजना है, न किसानों के बदलाव लाने की कोई ठोस पहल। सरकार ने विकास के नाम पर सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी की है, जबकि जमीन पर बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बदतर होती जा रही है। इस बजट में पैसा कहां से आएगा उसका कोई ठोस आधार नहीं बताया गया है।

प्रगतिशील बजट: लाल किशोर शाहदेव

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक बजट को राज्य के इतिहास का सबसे प्रगतिशील बजट बताया है। उन्होंने कहा कि 1.58 लाख करोड़ रुपये से अधिक का यह बजट 3.5 करोड़ झारखंडवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि 34,211 करोड़ रुपए के जेंडर बजट और 10,793 करोड़ रुपए के बाल बजट के माध्यम से सरकार ने महिलाओं और बच्चों के लिए मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान किया है। 14.1 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य और पांच वर्षों में जीएसडीपी दोगुना करने का संकल्प राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है। कृषि, उद्योग और स्वास्थ्य क्षेत्र को ग्रोथ इंजन बताते हुए उन्होंने कहा कि सोलर आधारित कोल्ड रूम, महिला किसान खुशहाली योजना और अबुआ दवाखाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेंगे। चतरा में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना तथा एआई प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के लिए नए अवसर खोलेंगे। पर्यटन परियोजनाएं और निवेश प्रस्ताव राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

झारखंड बजट विकासोन्मुख: अमित

रांची। झारखंड चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा ने झारखंड बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 1.58 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान और 14 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य राज्य की आर्थिक दिशा को स्पष्ट करता है। उन्होंने कहा कि बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, कौशल विकास और निवेश को प्राथमिकता देना सराहनीय कदम है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि तथा स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने की पहल से विकास योजनाओं को जमीनी स्तर पर गति मिलेगी। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, उन्होंने सुझाव दिया कि उद्योग एवं व्यापार को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है, ताकि राज्य में निवेश आकर्षित हो और रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि बजट प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो झारखंड की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकेगा।

तकनीक ने लौटाई मुस्कान, 62 दिव्यांगों को लगा कृत्रिम हाथ

रोटरी ने दिव्यांगों को केवल हाथ नहीं आत्मसम्मान लौटाया : संजय सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची द्वारा इनाली फॉउंडेशन पुणे के सहयोग से मंगलवार को रोटरी भवन रांची में निशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उदघाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया। इस शिविर में 62 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ लगाया गया। इनाली फाउंडेशन पुणे की विशेषज्ञों की टीम ने जांच, माप, परीक्षण और फिटिंग की पूरी प्रक्रिया आधुनिक उपकरणों की सहायता से सम्पन्न की। शिविर में पहुंचे हर दिव्यांग के चेहरे पर एक उम्मीद, जिज्ञासा और भावना झलक रही थी। किसी के लिए यह वर्षों का इंतजार खत्म होने का क्षण था, तो किसी के लिए यह जीवन को दोबारा अपने हाथों से थामने का अवसर।

मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए अत्यंत भावुक भरा क्षण है। जब किसी व्यक्ति के शरीर का कोई हिस्सा काम करना बंद कर देता है या किसी कारण से खो जाता है, तो वह केवल शारीरिक कमी नहीं होती है। ऐसे में रोटरी क्लब ऑफ रांची का यह प्रयास केवल चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की सशक्त झलक है। जिन दिव्यांगों को आज इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ लग रहा है, वे केवल एक उपकरण नहीं प्राप्त कर रहे, बल्कि अपने जीवन की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान को फिर से हासिल कर रहे हैं। यह केवल हाथ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की वापसी है। मंत्री श्री सेठ ने कहा कि हमारे देश के वैसे सैनिक जिनके हाथ कटे हुए हैं, उनके लिए मैं इस प्रोजेक्ट की अनुशंसा करूंगा। साथ ही रोटरी क्लब के माध्यम से रांची संसदीय क्षेत्र में 5000 सिलाई मशीनों का वितरण किया जाएगा।

अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा किसी व्यक्ति को फिर से अपने हाथ से काम करते देखना शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। रोटरी की यह पहल साबित करती है कि जब समाज मिलकर किसी के जीवन में बदलाव लाने का संकल्प लेता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

असिस्टेंट गवर्नर रोटरी इमेज प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि रोटरी का लक्ष्य केवल जरूरतमंदों को सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें सक्षम बनाना भी है, ताकि वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय कर सकें। भविष्य में भी रोटरी क्लब तकनीक और मानवीय संवेदना को जोड़ते हुए ऐसे आयोजन करने का प्रयास करेगा।

शिविर को सफल बनाने में क्लब के भंडारी लाल, जोगेश गंभीर, अनिल रेखा सिंह, सुरेश साबू, राजेश नाथ शाहदेव, आदित्य मल्होत्रा, ललित त्रिपाठी, गौरव बोगराय, अतुल अग्रवाल, विनोद सरावगी, रविन्द्र चड्ढा, करुणा राजगढ़िया, गिरीश अग्रवाल, जशदीप सिंह, रोहन सूद, मनीष रामसिसरिया, राजकुमार अग्रवाल, सुधीर मिश्रा, रश्मि अग्रवाल, स्वेता अग्रवाल, ऋचा कौर का योगदान रहा।

बजट में महिलाओं के प्रति है विशेष ध्यान : आभा सिन्हा

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने झाररखंड विधानसभा में पेश किए गए 1,58,560 करोड़ रुपए का 'अबुआ दिशोम बजट' का स्वागत किया है। वहीं कहा कि यह बजट समावेशी, सतत और जनकल्याणकारी विकास पर केंद्रित बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में महिलाओं के प्रति विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके लिए राज्य में पांच नए बालिका आवासीय विद्यालय खोले जाएंगे। महिला सशक्तीकरण की दिशा में 'महिला किसान खुशहाली योजना' का ऐलान किया गया है, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, बुनियादी ढांचा सहित महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई प्रावधान किये गये, स्वागत योग्य है। यह बजट गरीबों के आंसू पोंछने और हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट में शहीदों के आश्रितों के लिए एक आदर्श स्कूल की स्थापना की जाएगी, जो एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि 'अबुआ दिशोम बजट' आम आदमी के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया।

न्यूज बॉक्स

विकासोन्मुखी, जनकल्याणकारी और संतुलित बजट : राजू महतो

सिल्ली। मंगलवार को झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश होने पर झामुमो छात्र मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह छात्र नेता राजु महतो ने इस आम बजट की जमकर तारीफ करते हुए इसे।संतुलित, विकासोन्मुखी,जनकल्याणकारी बजट बताया हैराजु महतो ने कहा कि इस बजट में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य,रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना को प्राथमिकता देने की बात कही. बजट में ग्रामीण सड़कों, सिंचाई, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।बजट में विशेष रूप से ग्रामीण परिवेश को सशक्त बनाने वाला है और गांवों के सर्वांगीण विकास की दिशा में मजबूत आधार तैयार करेगा। यह बजट गांव, गरीब, किसान और महिलाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है ।इससे ग्रामीण आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी और आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

हिंडालको कंपनी मुरी की ओर से निशुल्क चश्मा वितरण किया जाएगा

सिल्ली। हिंडालको कंपनी मुरी के सीएसआर विभाग की ओर से बांसारुली पंचायत भवन एवं विसरिया पंचायत भवन में निशुल्क लाभुकों के बीच में चश्मा का वितरण बुधवार को सुबह 8 बजे से किया जाएगा। बताते चले कि इसके पूर्व में हिंडालको कंपनी मुरी के द्वारा निशुल्क नेत्र जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन दोनों पंचायत में किया गया था इसके तहत वितरण किया जा रहा है। इसकी जानकारी हिंडालको सीएसआर विभाग के अनिल सिंह ने दिया।

सब्जी खरीद कर लौट रहे युवक से चेन छीनकर भागे अपराधी

रांची। रांची के शहीद मैदान सब्जी मार्केट के पास बाइक सवार बाइक सवार अपराधियों एक युवक से चेन छीनकर फरार हो गए। घटना रविवार की है। इस संबंध में अभिषेक कुमार ने जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी। अभिषेक ने पुलिस को बताया कि वह रविवार की दोपहर शहीद मैदान से सब्जी खरीदकर थैला अपनी गाड़ी में रखाकर बाहर निकला। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे। उनके गले से सोने की चेन छीनी और तेजी से फरार हो गए। बाइक सवार अपराधी बिरसा चौक की ओर भागे थे।

अरगोड़ा में पैदल जा रही महिला से लॉकेट छीनकर भागे अपराधी, केस

रांची। अरगोड़ा अशोक नगर की रहने वाली रूपा रानी से बाइक सवार अपराधियों ने गले से हीरा लगा लॉकेट चेन छीनकर फरार हो गए। वारदात को अपराधियों ने उस समय अंजाम दिया, जब महिला कडरू मेन रोड की ओर पैदल जा रही थी। वारदात को अंजाम देकर बाइक सवार अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना सोमवार की है। इस संबंध में पीड़िता रूपा रानी ने अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रूपा रानी ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार की शाम सवा पांच बजे अपनी एक रिश्तेदार के साथ कडरू मेन रोड होते हुए साईं मेडिकल की ओर पैदल जा रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे और उनके गले से हीरा लगा हुआ सोने का लाकेट छीनकर फरार हो गए।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर रांची में नो फ्लाइंग जोन घोषित

रांची । भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 26 फरवरी को प्रस्तावित रांची आगमन और प्रस्थान को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद है। सुरक्षा कारणों से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट की परिधि को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। सदर एसडीओ द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, एयरपोर्ट क्षेत्र और उसके ऊपर ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून का संचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा। यह निषेधाज्ञा 26 फरवरी की सुबह 6 से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं।

खूंटी के कांकी में करंज पेड़ पर दुपट्टा से फंदा लगाकर युवती ने की खुदकुशी

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र के कांकी गांव निवासी सनिका मुंडा की 19 वर्षीय पुत्री कुंवारी कन्हाई ने मंगलवार को गांव में ही एक करंज पेड़ पर दुपट्टा से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना खूंटी थाना की पुलिस को मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया के बाद शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। समाचार लिखे जाने तक खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सर्वांगीण विकास को गतिमान करने वाला है झारखंड का बजट : सुबोधकांत सहाय

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने झारखंड सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट से झारखंड के सर्वांगीण विकास के सपने को सरकार किया जा सकेगा। बजट में सभी वर्गों के लोगों का ध्यान रखा गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर केंद्रित यह बजट सराहनीय है। श्री सहाय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ राज्य की आर्थिक समृद्धि और आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने की दिशा में बजट में समुचित प्रावधान किया जाना स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बेहतर वित्तीय प्रबंधन के परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति औसत आय में वृद्धि हुई है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने और खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर केंद्रीय यह बजट राज्य की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में काफी सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष की तुलना में बजट में 9 प्रतिशत की वृद्धि राज्य सरकार की दूरदर्शिता का परिचायक है।

समझौते के आधार पर दुर्घटना मामले का लोक अदालत में निपटारा

रामगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 14 वीं राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना दावा वाद से जुड़े समझौता योग्य मामले को लेकर मंगलवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश का अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मो तौफीकुल हसन ने किया। इस दौरान बैठक में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम विशाल श्रीवास्तव, एलएडीसी प्रमुख सुजीत कुमार सिंह एवं अधिवक्ता और बैंक के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने निपटारा योग्य सभी मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन आपसी सहमति से निष्पादन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मामलों का शीघ्र समाधान होने से न्यायालय शुल्क की बचत, न्यायिक प्रक्रिया में समय और संसाधनों की बचत होती है।

बंद खदान में भू-धंसान से ग्रामीणों में दहशत

खलारी। सीसीएल के एनके एरिया अंतर्गत करकट्टा-विश्रामपुर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बंद कोयला खदान के हिस्से में अचानक भू-धसान की घटना से आसपास के ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है। भू-धसान में खदान की चारदीवारी के साथ जमीन का एक हिस्सा गहरे खान में समा गया। इस घटना में करकट्टा से केडी को जोड़ने वाली पुरानी सड़क का एक हिस्सा भी धंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर में अचानक तेज आवाज के साथ जमीन नीचे धंस गई। घटना के बाद आसमान में काले धूल का गुबार छा गया। भू-धसान के समीप करकट्टा-विश्रामपुर कालोनी निवासी हरेश सिंह का घर है। उन्होंने बताया कि उनके घर के बगल की सड़क का हिस्सा खदान में समा गया है जिससे परिवार के लोग भयभीत हैं। आशंका जताई कि यदि दोबारा धसान हुआ तो उनका घर भी इसकी चपेट में आ सकता है। सुरक्षा को देखते हुए सीसीएल अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभावित क्षेत्र को कंटीले तारों से घेरने का निर्देश दिया है। हरेश सिंह समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रबंधन से मांग की है कि करकट्टा-विश्रामपुर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को उचित मुआवजा देकर शीघ्र विस्थापित किया जाए। मालूम हो कि यह पूरा क्षेत्र बंद भूमिगत खदान के ऊपर बसा हुआ है।

झारखंड हाईकोर्ट ने महुआ माजी के खिलाफ आचार संहिता का मामला किया रद्द

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा की राज्यसभा सांसद महुआ माजी को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी ने आचार संहिता उल्लंघन के मामले पर निचली अदालत के संज्ञान और आरोप पत्र को रद्द कर दिया है। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान हिंदपीढ़ी इलाके में महुआ माजी के समर्थन में प्रचार सामग्री प्रदर्शित किए गए थे, जबकि उस दौरान राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू थी। मौके पर नियुक्त पर्यवेक्षक ने हिंदपीढ़ी थाने में इसको लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसको लेकर 29 जनवरी 2025 को उनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हुआ था। वहीं, मामले पर निचली अदालत ने संज्ञान ले लिया था। इसके खिलाफ सांसद ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर संज्ञान एवं प्राथमिकी रद्द करने का आग्रह किया था।

जंगली हाथियों के हमले में दो घर क्षतिग्रस्त, फसलें बर्बाद

- चरिमा ग्राम के ही संगीता खेस के घर को भी किया क्षतिग्रस्त

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ईटा ग्राम पंचायत अन्तर्गत चरिमा गाँव के संजय एक्का पिता जूलियस एक्का के घर को सोमवार की रात ढाई बजे एक जंगली हाथी ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। जंगली हाथी के द्वारा किए गए हमले में संजय एक्का के भाई संदीप एक्का की जान बाल बाल बच गई। जंगली हाथी ने घर के जिस ओर हमला कर क्षतिग्रस्त कर दिया वहीं पर संदीप एक्का आराम कर रहा थे। जंगली हाथी ने संजय एक्का के साथ ही साथ ही चरिमा ग्राम के ही संगीता खेस पति स्व. प्रीतम खेस के घर को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं दूसरी ओर चरीमा गांव के ही बंदे लकड़ा पिता स्व. घीनू लकड़ा के लगभग एक एकड़ में लगे गेहूं के फसल को जंगली हाथी ने बर्बाद कर दिया।

घटना के बाद इसकी सूचना ग्रामीणों ने ईटा पंचायत पूर्व मुखिया सह समाजसेवी बुधराम बाड़ा व रशीद मीर को दिया। सूचना पाकर पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा और रशीद मीर ने घटना स्थल का दौरा कर भौतिक जांच किया और वन विभाग के पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी तथा वन विभाग द्वारा उचित मुआवजा की मांग किया।

फिलहाल गांव में भारी दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि जंगली हाथी फिर गांव में हमला कर सकता है। लोगों को यह आशंका हमेशा लगी रहती है।

कोर्ट ने सारंडा को तीन माह के भीतर वन्यप्राणी आश्रयणी घोषित करने का दिया निर्देश

रांची। झारखण्ड सरकार सारंडा वन प्रमण्डल क्षेत्र में 314.68 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र को वन्यप्राणी आश्रयणी (सेंक्चुअरी) घोषित करने के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 13 नवम्बर, 2025 को पारित आदेश को हू-ब-हू लागू नहीं करेगी, बल्कि आदेश के कतिपय बिन्दुओं पर स्पष्टीकरण हेतु सर्वोच्च न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर करेगी। यह जानकारी आज सरकार ने झारखण्ड विधानसभा में विधायक सरयू राय के तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में दिया है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने अपने उत्तर में स्वीकार किया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सारंडा वन प्रमण्डल के 314.6825 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से छहः कंपार्टमेंट को छोड़कर तीन माह के भीतर वन्यप्राणी आश्रयणी घोषित करने का निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश को लागू करने की तीन माह की समय-सीमा गत 12 फरवरी, 2026 को पूरी हो गई है, परन्तु राज्य सरकार ने अभीतक सारंडा वन प्रमण्डल क्षेत्र को वन्यप्राणि अभ्यारण्य घोषित करने के बारे में अधिसूचना निर्गत नहीं किया है। इस पर विधायक सरयू राय ने विधानसभा में सरकार से पूछा कि क्या सरकार उक्त क्षेत्र को वन्यप्राणी क्षेत्र घोषित करना चाहती है अथवा नहीं ? इसपर सरकार ने उत्तर दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को हू-ब-हू लागू करने के बदले सर्वोच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की गई है। समीक्षा याचिका किस तिथि को दायर की गई है, यह याचिका सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत हुई है अथवा नहीं, इसके बारे में राज्य सरकार ने अपने लिखित उत्तर में कोई जानकारी नहीं दिया है।

ईडी मामले में हुई सुनवाई, झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

- झारखंड पुलिस की जांच को चुनौती देते हुए संतोष कुमार द्वारा दर्ज मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी

नवीन मेल संवाददाता

रांच। झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को ईडी की क्रिमिनल रिट याचिका पर सुनवाई की. कोर्ट ने रांची पुलिस की जांच पर रोक को जारी रखते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है.

ईडी ने की है सीबीआई जांच की मांग

मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में ईडी अधिकारियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई. केस से जुड़े दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. वहीं ईडी अधिकारियों के खिलाफ किसी भी तरह की जांच और कार्रवाई पर भी फिलहाल रोक जारी रहेगी. इस संबंध में झारखंड हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि ईडी के अधिकारियों के द्वारा झारखंड पुलिस की जांच को चुनौती देते हुए संतोष कुमार के द्वारा दर्ज मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी. इस मामले में सभी पक्षों की बात सुनने के बाद न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है और झारखंड पुलिस के द्वारा जांच पर रोक को आगे विस्तार दिया है.

क्या है पूरा मामला

बता दें कि पेयजल विभाग में कथित गड़बड़ी से जुड़े मामले की ईडी जांच कर रही थी. इसी दौरान मामले में आरोपी संतोष कुमार बिना समन के ही ईडी कार्यालय पहुंच गया और अपना बयान दर्ज करवाने की गुजारिश की, लेकिन संतोष ने पूछताछ के दौरान मारपीट का आरोप लगाते हुए रांची के एयरपोर्ट थाने में ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी. रांची पुलिस ने इसकी जांच शुरू की और रांची स्थित ईडी के कार्यालय पहुंच गई. पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर ईडी ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दाखिल की थी. ईडी का कहना है कि पुलिस का यह कदम उनकी स्वायत्त जांच में बाधा डाल रहा है. जिसके बाद मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई और न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान रांची पुलिस की जांच पर पूर्ण रोक लगा दी थी.

आदिवासी लोहरा समाज के मिलन समारोह में एकजुटता और शिक्षा पर जोर

खलारी। आदिवासी लोहरा समाज का मिलन समारोह खलारी के करंजतोरा स्थित सपही नदी तट पर आयोजित किया गया। समारोह में समाज की केंद्रीय कमेटी, राज्य समिति तथा खलारी प्रखंड के पदाधिकारी व समाज के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष ठुमा तिर्की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महादेव लोहरा उपस्थित थे। खलारी प्रखंड कमेटी द्वारा सभी अतिथियों का माला पहनाकर एवं गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मिलन समारोह में वक्ताओं ने लोहरा समाज की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि समाज को एकसूत्र में बांधकर चलने से ही सामाजिक समस्याओं का समाधान व समाज का सर्वांगीण विकास हो सकेगा।

हादसा एयर एम्बुलेंस रांची से दिल्ली जा रही थी, जो सिमरिया के जंगलों में हुई क्रैश

एयर एंबुलेंस में सवार सभी सात लोगों की मौत की पुष्टि, जांच जारी

- लातेहार जिले के चंदवा निवासी मरीज संजय कुमार और उनका परिवार था सवार

नवीन मेल संवाददाता

झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया के पास एक एयर एम्बुलेंस के क्रैश होने से उस पर सवार सभी सात लोग मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाए गए हैं। रेडबर्ड एयरवेज प्रा. लि. द्वारा संचालित बीचक्राफ्ट C90 एयर एम्बुलेंस रांची से दिल्ली जा रही थी, जो सोमवार शाम सिमरिया के जंगलों में क्रैश हो गई। इस दर्दनाक हादसे में दो पायलट समेत सभी सात लोगों की मौत हो गई। नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने अपने बयान में कहा कि बीचक्राफ्ट C90 विमान (VT-AJV) रांची-दिल्ली मार्ग पर मेडिकल इवैक्यूएशन फ्लाइट ऑपरेट कर रहा था, जब यह चतरा जिले के कासरिया पंचायत में क्रैश हो गया। बयान में कहा गया है कि विमान 19:11 IST पर रांची से उड़ान भर चुका था। 19:34 IST पर कोलकाता से संपर्क स्थापित किया गया, लेकिन लगभग 100 नौटिकल मील दक्षिण-पूर्व वाराणसी में विमान का संपर्क और राडार से संपर्क टूट गया। इसमें सात लोग सवार थे, जिनमें दो क्रू सदस्य भी शामिल थे। क्रैश स्थल पर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की टीम भेजी गई है। DGCA की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली स्थित नॉन-शेड्यूल ऑपरेटर रेडबर्ड के बेड़े में छह विमान हैं, जिनमें से एक दुर्घटना में खतरनाक स्थिति में था।

रांची अस्पताल से 4.30 बजे रवाना हुए थे सभी लोग

रांची के देवकमल अस्पताल के सीईओ अनंत सिन्हा ने बताया कि एयर एम्बुलेंस उनके एक मरीज के लिए आयोजित की गई थी। 'मरीज संजय कुमार, जो लेटहार जिले के चांदवा निवासी थे, 16 फरवरी को 65% जलन की चोटों के साथ अस्पताल लाए गए थे। उन्हें अस्पताल में इलाज मिल रहा था। परिवार ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया। इसके बाद सोमवार को एयर एम्बुलेंस का प्रबंध किया।

मरीज लगभग 4.30 बजे अस्पताल से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। रांची के देवकमल अस्पताल के सीईओ अनंत सिन्हा ने बताया कि एयर एम्बुलेंस उनके एक मरीज के लिए आयोजित की गई थी। 'मरीज संजय कुमार, जो लातेहार जिले के चंदवा निवासी थे, 16 फरवरी को 65% जलन की चोटों के साथ अस्पताल लाए गए थे। उन्हें अस्पताल में इलाज मिल रहा था। परिवार ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया, पर होनी को कुछ और मंजूर था।

एयर एंबुलेंस क्रैश की घटना हृदयविदारक : राजेन्द्र

रांची से दिल्ली जा रही हेयर एम्बुलेंस क्रैश में सात लोगों की दर्दनाक मौत होने पर मूलवासी सदान के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त किया है। राजेन्द्र ने घटना को अत्यंत दुखद,हृदयविदारक और पीड़ा दायक बताया है। कहा हम ईश्वर प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें और इस दु:ख की घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

राजेन्द्र ने कहा कि डॉ विकास कुमार गुप्ता क्रिटिकल केयर के काफी जानकार थे।वे बहुत अच्छे डॉक्टर होने के साथ -साथ एक बहुत नेक इंसान थे। राजेन्द्र ने बताया कि ध्रुव कुमार मेरे गांव के होनहार छात्र- युवा थे, जो अपने मामा मामी के साथ इलाज को लेकर दिल्ली जा रहे थे।

रामगढ़ खाटू श्याम मंदिर के लिए निकली निशान यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। श्याम सखा मंडल भुरकुंडा के तत्वावधान में मंगलवार को पटेलनगर मारवाड़ी मुहल्ला स्थित शिव मंदिर से रामगढ़ खाटु श्याम मंदिर के लिए भव्य निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे रास्ते श्याम बाबा के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। निशान यात्रा शुरू होने से पहले शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ सहित सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद निशान की पूजा और आरती कर श्रद्धालु खाटु श्याम बाबा के जयकारों के साथ रामगढ़ स्थित खाटु श्याम मंदिर के लिए रवाना हुए। मंडल के सदस्यों ने बताया कि फाल्गुन माह में खाटु श्याम बाबा को निशान समर्पित करने की परंपरा है। क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना को लेकर भुरकुंडा से पैदल निशान यात्रा निकाली गई है। जिसे बाबा के चरणों में समर्पित किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओ के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा और माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में राधा अग्रवाल, संतोष सोनी, विजय बंसल, मनोज शर्मा, मुन्ना अग्रवाल, राकेश शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, कविता अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, बीना अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, निधि गोयल, रिया गोयल, भानु गोयल, वर्षा गोयल, शिवांगी अग्रवाल, खुखु गोयल, पूनम बंसल, शीला अग्रवाल सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

28 फरवरी को भव्य 'फाल्गुन धूम' मेले का होगा आयोजन

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच की चेतना शाखा, रामगढ़ कैंट की ओर से आगामी 28 फरवरी को बंधन बेकैवेट हॉल में सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक भव्य 'फाल्गुन धूम' मेले का आयोजन किया जाएगा। सर्दियों की विदाई और वसंत के आगमन के साथ रंगों के पर्व होली की खुशियों को साझा करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। शाखा अध्यक्ष नीति बेरलिया ने बताया कि चेतना शाखा हर वर्ष इस मेले का आयोजन करती है, जो परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मेल-मिलाप का प्रतीक बन चुका है।

राधा गोविन्द विवि में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव, 12 कंपनियों ने लिया हिस्सा

रामगढ़ । मंगलवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के द्वारा "भव्य मेगा प्लेसमेंट ड्राइव" का आयोजन किया गया। इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन अनुदीप फाउंडेशन, रांची के तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर कुल 12 प्रतिष्ठित कंपनियों ने सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को विविध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए। मेगा प्लेसमेंट ड्राइव में जिन प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया, उनमें टेक महिंद्रा, कॉनसेंट्रिक्स, आउटर ऑर्बिट, निम्बस, जगन्नाथ हॉस्पिटल, श्रीराम फाइनेंस, ए आयुदा सॉल्यूशंस बर्लिन हॉस्पिटल तथा क्रेडिटल हॉस्पिटल सहित अन्य प्रतिष्ठान सम्मिलित रहे। इन सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों की योग्यता, कौशल एवं व्यवहारिक दक्षता का मूल्यांकन किया। प्लेसमेंट सेल में विभिन्न संकायों के लगभग 400 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। अनेक विद्यार्थियों का प्रारंभिक रूप से चयन किया गया, जिससे परिसर में उल्लास एवं उत्साह का वातावरण व्याप्त हो गया। यह आयोजन विद्यार्थियों को उद्योग जगत की अपेक्षाओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराने का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, दक्ष एवं रोजगारोन्मुख बनाना भी है। इस प्रकार के प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को व्यावसायिक जगत से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्य बजट पर वर्तमान व पूर्व विधायक में सियासी बयानबाजी

विधायक ने बजट को बताया आंकड़ों का मायाजाल, उमाशंकर बोले- दूरदर्शी

- **राज्य आज बेरोजगारी, पलायन और किसानों की बदहाली जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है**
- **सीमित संसाधनों के बीच सरकार ने जन अपेक्षाओं के अनुरूप और दूरदर्शी बजट पेश किया है**

नवीन मेल संवाददाता

बरही। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर बरही में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। वर्तमान वर्तमान विधायक सह लोक लेखापाल समिति के सभापति मनोज कुमार यादव ने बजट की आलोचना करते हुए इसे जन-अपेक्षाओं से दूर बताया है, वहीं पूर्व विधायक सह झाविस के निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला यादव ने बजट को अब तक के सर्वश्रेष्ठ बजट बताते हुए सरकार की पहल का समर्थन किया है। वर्तमान विधायक श्री यादव ने कहा कि प्रस्तुत बजट में आंकड़ों का मायाजाल अधिक और ठोस योजना कम प्रतीत होता है। राज्य आज बेरोजगारी, पलायन और किसानों की बदहाली जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन इन मुद्दों पर स्पष्ट और प्रभावी नीति का अभाव दिखता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने की ठोस रणनीति बजट में स्पष्ट नहीं है। कृषि क्षेत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी, सिंचाई विस्तार और कर्ज राहत जैसे विषयों पर अपेक्षित प्रावधान नहीं किए गए हैं। विधायक ने यह भी कहा कि सड़क, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी चुनौतियां बनी हुई हैं, जिन पर और गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत थी। वहीं पूर्व विधायक श्री अकेला ने बजट को विकासोन्मुखी और संतुलित बताया है । उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच सरकार ने जन अपेक्षाओं के अनुरूप और दूरदर्शी बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और कृषि विकास के लिए चरणबद्ध योजना बनाई गई है, जिसका असर आने वाले वर्षों में दिखाई देगा। किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं के प्रावधान और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली व स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए आवंटन को उन्होंने सकारात्मक कदम बताया। पूर्व विधायक ने कहा कि यह बजट राज्य के समग्र विकास की दिशा में ठोस आधार तैयार करेगा और जनता को इसका लाभ क्रमशः मिलेगा।

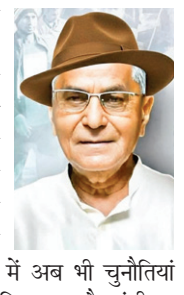

दोनों नेताओं के लगभग समान तीखे और तर्कपूर्ण बयानों से स्पष्ट है कि राज्य बजट को लेकर राजनीतिक बहस आने वाले समय में और तेज होने वाली है। विपक्ष के नेताओं ने बजट को पूरी तरह से नाकार दिया है लेकिन पक्ष दल ने बजट को हर स्तर से विकासशील और दुरदर्शी वाला बताया है और कहा कि युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर हैं।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है : विजयंत कुमार

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। ए'ला एंगलाइज विद्यालय भुरकुंडा में मंगलवार को राज्य सरकार के निर्देशानुसार कृमि एवं फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चो को दवा खिलाया गया। इस दौरान लगभग 500 छात्र-छात्राओं को कृमि एवं फाइलेरिया से बचाव के लिए निर्धारित दवाइयों का सेवन कराया गया। कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और विद्यालय पके संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। प्रातःकालीन सभा के बाद हुरुमगढ़ा की सहिया रंजना देवी एवं ग्रामीण रंजनी देवी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इन बीमारियों के दुष्प्रभाव, संक्रमण के कारण और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने स्वच्छता, नियमित हाथ धोने, साफ पानी के उपयोग और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने पर विशेष जोर दिया।

स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशानुसार विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल एवं फाइलेरिया रोधी दवाएं शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में खिलाई गईं। विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव है। उन्होंने राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार जताते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और घर में भी स्वच्छता संबंधी आदतों को बढ़ावा दें। बच्चों को हमेशा अपनी ओर से अच्छी बातों को ज्ञान दें। कार्यक्रम को सफल बनाने में केजी की प्राचार्या अंजू पटेल, प्रशासक संजय कुमार, सहिया रंजना देवी, ग्रामीण रंजनी देवी, सूरजदेव सिंह, कंचन दास, सिद्धार्थ कुमार, अनुराग मद्धेशिया, गौरव कुमार साहू, कृष्णा अंबष्टा, सुनील कुमार साव, अजीत शर्मा, अजीत सिंहा, वैभव कुमार, मंतोष कुमार गोप, ट्विंकल पॉल, शबाना खातून, सुमन खलखो, नीतू सिंह, रितिका गुप्ता, गीता प्रसाद, रुचि सिंह, सीमा हेंब्रम, शबनम बानो, चंचला कुमारी, ललिता कुमारी, काजल बनर्जी, सोनी कुमारी, बबीता कुमारी, शीला देवी, वर्षा टेटे एवं काजल सिंह का विशेष योगदान रहा।

विस में चेचरो पार्क और इंडोर स्टेडियम के विकास पर विधायक ने उठाए सवाल

बरही। राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने क्षेत्र की समस्याओं को लगातार प्रमुखता से सदन के पटल पर रख रहे हैं । एक बार फिर उन्होंने अपने तारांकित प्रश्नों के माध्यम से क्षेत्र के दो प्रमुख समस्याओं को उठाकर सरकार का ध्यान स्थानीय समस्याओं की ओर आकृष्ट किया है । दोनों सवालों का जवाब पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार की ओर से दिया गया। पहला सवाल हजारीबाग एवं कोडरमा जिले की सीमा पर तिलैया जलाशय किनारे स्थित चेचरो उर्फ नेहरू पार्क को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से संबंधित था। जिसके तहत विधायक ने सरकार से उक्त स्थल के विकास की योजनाओ से संबंधित सवाल पूछे । विभागीय मंत्री की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि उक्त पार्क 2021 में श्रेणी-डी पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित किया गया है। साथ हीं हजारीबाग जिला अंतर्गत पर्यटक स्थल के संबंध में प्रस्ताव जिला पर्यटन संवर्धन परिषद ने राज्य पर्यटन संवर्धन परिषद को भेजा है, जिस पर आगामी बैठक में निर्णय लिया जाएगा। दूसरा तारांकित प्रश्न प्रखंड के धमना स्थित इंडोर स्टेडियम की जर्जर स्थिति को लेकर था। विधायक ने सरकार से पूछा कि क्या स्टेडियम रख-रखाव के अभाव में जीर्ण-शीर्ण हो चुका है।

झारखंड का बजट जन-आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात : मनीष जायसवाल

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। झारखंड की झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का बजट विकास का रोडमैप नहीं, बल्कि राज्य के वित्तीय कुप्रबंधन की विफलता का एक निराशाजनक दस्तावेज़ है। रजत जयंती वर्ष के नाम पर परोसा गया यह बजट पूरी तरह से दिशाहीन और आधारहीन है, जिसमें विजन का नितांत अभाव झलकता है। सरकार न तो राजस्व सृजन की कोई स्पष्ट रणनीति प्रस्तुत कर पाई है और न ही विकास की कोई ठोस और दीर्घकालिक दिशा दिखा सकी है।

यह बजट केवल आंकड़ों का एक ऐसा मायाजाल बनकर रह गया है, जिसका जमीनी हकीकत और झारखंड की आम जनता की जरूरतों से कोई सीधा सरोकार नजर नहीं आता। उक्त बातें झारखंड सरकार द्वारा मंगलवार को पेश किए गए अबुआ दिशोम बजट पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद ने मनीष जायसवाल ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य का युवा वर्ग आज खुद को सबसे अधिक ठगा हुआ महसूस कर रहा है, क्योंकि इस बजट में न तो रोजगार के लिए कोई ठोस पहल है और न ही छात्रवृत्ति या अवसरों के विस्तार की कोई स्पष्ट योजना। 10 लाख नौकरियों का वादा करने वाली सरकार ने अनुबंधकर्मियों के भविष्य और युवाओं के सशक्तिकरण पर पूर्ण चुप्पी साध रखी है। इसी तरह अन्नदाता किसानों के लिए कोई सार्थक राहत नहीं दी गई है और न ही महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन हेतु कोई मजबूत कदम उठाया गया है। वृद्ध और दिव्यांगजनों की पेंशन में भी कोई सम्मानजनक वृद्धि न करना सरकार के संवेदनहीन दृष्टिकोण को उजागर करता है।

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिला अस्पतालों में मेमोग्राफी और पेट स्कैन जैसी आधुनिक सुविधाओं की घोषणा केवल "मुंगेरीलाल के हसीन सपने" दिखाने जैसा है, क्योंकि वर्तमान में संचालित बुनियादी स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह चौपट हो चुकी हैं।

झारखंड को आज खोखले दावों और कागजी घोषणाओं की नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता है। यह बजट जन अपेक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह विफल साबित हुआ है और राज्य की जागरूक जनता इस भेदभावपूर्ण और निराशाजनक बजट को कभी स्वीकार नहीं करेगी। संवेदनहीनता और जुमलेबाजी का यह दौर अब झारखंड की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन चुका है ।

बुकिंग काउंटर के लिए निश्चित स्थान की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन, छावनी परिषद ने प्रतिनिधिमंडल को दिया आश्वासन

रामगढ़। आजसू मजदूर यूनियन के न्यू बस स्टैंड इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष नीरज मंडल के नेतृत्व में मंगलवार को छावनी परिषद, रामगढ़ कैंट के अधिशासी अधिकारी अनंत आकाश से मिलकर बस एजेंट और सहायक एजेंटों के लिए बुकिंग काउंटर का निश्चित स्थान आवंटित करने की मांग की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि वे सभी वर्षों से बिरसा मुंडा न्यू बस स्टैंड, रामगढ़ में एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं और इसी कार्य से अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं। प्रतिनिधियों ने बताया कि बस बुकिंग के माध्यम से न केवल उनकी आजीविका चलती है, बल्कि छावनी परिषद को भी बस शुल्क के रूप में राजस्व प्राप्त होता है।

न्यूज बॉक्स

महिलाओं, रोजगार और बुनियादी ढांचे को मजबूती देगा अबुआ दिशोम बजट : सुधीर

रामगढ़। दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला अबुआ दिशोम बजट राज्य के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण को नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा। बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि प्रस्तावित बजट वृद्धि से राज्य में नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति मिलेगी, वहीं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। बजट में महिलाओं के सशक्तिकरण, कल्याणकारी योजनाओं तथा रोजगार सृजन को प्राथमिकता दिया जाना राज्य के भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने जनहितैषी एवं विकासोन्मुख बजट प्रस्तुत करने के लिए झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आशा जताई कि यह बजट राज्य के हर वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

झारखंड सरकार का यह बजट आधारभूत संरचनाओं को गति देने वाला: अमित साहू

रामगढ़। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के निवर्तमान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित साहू ने झारखंड के आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा की झारखंड सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अबुआ दिशोम बजट झारखंड के आधारभूत संरचनाओं को गति प्रदान करने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। झारखंड सरकार का यह आम बजट झारखंड के औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।एवं यहां के किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक सकारात्मक एवं सराहनीय प्रयास है। झारखंड सरकार का यह आम बजट दूरदर्शिता वाला बजट है। कुल मिलाकर झारखंड सरकार का यह बजट झारखंड के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने वाला बजट है।

अबुआ दिशोम बजट नहीं, यह झारखंड का बबुआ बजट है : रंजन चौधरी

रामगढ़ । झारखंड सरकार द्वारा पेश किए गए अबुआ दिशोम बजट 2026-27 पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इसे दिशाहीन, आधारहीन और महज जुमलेबाजी करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रजत जयंती वर्ष के नाम पर परोसा गया यह बजट असल में बबुआ बजट है, जिसके माध्यम से गठबंधन सरकार ने एक बार फिर झारखंडियों को ठगने का काम किया है। 10% बजट वृद्धि और मध्यम परियोजनाओं का ढोल पीटा जा रहा है, लेकिन वर्तमान बदहाल व्यवस्थाओं को देखते हुए इसके क्रियान्वयन पर गहरा संदेह है। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिला अस्पतालों में मेमोग्राफी और पेट स्कैन की बातें बेमानी हैं, क्योंकि वर्तमान में संचालित बुनियादी स्वास्थ्य ढांचा पूरी तरह चौपट है। हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज में खुद का एक अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन सुविधा भी नहीं कर पाया इसे पीपीपी मोड पर एक प्राइवेट कंपनी को दिया गया है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक ठगा हुआ राज्य के बेरोजगार युवा महसूस कर रहें है, जिससे किए गए 10 लाख नौकरियों के वादे इस बजट में भी कहीं नजर नहीं आते। मुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखाकर सत्ता में दोबारा आई हेमंत सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के इस बजट से भी युवा, महिला, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग को पूरी तरह निराश किया है। यह बजट केवल आंकड़ों की बाजीगरी है, जिससे राज्य के विकास की नहीं बल्कि केवल सरकार के जनविरोधी मंसूबों की गूंज सुनाई दे रही है। युवा शक्ति और जनहित की अनदेखी का जवाब आने वाले समय में राज्य की जनता जरूर देगी।

जयराम महतो ने पारा-शिक्षकों के मामलों को विधानसभा में उठाया

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो ने एक बार फिर राज्यस्तरीय पारा शिक्षकों के मुद्दे को विधानसभा में जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही वे पारा शिक्षक भाइयों के हक और अधिकार की आवाज बुलंद करते रहे हैं। महतो ने बताया कि पिछले सत्र में भी उन्होंने पारा शिक्षकों की समस्याओं को सदन में रखा था। उन्होंने कहा कि पारा शिक्षक और उनके परिवार जिन कठिन परिस्थितियों में संघर्ष कर रहे हैं, उसे उन्होंने बहुत नजदीक से महसूस किया है। उनके कई करीबी साथी भी पारा शिक्षक हैं, जिससे वे इस पीड़ा को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि सरकार अब तक इस गंभीर मुद्दे को संवेदनशीलता से नहीं ले रही है। आज सदन में उनके द्वारा पूछे गए सवाल पर सरकार का जवाब आया, लेकिन वे उस उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। महतो ने सरकार से अविलंब पारा शिक्षकों के मामले को देखने, समझने और ठोस समाधान निकालने की मांग की।

शहीद बैजनाथ यादव की 21वीं पुण्यतिथि पर विधायक समेत दर्जनों लोग हुए शामिल

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बरकनगांगों पंचायत अंतर्गत जतघघरा में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय बैजनाथ यादव का 21वां पुण्यतिथि धूमधाम से मनाया गया। शहादत दिवस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता जतघघरा पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्यतिथि मनाया ।वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार यादव,बगोदर विधायक नागेंद्र महतो शामिल हुए।मौके पर सभी उपस्थित लोगों स्वर्गीय बैद्यनाथ यादव की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।मौके पर मंडल अध्यक्ष अनिल आजाद, इन्द्रदेव यादव,पुर्व प्रमुख प्रकाश राम, बरकट्ठा मंडल अध्यक्ष टिंकू प्रसाद ,चलकुशा मंडल अध्यक्ष अजय सिंह,पुर्व अध्यक्ष अशोक वर्णवाल,भोला प्रसाद, इन्द्रदेव यादव, परमेश्वर साव,टुकलाल साव, विजय यादव, गोविंद चौधरी, नेहाल गोप, प्रदीप प्रसाद, दशरथ राणा, संतोष यादव, पुर्व मुखिया सरजू यादव, श्रीमती बुलबुल देवी समेत अन्य लोग शामिल हुए।

गिद्दी गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की बैठक, शोभायात्रा निकालने का निर्णय

गिद्दी। गिद्दी गुरूद्वारा प्रबंधन कमेटी की बैठक मंगलवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रधान महेंद्र सिंह कक्कू ने की। बैठक में 19 मार्च को गुरुद्वारा साहिब भुरकुंडा के नव निर्माण दिवस पर गिद्दी से शोभा यात्रा निकालने की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। गिद्दी गुरूद्वारा साहिब शोभा यात्रा की शुरूआत करने का निर्णय लिया। शोभा यात्रा में गुरूग्रंथ साहब को पालकी के साथ शबद कीर्तन भी किया जाएगा।

ग्रामीण योजना डाक अधीक्षक ने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ बैठक कर दिए कई निर्देश

डाक विभाग की सुविधाओं को सेवा के रूप में समर्पित करें

- **ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना सभी बीमा योजनाओं से बेहतर है**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। मंगलवार को रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में हजारीबाग डिवीज़न के नव पदस्थापित डाक अधीक्षक निरंजन कुमार ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ एक बैठक किया। जिसका मुख्य उद्देश्य जिले भर में सभी डाकघरों में डाक विभाग की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक कर बड़े स्तर पर बचत खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, आवर्ती खाता, एमआईएड खाता, वरिष्ट नागरिक बचत योजना, भविष्य निधि योजना आदि योजनाओं को खोलना है। इसके पहले डाक अधीक्षक का स्वागत पोस्टमास्टर मनोज कुमार के नेतृत्व में सभी कर्मचारियों ने किया। डाक अधीक्षक ने कहा कि डाक विभाग की सेवा जन सेवा का काम करती है इसलिय हम सभी डाक कर्मचारियों का कर्तव्य बनता है कि हम अपनी सभी सेवाएँ को सेवा के रूप में समर्पित करें । उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले के डाक विभाग के लाभुक बहुत ही जागरूक हैं उन्होंने आग्रह किया हमारे डाक विभाग की डाक जीवन बीमा ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना सभी बीमा योजनाओं से बेहतर है जिसमें कम प्रीमियम लेकर अधिक बोनस दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह बिटिया के भविष्य के लिए प्रधानमंत्री ने सुकन्या समृद्धि योजना लाया है उसी प्रकार बेटो के भविष्य के लिए पीपीएफ खाता खोला जा सकता है और अधिक ब्याज प्राप्त किया जा सकता है ।उन्होंने सभी कर्मचारियों को सहयोग की भावना से कार्य स्थल पर काम करने की सलाह दी है। इस अवसर पर मुख्य रूप से डाक निरीक्षक आशीष कुमार पांडे,पोस्टमास्टर मनोज कुमार,मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय,नरेंद्र कुमार सिंह, रामखेलावन चौधरी,अरुण कुमार, चंद्रशेखर कुमार, शम्भू दत्त सिंह, त्रिदेव प्रियदर्शी, प्रशांत कुमार सिंह, शुभम सौरव, कुंदन कुमार, देवेंद्र कुमार रवि आशीष कुमार झा, सर्वेश कुमार, प्रिया वर्णवाल ,रिमझिम कुमारी, बबीता कुमारी, चंदन कुमार, संतोष कुमार, अंकित कुमार, राजकपूर, रंजन कुमार, गंभीर करमाली, जयंत भोक्ता , अरजलाल कुमार महतो, आकाश कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

होल्डिंग टैक्स के 48 बकायेदारों का बैंक खाता होगा फ्रीज

रामगढ़। होल्डिंग टैक्स के बकायेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसे लेकर नगर परिषद रामगढ़ ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसके तहत होल्डिंग टैक्स के 48 बकायेदारों का बैंक खाता फ्रीज होगा। उन पर कुल करीब 15 लाख रुपए बकाया है। पिछले तीन-चार वर्षों से होल्डिंग टैक्स जमा नहीं करने के कारण राशि में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। जिसकी रोकथाम को लेकर नगर परिषद रामगढ़ ने कदम उठाया है। इसके तहत लगातार जागरूकता अभियान चलाया गया। बावजूद टैक्स जमा नहीं करने पर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत पिछले माह बकायेदारों को नोटिस जारी हुआ। जिन्हें एक सप्ताह के अंदर बकाया नहीं जमा करने पर दोबारा फिर नोटिस दिया गया।

बजट में समग्र विकास की झलक, सभी को मिलेगा योजनाओं का लाभ : भूषण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट का सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि बजट भाषण के दौरान सिमडेगा जिले का नाम भले ही प्रत्यक्ष रूप से न आया हो लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जनजातीय कल्याण और आधारभूत संरचना पर केंद्रित योजनाओं ने स्थानीय लोगों में नई उम्मीद जगा दी है। विधायक भूषण बाड़ा ने इस बजट को जन-आकांक्षी बताते हुए इसका पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बजट का उद्देश्य केवल नाम गिनाना नहीं बल्कि उन क्षेत्रों तक विकास पहुँचाना है जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट आंकड़ों का मायाजाल नहीं धरातल पर बदलाव लाने वाला दस्तावेज है। सिमडेगा जैसे आदिवासी बहुल जिले के लिए कृषि, पेयजल और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रावधान संजीवनी का काम करेंगे। सड़क उन्नयन और सिंचाई परियोजनाओं का सीधा लाभ हमारे जिले के सुदूरवर्ती गांवों को मिलेगा। विधायक ने कहा कि बजट में की गई घोषणाओं को सिमडेगा के संदर्भ में देखें तो कई महत्वपूर्ण पहलू सामने आते हैं। कृषि उपकरणों पर अनुदान और पशुपालन को बढ़ावा देने की योजना सिमडेगा के किसानों की आय दोगुनी करने में सहायक होगी। तकनीकी शिक्षा और स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित राशि से जिले के युवाओं को घर के करीब बेहतर अवसर मिलेंगे। आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और विशेष विकास कार्यक्रमों के लिए की गई घोषणाएं सीधे तौर पर सिमडेगा की सामाजिक संरचना को मजबूती प्रदान करेंगी।उन्होंने कहा कि बजट का विश्लेषण करने पर समझ में आया कि राज्य सरकार ने समावेशी विकास का जो मॉडल पेश किया है, उसमें सिमडेगा की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों का विशेष ध्यान रखा गया है। भले ही जिले का नाम बजट पटल पर नहीं है लेकिन नीतियों की गूंज आने वाले समय में जिले की सड़कों, अस्पतालों और खेतों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

आमने सामने

बजट में जिले की अनदेखी, केवल घोषणाओं का पुलिंदा : बिमला

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेत्री एवं पूर्व मंत्री बिमला प्रधान ने इसे निराशाजनक और दिशाहीन बताया है। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में सिमडेगा जिले का नाम तक नहीं लिया जाना इस बात का प्रमाण है कि सरकार की प्राथमिकताओं में यह आदिवासी बहुल जिला शामिल नहीं है।बिमला प्रधान ने कहा कि बजट में बड़े-बड़े दावे जरूर किए गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सिमडेगा के विकास के लिए कोई ठोस और स्पष्ट योजना नजर नहीं आती। कृषि, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में जिले की विशेष जरूरतों को अनदेखा किया गया है। उन्होंने कहा कि सिमडेगा आज भी बेहतर सड़क, उच्च शिक्षा संस्थान, विशेषज्ञ डॉक्टरों और रोजगार के अवसरों के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन बजट में इन समस्याओं के समाधान के लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने समग्र विकास की बात तो की है, परंतु वास्तविकता यह है कि बजट आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित है। आदिवासी कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बातें पूर्व में भी की जाती रही हैं, लेकिन धरातल पर उसका अपेक्षित असर नहीं दिखा। पूर्व मंत्री ने कहा कि यदि सरकार सचमुच सिमडेगा के विकास को लेकर गंभीर होती तो जिले के लिए विशेष पैकेज, नई सिंचाई परियोजनाएं, उद्योग स्थापना और युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र की स्पष्ट घोषणा करती। उन्होंने मांग की कि सरकार बजट में संशोधन कर सिमडेगा जैसे पिछड़े जिलों के लिए अलग से ठोस कार्य नही किये है।

न्यूज बॉक्स

मदर टेरेसा कॉलेज आफ नर्सिंग की छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण के लिए ओडिशा रवाना

सिमडेगा। बानो प्रखंड स्थित मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की कुल 50 नर्सिंग छात्राओं सहित 10 सदस्य टीम के साथ तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु ओडिशा राज्य स्थित पुरी , कोणार्क तथा भुवनेश्वर के लिए रवाना हुए। गौरतलब हो इस शैक्षणिक भ्रमण से संस्थान की छात्राओं को समीपवर्ती राज्य उड़ीसा के रहन सहन , उड़ीसा के स्वास्थ्य के प्रति सजगता तथा वहां से जुड़े विभिन्न संस्कृति के साथ प्राचीनतम इमारतों बारे में जाने तथा समझने का मौका मिलेगा। मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रह्लाद मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी संस्थान की छात्राओं को इस शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाया जा रहा है। इस भ्रमण में संस्थान के सचिव निभा मिश्रा , कोऑर्डिनेटर रविकांत मिश्रा, लेक्चरर कविता कुमारी, ट्यूटर वंदना धनवार ,वार्डन मटिल्डा तिर्की, सहित संस्थान के कई कर्मचारी इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुए। वहीं संस्थान की प्राचार्या एरेन बेक, एएनएम प्राचार्या निशि डुंगडुंग,लीलावती साहू ने विदा करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

मोबाइल दुकानों में चोरी का खुलासा, दो नाबालिग बाल सुधार गृह भेजे गए

बानो। प्रखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही मोबाइल दुकानों की चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लगातार हो रही वारदातों से क्षेत्र के व्यापारियों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ था।मामले को गंभीरता से लेते हुए बानो थाना प्रभारी मानव मयंक के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। पुलिस ने लगातार गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान दोनों नाबालिगों ने क्षेत्र में हुई कई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई और उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया।दोनों नाबालिगों को सिमडेगा स्थित बाल सुधार गृह में भेजा गया है।पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। लगातार चोरी की घटनाओं से परेशान दुकानदारों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाना को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

24 घंटे सीसीटीवी की निगरानी में है वज्र गृह, कोई अभ्यर्थी देख सकता है फुटेज

सिमडेगा। नगर परिषद चुनाव को लेकर मतदान के बाद मतपेटियों को सिमडेगा कॉलेज स्थित वज्र गृह में सील करके रखा गया है। वज्र गृह की 24 घंटे पुलिस और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी से लगातार नजर रखी जा रही है, सीसीटीवी के डीवीआर में 24 घंटे का रिकॉर्डिंग से सेव रहा है। चुनाव अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण सीसीटीवी का स्क्रीन बंद हो गया था, लेकिन सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग डीवीआर में पूरी तरह से सेव हो रही थी। उन्होंने कहा कि कोई भी अभ्यर्थी स्ट्रांग रूम के किसी भी समय के रिकॉर्डिंग को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की शंका और संशय नहीं है। विदित है कि मंगलवार को कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि सीसीटीवी के स्क्रीन में वज्रगृह का वीडियो नहीं दिख रहा है, जिससे उन्होंने कुछ गलत होने की संभावना व्यक्त की थी। जिसे जिला प्रशासन ने पूरी तरह से गलत बताते हुए कहा है कि प्रशासन निष्पक्ष चुनाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। और सीसीटीवी का फुटेज प्रशासन के पास है जिसे कोई भी अभ्यर्थी किसी भी समय देख सकता है।

कुरडेग थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

कुरडेग। थाना परिसर में मंगलवार को शाम 4:00 बजे थाना प्रभारी संतोष कुमार राय की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में होली पर्व को शांतिपूर्ण , सौहाद्धपूर्ण एवं भाइचारे के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बुलाई गई थी । थाना प्रभारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियो , पत्रकारो , शांति समिति के सदस्यो एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि होली प्रेम , एकता और सामाजिक समरसता का पर्व है । उन्होने स्पष्ट रूप से अपील की कि कोई भी ऐसा कार्य न किया जाए जिससे किसी भी व्यक्ति या समुदाय की भावना आहत हो । वही थाना प्रभारी ने कानून व्यवस्था को लेकर सभी से चर्चा करते हुए सुझाव प्राप्त करते हुए कहा कि होली के त्योहार में विवाद की स्थिति तब बनती है जब किसी पर जबरदस्ती उनके रोकने के बाद भी रंग गुलाल फेका जाता है या अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है होली के त्योहार में हानि न पहुंचाने वाले रंग गुलाल का उपयोग कर प्रेम सदभाव के साथ मनाया जाए । बैठक में उपस्थित जिला बीस सुत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल , विधायक प्रतिनिधि दिपक जैसवाल ने कहा कि यहाँ की परंपरा रही है सभी धर्मो के लोग एक दूसरे के पर्व त्योहार को आपस में मिलजुल मनाते हैं । कभी भी किसी पर्व त्योहार में किसी तरह की समस्या नही आई है यही कुरडेग की विशेषता है । बैठक में मुख्य रूप से प्रखण्ड उप प्रमुख अजय जैसवाल, मुखिया उर्मीला कुजूर , खिण्डा मुखिया , चाडरी मुण्डा मुखिया , गड़ियाजोर मुखिया , पुर्व बी डी सी हुसैन साहिद , सफार अली , देवनीस खलखो एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।

रसोइया दीदियों के साथ अन्याय और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : अजय एक्का

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर पश्चिमी के जिला परिषद सदस्य सह संयोजक आदिवासी छात्रसंघ अजय एक्का ने 18 फरवरी से जारी रसोईयाओं की हड़ताल को लेकर रसोइया संघ के सचिव व सदस्यों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। रसोइया बहनों ने बताया कि वे वर्षों से विद्यालयों में जोखिम उठाते हुए बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करती हैं, लेकिन उन्हें मात्र 2000 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है, जो सम्मानजनक नहीं है। अजय एक्का ने कहा कि राज्य में माईया सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं, जबकि प्रतिदिन लगभग छह घंटे कार्य करने वाली रसोईया दीदियों को इससे कम मानदेय मिलना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हड़ताल के कारण विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई और पोषण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि रसोईयाओं का मानदेय बढ़ाया जाए, सेवा नियमित की जाए तथा सामाजिक सुरक्षा, बीमा और पेंशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि शीघ्र निर्णय नहीं होने पर आंदोलन व्यापक होगा।

नगर निकाय चुनाव शांतिपूर्ण व सफल, डीसी ने सभी कर्मियों और मतदाताओं को दी बधाई

सिमडेगा। राज्य निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन में संपन्न सिमडेगा नगर निकाय चुनाव के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर उपायुक्त सिमडेगा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों, कर्मियों और मतदाताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस शहरी महापर्व को गरिमा, अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न कराने में सभी ने सराहनीय भूमिका निभाई। उपायुक्त ने बीएलओ, पीठासीन पदाधिकारियों, पोलिंग पार्टियों, पुलिस पदाधिकारियों व जवानों, आंगनवाड़ी सेविकाओं, स्वास्थ्यकर्मियों, नगर परिषद कर्मियों, वाहन चालकों, चौकीदारों, होमगार्ड्स, मीडियाकर्मियों, अभ्यर्थियों एवं जागरूक मतदाताओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न थीम पर सजाए गए मतदान केंद्रों ने जहां मतदाताओं का स्वागत किया, वहीं सड़क सुरक्षा, बाल विवाह, साइबर क्राइम और अन्य विषयों पर जनजागरूकता भी फैलाई। दिव्यांगों, वृद्धों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं, मेडिकल टीम की तैनाती तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतर्कता ने मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाया। उपायुक्त ने विश्वास व्यक्त किया कि मतगणना कार्य भी इसी अनुशासन और निष्ठा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

पीआरआई सदस्यों के लिए कार्यशाला आयोजित, पोषण व स्वास्थ्य पर दिया जोर

कुरडेग। कार्यालय बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, कुरडेग एवं सिनी संस्था की जीवन परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को प्रखंड सभागार कुरडेग में पीआरआई सदस्यों के लिए एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं तथा स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यशाला का विषय "पीआरआई सदस्यों की भागीदारी एवं समुदाय की जागरूकता और जिम्मेदारी – पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति" रखा गया। इस दौरान मातृ-शिशु पोषण, कुपोषण की पहचान, स्थानीय पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने, वीएचएनडी तथा बाल विवाह रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में वीएचएसएनसी की नियमित बैठक सुनिश्चित करने, ग्राम सभा एवं आम सभा में स्वास्थ्य-पोषण के मुद्दों को प्राथमिकता देने, आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी तथा वीएचएनडी को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही अन्नप्राशन एवं गोद भराई जैसे सामुदायिक कार्यक्रमों में माताओं के साथ पुरुषों और परिवारजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई।

एकेडमिक पदों की वर्षों से लंबित नियुक्तियों पर सिमडेगा विधायक ने उठाया सवाल

सिमडेगा। विधानसभा में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने जैक में परीक्षा नियंत्रक, वित्त पदाधिकारी और एकेडमिक पदों की वर्षों से लंबित नियुक्तियों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि जैक एक्ट 2002 व संशोधन 2006 में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद नियमित नियुक्ति नहीं होना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। जबकि परिषद हर वर्ष 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित करता है। इस पर सरकार ने भी स्वीकार किया कि पूर्व परीक्षा नियंत्रक के इस्तीफे और लंबित न्यायालयी मामलों के कारण प्रक्रिया रुकी हुई है।इस पर विधायक का कहना था कि हाईकोर्ट ने केवल किसी कार्यरत अधिकारी को हटाने पर रोक लगाई है, नियुक्ति प्रक्रिया पर कोई प्रतिबंध नहीं दिया। इसलिए सरकार चाहे तो वैकल्पिक प्रावधानों के तहत नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति तुरंत कर सकती है। उन्होंने इसे शैक्षणिक ढांचे की सबसे बड़ी कमजोरी बताते हुए कहा कि राज्य शिक्षा सुधार की बात करता है, लेकिन जैक जैसी अहम संस्था को बिना नियमित परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी के चलाना छात्रों, शिक्षकों और पूरा शैक्षणिक तंत्र के साथ अन्याय है। विधायक ने सरकार से मांग की कि अदालत की मर्यादा का पालन करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए और परिषद को स्थायी, सक्षम और जवाबदेह नेतृत्व दिया जाए ताकि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके।

विस में गूंजा बानो व तोरपा को अनुमंडल बनाने का मुद्दा, सुदीप ने उठाई मांग

विस में नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने बालू संकट पर सरकार से मांगा जवाब

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया ने विधानसभा में क्षेत्रीय विकास और प्रशासनिक सुविधा को लेकर सिमडेगा जिला के बानो प्रखंड तथा खूंटी जिला के तोरपा प्रखंड को अनुमंडल का दर्जा देने की मांग उठाई।सदन में अपनी बात रखते हुए विधायक ने कहा कि बानो प्रखंड जिला मुख्यालय सिमडेगा से लगभग 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि तोरपा प्रखंड जिला मुख्यालय खूंटी से करीब 30 किलोमीटर दूर है। लंबी दूरी के कारण स्थानीय लोगों को प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी कार्यों के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि दोनों प्रखंड अनुमंडल बनने की सभी आवश्यक अहर्ताएं पूरी करते हैं, बावजूद इसके अब तक इन्हें अनुमंडल का दर्जा नहीं दिया गया है। इससे आम जनता को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाता।विधायक ने सरकार से आग्रह किया कि प्रशासनिक विकेंद्रीकरण और क्षेत्रीय संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए बानो एवं तोरपा प्रखंड को शीघ्र अनुमंडल घोषित किया जाए।

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड विधानसभा में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से राज्य में बालू संकट का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि बालू विकास की रीढ़ है और यह सम्पूर्ण झारखंड के लिए अति आवश्यक सामग्री है। वर्तमान स्थिति में गरीब हो या अमीर, सभी वर्ग के लोग बालू की अनुपलब्धता से प्रभावित हो रहे हैं।विधायक ने सदन में कहा कि आम लोगों को सहजता से बालू उपलब्ध नहीं हो रहा है। यहां तक कि सरकारी निर्माण कार्यों एवं संवेदकों को भी बालू नहीं मिल पा रहा है, जिससे कई योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार कार्यों को पूरा करने के लिए चोरी-छिपे बालू उठाव की स्थिति बनती है और पकड़े जाने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने प्रश्न किया कि वर्ष 2018 से पूर्व बालू घाट लघु खनिज की श्रेणी में किस व्यवस्था के तहत संचालित होते थे तथा क्या पेसा कानून 1996 की धारा 4(ट) एवं (ठ) के तहत ग्राम सभा की अनुमति आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकारों की अनदेखी उचित नहीं है।उन्होंने यह भी उठाया कि अधिक टर्नओवर के कारण बालू घाटों की नीलामी नहीं हो पा रही, जिससे राजस्व का नुकसान हो रहा है। विधायक ने पूछा कि क्या सरकार घाटों को ग्राम सभा को उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है। इस पर संबंधित मंत्री ने सदन में कहा कि मामले पर विचार किया जाएगा।

बोलबा प्रखंड कार्यालय सभागार में टीकाकरण को लेकर हुई बैठक

बोलबा। बोलबा प्रखंड कार्यालय सभागार में टीकाकरण को लेकर बाल विकास परियोजना के तहत सीडीपीओ एवं एमओआईसी की अध्यक्षता में सेविकाओं एवं स्वास्थ्य सहियाओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में नियमित टीकाकरण अभियान को प्रभावी बनाने, संयुक्त गृह भ्रमण की रणनीति तय करने तथा छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा अनिमिया मुक्त भारत अभियान, कुष्ठ रोग उन्मूलन तथा टीबी रोग की रोकथाम और जागरूकता कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सेविकाओं और सहियाओं से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

बानो में देव नदी के पास अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

बानो। थाना क्षेत्र अंतर्गत देव नदी के समीप अवैध रूप से बालू ढुलाई कर रहे एक ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त कर लिया। हालांकि पुलिस गश्ती दल को देखकर चालक अंधेरे का लाभ उठाते हुए वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।थाना प्रभारी मानव मयंक ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि देव नदी से अवैध रूप से बालू की निकासी की जा रही है। इसी क्रम में एक ट्रैक्टर बालू लादकर जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखते ही चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला।पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया है। जांच के दौरान पाया गया कि जब्त ट्रैक्टर पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं था। वाहन के इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर जिला खनन पदाधिकारी को सूचना दे दी गई है।

एस एस स्कूल में शिक्षकों का श्रमदान, स्कूल विकास की अनूठी पहल

सिमडेगा। एस एस स्कूल बांसजोर के शिक्षकों ने विद्यालय के विकास के लिए श्रमदान कर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्य में शिक्षकों ने स्वयं भाग लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस अभियान में अलोक कुमार सिन्हा, लक्ष्मीनारायण सिंह, नरेश कुमार, अम्बेश्वर सिंह, आशा रानी, पूनम खलखो, शालीमा कुल्लू, सुष्मिता कुमारी तथा अजीत यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षकों का उद्देश्य छात्रों को स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता का संदेश देना था। इस पहल से विद्यालय का वातावरण बेहतर हुआ और समुदाय में सकारात्मक संदेश गया। ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की पहल अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

बोलबा में अफीम की फसलें की गईं नष्ट, दो आरोपियों से हो रही पूछताछ

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। सिमडेगा जिले के बोलबा प्रखंड अन्तर्गत खंडानिशान गाँव में अवैध अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों में लगी फसल को नष्ट कर दिया गया। इस मौके पर डीएसपी रणबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बोलबा पुलिस, वरीय पुलिस पदाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट सह अंचल अधिकारी की टीम ने घटना स्थल खंडानिशान गाँव पहुंचकर मामले की जानकारी ली।
मौके पर जमीन मालिक अरुण धनवार को खेत में पाया गया। पूछताछ में सामने आया कि उसका एक साथी उदय मुंडा, जो खूंटी जिला के सायको थाना क्षेत्र का निवासी है, उसके मार्गदर्शन में खेती की गई थी। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले के सभी पहलुओं पर काम करते हुए आगे की कार्रवाई कर रही है।आरोपी अरुण धनवार पिता जेरोम धनवार ने बताया कि उसका दोस्त उदय मुंडा ने खेती करने के लिए खेत मांगा था, जिस पर उसने सहमति दे दी। वह बीच-बीच में आकर स्थानीय लोगों को मजदूरी पर लगाकर काम कराता था। पुलिस द्वारा बताया गया कि खेतों में लगी फसल तैयार होने पर उसकी कीमत लगभग दो करोड़ रुपये होने की बात कही गई है। अंचल अधिकारी सुधांशु पाठक ने बताया कि बोलबा में अवैध रूप से की गई अफीम की खेती लगभग 0.75 डिसमिल रैयती एवं गैर मजरुआ जमीन पर की गई थी। उन्होंने कहा कि इस अवैध कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।पुलिस द्वारा बताया गया कि कोलेबिरा के बाद अब बोलबा थाना क्षेत्र में भी अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस खोटरे को मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई।

हिंदू सम्मेलन विराट हिंदू सम्मेलन सह सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ संपन्न, भैरव सिंह बोले

जब तक हम संगठित नहीं होंगे, हमारा कल्याण संभव नहीं

- तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा हाई स्कूल विद्यालय स्टेडियम परिसर में विराट हिंदू सम्मेलन सह सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीन हजार से भी ज्यादा सनातन धर्मावलंबियों की उपस्थिति रही। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।विराट हिन्दू सम्मेलन सह सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भैरो सिंह जी का आगमन हुआ। विशिष्ट अतिथि जैन मुनि महाराज, विनोद पाहन, आचार्य शिवपति मिश्र, कौशल सिंह देव सहित कई प्रमुख वक्ता मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य वक्ता भैरव सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हिंदू समाज एकजुट नहीं है, इसी कारण समाज को बांटने का प्रयास किया जा रहा है। जब तक हम संगठित नहीं होंगे, तब तक हमारा कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने कहा

कि हम अपने धर्म और संस्कृति को नहीं जानेंगे तो उसकी रक्षा कैसे करेंगे। यही कारण है कि राम मंदिर निर्माण के लिए 500 वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। भगवान भरोसे बैठने से कुछ नहीं होगा, धर्म की रक्षा हमें स्वयं करनी होगी, तभी भगवान हमारी रक्षा करेंगे।उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लालच और प्रलोभन में आकर धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहिए। भगवान श्रीराम के चरित्र से सीख लेने की आवश्यकता है, जिन्होंने पिता की आज्ञा के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया। वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कर्म करने का संदेश दिया है। उन्होंने कहाराम जैसा पुत्र, भाई और पति बनिए, तभी समाज मजबूत होगा। जैन मुनि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह सम्मेलन हिंदू चेतना को जागृत करने का कार्य कर रहा है। हिंदू केवल धर्म नहीं बल्कि एक जीवनशैली और विचारधारा है। यदि धर्म सुरक्षित नहीं है, तो समाज भी सुरक्षित नहीं रहेगा।शिवपति मिश्रा ने हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु नदी के नाम से ही हिंदू शब्द की पहचान बनी। कौशल किशोर सिंह ने जिले में हो रहे धर्म परिवर्तन पर चिंता जताते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रलोभनों में आकर लोग अपना धर्म न बदलें। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिला ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम के अंत में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। मंच संचालन संजीत कुमार एवं सुमंत कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मनेश्वर सिंह ने दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति धर्मशाला, दुर्गा पूजा समिति रण बहादुर सिंह चौक, देवी गुड़ी चौक, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष को मारी गोली, हालत गंभीर

● अवाज सुनकर लोगों को पहुंचते ही अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया

नवीन मेल संवाददाता

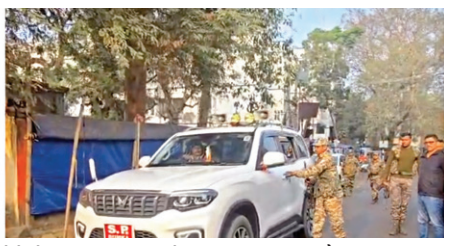

दुमका। संथाल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह को बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार दी है। गोली लगने से उसकी हालत गंभीर है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें आसनसोल रेफर कर दिया गया है। घटनास्थल पर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार अपनी टीम के साथ पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, संथाल परगना मोटर मजदूर संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह का घर दुमका नगर थाना क्षेत्र के गिलानपाड़ा मोहल्ले में है। वे अपनी घर से सुबह बाइक से बस पड़ाव जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उनका पीछा किया और डीआईजी कार्यालय के सामने उन्हें गोली मार दी। गोली उनके पीठ में लगी। गोली लगने के बाद वे चिल्लाते हुए सड़क पर बाइक समेत गिर गए। अगल-बगल के लोग उनकी आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। जबकि अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। मौके पर लोग अरुण सिंह को उठाकर फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल इलाज के लिए ले गए। जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए आसनसोल रेफर कर दिया। बता दें कि 2 साल पहले 21 अप्रैल 2024 को भी अरुण सिंह पर जानलेवा हमला हुआ था। उस वक्त गोली पिस्टल में फस जाने की वजह से वह बच गए थे। अरुण सिंह एक दैनिक अखबार की एजेंसी भी चलाते हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ कर सारी जानकारी ली। एसपी ने बताया कि अरुण सिंह पर दो गोलियां चली है। उन्हें इलाज के लिए बाहर भेजा गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बिष्टुपुर में दो बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

जमशेदपुर। बिष्टुपुर में सोमवार रात करीब नौ बजे मोदी पार्क और कॉन्वेंट स्कूल के बीच दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। घायल युवक को टाटा मेन अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इ तनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए मानवता का परिचय देते हुए दोनों घायलों को तत्काल टाटा मेन अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद बर्मामाइंस निवासी गजेंद्र यादव(45)को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं, जो जानलेवा साबित हुईं। दूसरे युवक की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार उसे आईसीयू में रखा गया है।

ईवीएम वेयरहाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

● किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने जमशेदपुर सदर प्रखंड अंतर्गत कीताडीह स्थित ईवीएम वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, रखरखाव और निगरानी व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, रिकॉर्डिंग सिस्टम और उसके बैकअप की व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि वेयरहाउस परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे और अनधिकृत प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। सीसीटीवी कैमरे लगातार सक्रिय रहें, उनकी रिकॉर्डिंग का नियमित बैकअप लिया जाए तथा समय-समय पर उसकी जांच भी की जाती रहे। उन्होंने दैनिक निरीक्षण रजिस्टर और लॉग बुक को अद्यतन एवं पारदर्शी तरीके से संधारित करने का निर्देश दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की नियमित ऑडिट, रिपोर्टिंग प्रणाली की समयबद्ध समीक्षा तथा उच्च स्तरीय निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया को देखा।

अबुआ दिशोम नहीं पिछुआ करोम बजट : डॉ नीरा

कोडरमा। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा है कि मंगलवार को झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत किया गया बजट अबुआ दिशोम बजट नहीं पिछुआ करोम बजट है। यह राज्य को आगे ले जाने वाला नहीं बल्कि विकास के मामले में पीछे करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यह दावा किया कि मंईयां सम्मान योजना में भुगतान के बाद भी 78 हजार करोड रुपए की राशि राजकोष में उपलब्ध है। वहीं केंद्र सरकार का आर्थिक सहयोग नहीं होने और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी नहीं मिलने का रोना भी रोया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री दो तरफा बातें क्यों कर रहे हैं।

शहर पर बाइक चोर गिरोह का शिकंजा, चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

हजारीबाग में चोरी की 23 मोटरसाइकिल बरामद

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। जिला पुलिस ने चोरी के 23 मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। वहीं एक चोर की गिरफ्तारी हुई है। हजारीबाग के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में चोरी किए गए मोटरसाइकिल पुलिस ने बरामद किया है। दरअसल, जिला में विगत दिनों में मोटरसाइकिल चोरी की घटना पर अंकुश लगाने के लिए हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन के द्वारा सभी थाना एवं ओपी प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया था। मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का उद्भेदन के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापोकला में मोटरसाइकिल चोरी गिरोह के सदस्य बड़े पैमाने पर चोरी की मोटरसाइकिल की खरीद बिक्री होने वाली है। गठित छापेमारी दल के द्वारा कार्रवाई करते हुए एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया एवं पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ के दौरान अपना नाम सतीश प्रजापति बताया। आरोपी ने बताया कि विभिन्न थाना क्षेत्र से मास्टर चाबी के माध्यम से वह मोटरसाइकिल चोरी करता है। उसकी निशानदेही पर उसके घर एवं घर के पीछे से कुल 23 चोरी की मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में उसने सहयोगियों के नाम बताए हैं उनकी गिरफ्तारी के लिए हजारीबाग SIT के द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सं0 :– RDSPL/SD/HZB/41/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RDSPL/SD/HZB/41/2025-26	चुरचू	चुरचू प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम+पंचायत–हरहद टोला कोवाड़ में माण्डेय घाट नदी में बड़ा गार्डवाल निर्माण।	18713200.00	374300.00	10000.00	09 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 02.03.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 02.03.2026 से दिनांक 10.03.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –11.03.2026 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR.NO.373520 Rural Development(25-26):D

जुगसलाई नगर परिषद चुनाव रद्द करने की मांग

पूर्वी सिंहभूम। जुगसलाई नगर परिषद अध्यक्ष पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के बीच उत्सुकता के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। मंगलवार को भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रिंकू सिंह अपने समर्थकों के साथ प्रखंड कार्यालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस पहुंचीं और चुनाव रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।
उन्होंने आरोप लगाया कि उनके प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी नौशीन खान के समर्थकों ने कई मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी की गई है। रिंकू सिंह का कहना है कि उनके पोलिंग एजेंटों के साथ मारपीट की गई और कुछ बूथों पर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध बताते हुए चुनाव आयोग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर चुनाव रद्द करने की मांग की है।
उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे भी आंदोलन करेंगी। दूसरी ओर, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष और प्रत्याशी नौशीन खान के पति हिदायतुल्लाह खान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

24 फरवरी 2022 को जामताड़ा में हुआ था नाव हादसा

14 मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि, पुल निर्माण की मांग दोहराई

● बारोंबंदिया घाट के समीप नदी में डूब गई थी नाव, 19 लोग सवार थे

नवीन मेल संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा जिले के बीरगांव स्थित बारोंबंदिया नदी घाट पर विगत 24 फरवरी 2022 को हुए भीषण नाव हादसे में जान गंवाने वाले 14 लोगों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीरगांव बारोंबंदिया पुल निर्माण संघर्ष समिति एवं स्थानीय बुद्धिजीवियों ने नदी के मध्य नाव के माध्यम से पहुंचकर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी शांति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो कि वर्ष 2022 में डूब से जामताड़ा आ रही एक नाव बारोंबंदिया घाट के समीप नदी में डूब गई थी। नाव पर कुल 19 लोग सवार थे। स्थानीय गोताखोरों और प्रशासन की तत्परता से 5 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद जिला प्रशासन और राहत दलों ने चार दिनों तक लगातार खोज अभियान चलाकर सभी शवों को बरामद किया। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया था।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष अकबर वकील ने कहा कि पुल के अभाव में 14 लोगों की जान चली गई। उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री से मांग की कि भविष्य में ऐसी त्रासदी न हो, इसके लिए शीघ्र पुल निर्माण कार्य पूरा कराया जाए। पुल निर्माण क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग है और यह 14 दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के उपरांत शहीदों की स्मृति में एक स्मारक बोर्ड स्थापित करने की घोषणा की गई। मौके पर पेजनिया पंचायत के पूर्व उपमुखिया काजल मंडल, वार्ड सदस्य सत्यनारायण मुर्मू, जलालुद्दीन अंसारी सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने नम आंखों से उस त्रासदी को याद किया और संकल्प लिया कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, HAZARIBAG

e-Procurement Cell
very Short e-Procurement Notice
Quotation Reference No:-BCD/EE/HAZARIBAG/ 07/2025-26 Date:- 21-02-2026

Sealed Quotations are invited for the work **- Proposed Contruction of Weigh Bridge and Operator Room with 1000 MT Godown in the Block of Dari , Chouparan and Daru ,District- Hazaribagh.** For all Materials from Reputed Shop Keepers/Manufacturers/ Suppliers/Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of

नोटः–
(1) वेवसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 28.02.2026 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2) वेवसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 06.03.2026 के अपराह्न 3:00 बजेतक।
(3) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 07.03.2026 अपराह्न 3:00 बजे।
(4) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल ,हजारीबाग।
(5) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 7319950555
(6) वैसे समुचित श्रेणी के संवेदक जिन्होंने विगत में **इस तरह** का निर्माण कार्य कराया है, वे ही ई–कोटेशन प्रक्रिया में भाग लेगें। उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, ।

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Hazaribag

PR 373526 Building(25-26).D

जमशेदपुर प्रोफेशनल कॉलेज में शुरू होगी पढ़ाई, बजट में मिली स्वीकृति

पूर्वी सिंहभूम। लंबे समय से अधर में लटका जमशेदपुर प्रोफेशनल कॉलेज अब शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होगा। सरकार ने इसे संचालित करने की औपचारिक स्वीकृति मंगलवार को पेश किए गए बजट में दे दी है। बजट के जरिए कॉलेज को इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के रूप में विकसित किया जाएगा और इसका संचालन राज्य सरकार खुद करेगी। इसे पीपीपी मोड पर देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस संबंध में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा है कि उन्हें विधानसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया था। उन्होंने तैयार भवन के बावजूद कॉलेज शुरू नहीं होने पर सवाल किया था। सरकार ने जवाब में स्पष्ट किया कि सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं और आगामी सत्र से पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार यहां मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) और डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (डीसीए) जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। इससे स्थानीय छात्रों को उच्च स्तरीय प्रोफेशनल शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के तांतनगर थाना क्षेत्र में माघे पर्व के दौरान एक नाबालिग से तीन आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों के नाम गोपी बिरूवा (23), गुरा बिरूवा (23) और कृष्ण बिरूवा (23) शामिल हैं। घटना के अनुसार शनिवार को नाबालिग अपनी सहेली के घर तांतनगर ओपी क्षेत्र में माघे पर्व मनाने गई थी। वहां आरोपितों ने मौका पाकर उसे अगवा कर लिया। सुनसान जगह पर ले जाकर उन्होंने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया और बदहवास हालत में छोड़ फरार हो गए। हिम्मत जुटाकर पीड़िता घर लौटी और माता-पिता को सारी घटना बताई।

RFP for Procurement of Hardware for PACS I Office of the Registrar, Co-operative Societies, Government of Jharkhand

BID NOTICE FOR PROCUREMENT OF HARDWARE EQUIPMENT'S FOR PACS
OFFICE OF THE REGISTRAR, CO-OPERATIVE SOCIETIES GOVT. OF JHAKRHAND
No. 380 Dated- 20.02.2026

Office of the Registrar, Co-operative Societies, Jharkhand invites bids for the work mentioned below. The RFP document can be accessed and downloaded from https://jharkhand.gov.in/agriculture/dcs or **GeM Portal**.

Bidders should have valid Digital Signature Certificate (DSC) obtained from any licensed Certifying Authorities (CA). Interested Bidders should follow the "Manuals" available on https://jharkhand.gov.in/agriculture/dcs or GeM Portal.

The Pre-qualification, technical and commercial bids vide Bid no- **GEM/2026/B/7217515** shall be submitted online through GeM Portal up to the end date & time mentioned below.

Sr. No.	Description	RFP fee	EMD (Earnest Money Deposit) in Rs.	Start date for online Bid Downloading	End date for online Bid Submission
1	Procurement of Hardware equipment's for PACS under CSS "Computerization of PACS"	NA	Rs. 39,64,000.00	As per Bid document	As per Bid document

Note: **Earnest money Deposit (EMD) must be submitted on or before due date & time prescribed in the RFP Schedule at the office of RFP inviting authority.**

The prospective bidder(s) should submit their suggestions/observations, if any, in writing / email by the date as mentioned in the RFP schedule. Only suggestions / observations received in writing/email will be clarified and any modification of the RFP documents shall be made by Office of the Registrar, Co-operative Societies exclusively through the issue of an addendum/corrigendum. The RFP uploaded shall be read along with any modification. Authorized representatives of prospective bidder(s) can attend the said meeting and obtain clarification regarding specifications, works & RFP conditions.

The RFP document is available on https://jharkhand.gov.in/agriculture/dcs and **GeM portal** along with this Bid notice.

The bidders are required to submit Earnest Money Deposit (EMD) of Rs. **39,64,000.00/- (Rupees Thirty Nine Lakhs Sixty Four Thousand Only)** in form of bank guarantee/ demand draft issued by any commercial bank in the favour of the Registrar, Co-operative Societies, Jharkhand.

The bidder shall have to pay EMD in the form of bank guarantee issued by any commercial bank in the favour of Registrar, Co-operative Societies, Jharkhand.

Note: - EMD should be submitted to the Office of Registrar Co-operative Societies, Jharkhand in original as per the Schedule mentioned in this RFP document.

Please refer to page no- 09 of RFP document to know about Exemption/Relaxation clause of EMD.

The Authority Office of the Registrar, Co-operative Societies, Jharkhand shall not be liable for any omission, mistake or error in respect of any of the above or on account of any matter or thing arising out of or concerning or relating to the RFP or the Bidding Process, including any error or mistake therein or in any information or data given by the Authority.

The Office of the Registrar, Co-operative Societies, Jharkhand reserves the right to reject all or any of the bid(s) without assigning any reason at any stage.

Bidders shall note that any corrigendum issued regarding this bid notice/RFP will be published on the portal only. No corrigendum will be published in the local newspapers. The bid is technology neutral and intended to encourage fair competition. No specification shall be interpreted to favor or disadvantage any particular bidder.

Sd/-
Registrar
Co-operative Societies,
Jharkhand

PR 373513 Co-opretive(25-26).D

प्रोत्साहन सांसद-विधायक की संयुक्त पहल पर एनटीपीसी ने तीन विद्यालयों को दी खेल सामग्री

बालिका उवि को शीघ्र प्लस टू में उत्क्रमित कराने की कवायद तेज

● शिक्षा के साथ खेलकूद भी विद्यार्थियों के जीवन का अनिवार्य हिस्सा है

बरही : स्थानीय सांसद मनीष जयसवाल और बरही विधायक मनोज कुमार यादव की पहल पर एनटीपीसी ने बरही के तीन प्रमुख विद्यालयों को खेल सामग्री उपलब्ध कराई। इसके तहत परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, प्लस टू उच्च विद्यालय बरही तथा प्लस टू उच्च विद्यालय गौरियाकरमा के छात्र-छात्राओं को खेल किट सौंपी गई। दोनों जनप्रतिनिधियों की इस पहल को शिक्षा के साथ खेल को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खेल सामग्री वितरण कार्यक्रम में सांसद और विधायक के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कहा कि सांसद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद भी विद्यार्थियों के जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल से अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है, जो उन्हें बेहतर नागरिक बनने में सहायक होता है। कार्यक्रम के दौरान जानकारी दी गई कि सांसद और विधायक के संयुक्त प्रयास से परियोजना बालिका उच्च विद्यालय को शीघ्र ही प्लस टू विद्यालय में उत्क्रमित कराने की प्रक्रिया तेज की गई है, जिससे क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे।
अंत में विद्यार्थियों के बीच क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन किट के साथ फर्स्ट एड किट वितरित किए गए। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल के लिए सांसद, विधायक और एनटीपीसी प्रबंधन के प्रति आभार जताया। समारोह में मुखिया शमशेर आलम, जिप सांसद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी, मोतीलाल चौधरी, राजन ओम, विद्यालय प्रधान रविकांत ओम, शिव कुमार, शिक्षक सुनील द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विचार प्रवाह

एक बार जब मैं ध्यान कर रहा था तो मैंने ईश्वर की वाणी की अपने अंतर में फुसफुसाहट सुनी "तुम कहते हो मैं दूर हूं, परंतु तुम ही अंदर नहीं आए। इसलिए तुम कहते हो मैं दूर हूं। मैं सदा भीतर ही हूं। भीतर आओ तो तुम मुझे देख लोगे। मैं तुम्हारा स्वागत करने के लिए नित्य यहां उपस्थित हूं।" - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

ब्रज की माटी का दिव्य शौर्य और प्रेम उत्सव लट्ठमार होली

उत्तरप्रदेश के ब्रज क्षेत्र की प्रसिद्ध लट्ठमार होली मात्र रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि अध्यात्म, इतिहास और लोक संस्कृति के त्रिवेणी संगम के रूप में सहस्त्राब्दियों से भारत की आत्मा में रची बसी है। विश्व की सबसे अनूठी परंपराओं में से एक बरसाना और नंदगांव में खेली जाने वाली यह लठमार होली ब्रज की माटी का दिव्य शौर्य और प्रेम उत्सव का प्रतीक है। यह द्वापर युग की दिव्य प्रेम गाथा का जीवंत पुनर्मूल्यांकन है। धार्मिक मान्यतानुसार यह परंपरा भगवान श्रीकृष्ण और राधा के प्रेमपूर्ण नोकझोंक का प्रतीक है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण अपने सखाओं के साथ बरसाना आकर राधा और उनकी सखियों को चिढ़ाते थे, जिसके जवाब में गोपियां उन्हें लाठियों से भगाती थीं। इस उत्सव में महिलाएं पुरुषों पर अर्थात हुरियारिनें हुरियारों पर लाठियों से वार करती हैं, जबकि पुरुष ढाल का उपयोग करके स्वयं को बचाते हैं। यह मुख्य रूप से दो चरणों में होता है- पहले दिन बरसाना में नंदगांव के पुरुष आते हैं। अगले दिन नंदगांव में बरसाना के पुरुष होली खेलने जाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण अपने सखाओं अर्थात ग्वालों के साथ नंदगांव से बरसाना आकर राधारानी और उनकी सखियों को गुलाल लगाकर छेड़ते थे। कान्हा की शरारतों से तंग आकर राधा और उनकी सखियां (गोपियां) उन्हें सबक सिखाने के लिए लाठियां लेकर उनके पीछे दौड़ती थीं। आज भी इस परंपरा में नंदगांव के पुरुषों को हुरियारे अर्थात श्रीकृष्ण के प्रतीक और बरसाने की महिलाओं को हुरियारिन राधा के प्रतीक माना जाता है। नंदगांव की लठमार होली, बरसाना की होली का ही दूसरा और पूर्ण पक्ष है। जहां बरसाना में नंदगांव के पुरुष जाते हैं, वहीं अगले दिन बरसाना के हुरियारे भगवान श्रीकृष्ण के गांव नंदगांव में अपना शक्ति प्रदर्शन करने पहुंचते हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब बरसाना की गोपियों ने श्रीकृष्ण और ग्वालों को लाठियों से भगाया था, तब अगले दिन ग्वालों ने उन्हें अपने गांव नंदगांव आने का निमंत्रण दिया। लेकिन यहां उलटी गंगा बहने लगती है। यहां परंपरा थोड़ी बदल जाती है। अब नंदगांव की गोपियां (श्रीकृष्ण की सखियां) बरसाना के पुरुषों पर प्रहार करती हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि कृष्ण के गांव में गोपियां ही सर्वोपरि हैं। नंदगांव की होली का केंद्र नंद राय मंदिर (नंदभवन) है, जहां का वातावरण अबीर-गुलाल और समाज गायन से आध्यात्मिक हो उठता है। बरसाना के हुरियारों को नंदगांव में पाहुन (अतिथि) माना जाता है। यहां लाठियों की गूंज के साथ नंद के आनंद भयो जैसे जयकारों का अनूठा संगम होता है। यहां हुरियारिनों की लाठियां अधिक तीव्र मानी जाती हैं। पुरुष चमड़े की ढालों से अपनी रक्षा करते हैं। यह दृश्य भक्ति के उस स्तर को दर्शाता है जहां भक्त और भगवान के बीच का अंतर समाप्त होकर केवल खेल शेष रह जाता है। यह केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि सदियों पुरानी उस मर्यादा का पालन है जहां प्रहार में भी प्रेम और चोट में भी आशीर्वाद का अनुभव होता है। लट्ठमार होली ब्रज की संस्कृति का वह दर्पण है, जहां भक्ति, श्रृंगार और वीरता एक साथ परिलक्षित होते हैं। यह उत्सव पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की शक्ति और स्वाभिमान का एक अनूठा उदाहरण पेश करता है। यह सामाजिक समरसता का प्रतीक है। नंदगांव के हुरियारों को बरसाने में दामाद के समान सम्मान दिया जाता है। लाठियों की मार के बीच भी गूंजते होरी के गीत और प्रेम के रंग द्वेष को समाप्त कर देते हैं। यह होली शरीर की नहीं, अपितु आत्मा के उल्लास की है। रंगीली गली और लाड़ली जी मंदिर के प्रांगण में जब ढाल पर लाठियां पड़ती हैं, तो वह ध्वनि भक्ति के नाद जैसी प्रतीत होती है। यदि कोई हुरियारा पकड़ा जाता है, तो उसे दंड स्वरूप महिलाओं के वस्त्र पहनाकर नृत्य कराया जाता है, जो अहंकार के विसर्जन का प्रतीक है। भारतीय इतिहास में लट्ठमार होली का स्थान केवल एक उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि ब्रज संस्कृति की अटूट जीवंतता और मध्यकाल से चली आ रही सामाजिक परंपरा के प्रमाण के रूप में है। ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार ब्रज की इस होली का स्वरूप 16वीं और 17वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के दौरान और अधिक व्यवस्थित हुआ। चैतन्य महाप्रभु और अन्य वैष्णव संतों ने कृष्ण की लीलाओं को पुनर्जीवित किया, जिससे लट्ठमार होली को एक धार्मिक अनुष्ठान का दर्जा मिला। भारत पर हुए तमाम विदेशी आक्रमणों और सांस्कृतिक परिवर्तनों के बावजूद ब्रज की यह परंपरा कभी नहीं रुकी। यह स्थानीय समुदायों की अपनी जड़ों के प्रति दृढ़ता का प्रतीक मानी जाती है। ऐतिहासिक रूप से यह दो गांवों- नंदगांव और बरसाना-के बीच के प्रेम-संबंधों और आपसी सद्भाव को प्रगाढ़ करने का माध्यम रही है। यह उत्सव गांवों के बीच की भौगोलिक दूरी को पाटकर एक सांस्कृतिक परिवार का निर्माण करता है। भारतीय इतिहास में जहां महिलाओं को अक्सर कोमलांगी के रूप में चित्रित किया गया है, वहीं लट्ठमार होली में उनका लाठी उठाना उनकी शक्ति और समाज में बराबरी के दर्जे का ऐतिहासिक साक्ष्य है। इस होली के साथ जुड़ा समाज गायन अर्थात मध्यकालीन ब्रजभाषा के पद भारतीय लोक साहित्य की एक अनमोल धरोहर है, जो मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ियों से चली आ रही है। आज यह परंपरा यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत के मानकों पर खरी उतरती है और विश्व भर के पर्यटकों के लिए भारतीय इतिहास के लिविंग हेरिटेज का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस परंपरा की मौलिकता इस तथ्य में निहित है कि यहां प्रहार में भी प्रेम छिपा है। जहां एक ओर पुरुष अर्थात हुरियारे भारी ढालों के साथ अपनी रक्षा करते हैं, वहीं महिलाएं अर्थात हुरियारिनें पूरे उत्साह के साथ उन पर लाठियों की वर्षा करती हैं। यह भक्ति और शक्ति का संतुलन है। यह दृश्य प्रतीकात्मक रूप से यह संदेश देता है कि भक्ति के मार्ग में अहंकार को चोट पहुंचाना आवश्यक है ताकि प्रेम का रंग और गहरा हो सके। भारतीय समाज के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में लट्ठमार होली नारी शक्ति का एक जीवंत उदाहरण है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राष्ट्रीय नवीन मेल

बांग्लादेश के बाद अब नेपाल के चुनाव पर है विश्व की नजर व भारत का भविष्य

अराजक पड़ोसियों से भारत भी अछूता नहीं रह पाता और बांग्लादेश के बिगड़े हालात से लगता है अब चुनाव के बाद स्थिति बदल रही है उसी तरह नेपाल भी भारत के लिए बहुत विशेष महत्व रखता है जहां भारत विरोध को हवा देने के अलावा चीन और पाकिस्तान का बढ़ता दखल भारत के हित में नहीं है पर अब वहां की जनता भी वामपंथी और कथित लोकतंत्र से तंग आ चुकी है।आगामी पांच मार्च को नेपाल में चुनाव होने वाले हैं, पर राष्ट्र अब भी विगत सितंबर में बड़े पैमाने पर हुए विरोध-प्रदर्शनों की उथल-पुथल से उबर रहा है। इन प्रदर्शनों को आम तौर पर 'पांचवीं क्रांति' कहा जाता है, जिसके कारण केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (सीपीएन-यूएमएल) की सरकार गिर गई थी। नए चुनावों की घोषणा से पहले हफ्तों तक अशांति, प्रशासनिक पंगुता और राजनीतिक अनिश्चितता रही। हालांकि, मतदान पूरे देश में होना है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए संदेह है कि मतदान आसानी से हो पाएगा या नहीं। यह चुनाव एक आम लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ज्यादा विश्वसनीयता, सांविधानिक स्थिरता, युवाओं के आक्रोश और नेपाल के अपने दो शक्तिशाली पड़ोसियों के बीच भू-राजनीतिक संतुलन पर एक जनमत-संग्रह है। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच है। नेपाली कांग्रेस के लिए प्रचार मुख्यतः लोकतंत्र की बहाली और संस्थाओं में भरोसा फिर से बनाने पर केंद्रित है। पार्टी नीतिगत पूर्वानुमान, छोटे और मझोले उद्यमों को फिर से शुरू करने, भारत के साथ हाइड्रोपावर सहयोग बढ़ाने और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा का वादा कर रही है, खासकर विरोध प्रदर्शनों के दौरान इंटरनेट शटडाउन और पुलिसिंग विवादों को देखते हुए,हालांकि, पार्टी की आंतरिक गुटबाजी उसका एक संरचनात्मक कमजोर पक्ष बना हुआ है, जो उसके चुनावी लाभ को कम कर सकता है। वहीं, कम्युनिस्ट विचारधारा एक अलग सोच पेश करती है। सीपीएन-यूएमएल अपने उथल-पुथल भरे और अस्त-व्यस्त कार्यकाल को बचाने के लिए मजबूत नेतृत्व, बुनियादी ढांचों में बढ़ोतरी और राष्ट्रवादी दावे करके हर मुमकिन कोशिश कर रही है। पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) सामाजिक न्याय, संघीय सशक्तीकरण और युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप सांविधानिक सुधारों पर जोर देकर अपनी पुनर्वितरणवादी विश्वसनीयता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है। साथ मिलकर वामपंथी दल संप्रभुता, संतुलित कूटनीति और पारंपरिक निर्भरता से आगे आर्थिक विविधीकरण पर जोर देते हैं। फिर भी, व्यापक वामपंथी धड़े के भीतर वैचारिक एकता नाजुक बनी हुई है, क्योंकि प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाएं एकता को जटिल बनाती हैं। चुनावी अभियान को और जटिल बनाता है घोषणा-पत्र प्रकाशन को लेकर विवाद। चुनाव लड़ रहे 68 दलों में से आधे से अधिक निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने घोषणा-पत्र प्रकाशित करने में विफल रहे। चुनाव मैदान में 3,406 उम्मीदवार हैं, जिनमें लगभग 1,160 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं, जो 165 सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वित्तीय अनुपालन भी असमान रहा है। ये चूकें उस समय संस्थागत अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं, जब सार्वजनिक विश्वास पहले ही कमजोर हो चुका है। साथ ही, पिछले चुनाव के खंडित जनादेश की यादें बनी हुई हैं और मतदाता अनिश्चित नतीजे को लेकर सावधान हैं। भारत के लिए, नेपाल की स्थिरता का सीधा असर सुरक्षा और आर्थिक तौर पर होता है। दोनों देशों के बीच 1,700 किलोमीटर से अधिक की खुली सीमा, गहरे ऐतिहासिक रिश्ते और करीबी सैन्य सहयोग है। हाल के वर्षों में हाइड्रोपावर सहयोग, सीमा पार बिजली व्यापार और संपर्क परियोजनाओं ने रफ्तार पकड़ी है। इसे बनाए रखने के लिए काठमांडो में एक भरोसेमंद और स्थिर सरकार जरूरी है। इसके अलावा, नेपाल में राजनीतिक संकट के दौरान अक्सर घरेलू लामबंदी के औजार के तौर पर समय-समय पर भारत विरोधी बातें उठती रही हैं। नई दिल्ली की प्राथमिकता एक संप्रभु, लेकिन स्थिर नेपाल है, जिसके साथ पारंपरिक रिश्ते मजबूत किए जा सकें। पिछले दशक में नेपाल में चीन की भागीदारी काफी बढ़ी है। नेपाल के लिए, भारत और चीन के साथ संतुलन बनाना अब भी मुश्किल है। भूगोल काठमांडो को नई दिल्ली व बीजिंग, दोनों के साथ बेहतर संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है। ऐसे में, चुनाव के नतीजे यदि एक तरफ झुकते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ने का खतरा है। नेपाल में चुनाव युवाओं की नाराजगी, संस्थाओं की कमजोरी और भू-राजनीतिक संवेदनशीलता की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं। भारत और चीन, दोनों के लिए ही, इस नतीजे का रणनीतिक महत्व है। फिर भी, निर्णायक आवाज नेपाल के मतदाताओं की होगी-चाहे वे पुराने राजनीतिक ढांचे को फिर से बनाना चाहें या गणतंत्र की दिशा को फिर से तय करने का प्रयास करें। भारत को भी मूक दर्शक बने रहने से अच्छा पड़ोस की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और तदनुसार निर्णय लेना चाहिए। भारत और नेपाल मात्र पड़ोसी देश नहीं बल्कि सांस्कृतिक रूप से बहुत ही मजबूत डोर से बंधे प्राचीन मित्र हैं जिनके अच्छे बुरे से दोनों के भविष्य जुड़े हैं। चीन पैसों की मदद के बलबूते नेपाल को भारत से दूर करना चाहता है जबकि भारत और नेपाल के बीच का अंतर धार्मिक सांस्कृतिक आयोजनों में मिट जाता है और दोनों के बीच रोटी-बेटी का संबंध सदियों से है । नेपाल के रास्ते व्यापार और भारत का बिजली पानी जैसी सुविधा के सदियों पुराने चैनल को बंद या प्रभावित कर चीन नेपाल को कर्ज के बोझ तले दबाना चाहता है जिससे उसे अपनी शर्तों गुलामों जैसा कमजोर देश मिल जाएगा और वह उसकी आड़ में भारत को आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से कमजोर बनाना चाहता है । पाकिस्तान की तरह उसकी मंशा नेपाल को भी राजनीतिक रूप से उलझा कर रखने की है जिससे नेपाल के लोग आर्थिक रूप कभी भी आत्मनिर्भर न बन पाएं और चीन के सामने याचक बने रहें इस तरह वह हिंदू राष्ट्र की अवधारणा वाले देश की युवा पीढ़ी को नशे में झोंक सके या हमेशा गुलाम बनाकर रख सके जिससे वे वामपंथी बनकर भारत विरोधी जेनजी बन सकें न कि धर्मभीरु नेपाली । चीन जनता है कि यदि नेपाल की मूल हिंदू विचारधारा जागृत हो गई तो वह उसकी अपेक्षा भारत के प्रति अधिक आकर्षित करने वाला करक बन जाएगी और भारत और भी शक्तिशाली बन जाएगा । भारत की कथित धर्मनिरपेक्षता वाली नीति हमेशा नेपाल से उसे दूर करती रही जबकि नेपाल मूल के लाखों लोग पूरे सम्मान के साथ भारत में नौकरी व्यवसाय से लेकर भारतीय नागरिक जैसी सुविधा लेते रहे हैं जो चीन नहीं चाहता।

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आज की बात

अशोक 'प्रवृद्ध'

इस उत्सव में महिलाएं पुरुषों पर अर्थात हुरियारिनें हुरियारों पर लाठियों से वार करती हैं, जबकि पुरुष ढाल का उपयोग करके स्वयं को बचाते हैं। यह मुख्य रूप से दो चरणों में होता है- पहले दिन बरसाना में नंदगांव के पुरुष आते हैं। अगले दिन नंदगांव में बरसाना के पुरुष होली खेलने जाते हैं।

राष्ट्रीय नवीन मेल

धर्म-अध्यात्म

आत्म-संयम के साथ जीने का हर प्रयास है 'तपस'

स्वामी चिन्मयानंद

हम इस कार्य को किस प्रकार अर्पित करें ? यदि हम व्यायामशाला इस उद्देश्य से जाएं कि अच्छा दिखें, तो यह अहंकार को बढ़ाता है तथा केवल अपने बारे में सोचने पर मजबूर करता है। जितना अधिक हम अपनी श्रेष्ठता या हीनता के भ्रम में ध्यान केंद्रित करते हैं, उतना अधिक हम अपने बारे में सोचते हैं, न कि दूसरों के बारे में। जब हम व्यायामशाला इस उद्देश्य से जाएं कि स्वयं का पोषण करें, अपने शरीर को स्वस्थ बनाएं ताकि सेवा कर सकें, तो यह एक अर्पण बन जाता है, क्योंकि हम अपनी तपस्या का उपयोग दूसरों की सहायता करने के उद्देश्य से कर रहे हैं। बाह्य जगत के साथ अपने सभी व्यवहारों में आत्म-संयम के साथ जीने का हर प्रयास, जिसमें हमारे समस्त प्रयत्न स्वयं को एक अधिक दिव्य, श्रेष्ठ और ऊँचे स्वरूप में विकसित करने के उच्च उद्देश्य के लिए समर्पित होते हैं-उसी को 'तपस' कहा जाता है। इन पांच कार्यों में तथा इनके माध्यम से समष्टि के लिए कर्म करना, पोषण हेतु आहार करना, पवित्रता के लिए प्रार्थना करना, उन्नति हेतु दान देना तथा वृद्धि के लिए अनुशासन अपनाना हम कार्य को उपासना में परिवर्तित कर सकते हैं। ये पाँच कर्म केवल उदाहरण के रूप में लिए गए हैं, यह दिखाने के लिए कि वास्तव में हम जो कुछ भी करते हैं, वह पूजा का रूप ले सकता है। इसे हमारे दैनिक जीवन में सहज रूप से समाहित किया जा सकता है। जब सभी क्रियाएं समर्पण-भाव से की जाती हैं, तब वे न केवल परमेश्वर के प्रति हमारा प्रेम बढ़ाती हैं, अपितु हमारा सम्पूर्ण जीवन भी एक उच्च उद्देश्य तथा दिव्य लक्ष्य से पवित्र हो जाता है... हम सरलता से समझ सकते हैं कि यह श्लोक हमें एक कुशल तथा गुप्त विधि प्रदान करता है, जिसके द्वारा साधक अनजाने में ही सतत् परमेश्वर का स्मरण करते रहते हैं; न तो घने वनप्रदेशों में, न गुप्त गुफाओं में, बल्कि जीवन के संघर्षपूर्ण क्षेत्रों में भी। - ***पुस्तक गीता पंचामृत से साभार)***

मिलावट के दौर में गुणवत्ता की गारंटी नहीं

अलग बात

शिवानी सिंह

एक दौर था जब नाना-दादा सुबह घर का बना छांछ और रात की बासी रोटी खाकर सुबह खेतों में निकाल जाया करते थे और वहां घंटों काम करने के बाद घर वापस आकार वही बाजरे, मक्के की रोटी और उसके साथ जो भी उपलब्ध हो खाकर थोड़ा आराम फिर अपने काम की ओर वापस। शाम हुई तो घर का बना दलिया और घर की गईया का एक ग्लास दूध बस हो गया पूरे एक दिन का खाना फिर भी उनके शरीर में जो ताकत रहती थी आज के युवा पीढ़ी में कहां फर्क सिर्फ इतना था वो घर का बना, उनके खेत का उगया बिना खाद और बिना पेस्टिसाइड वाला शुद्ध भोजन और शारीरिक मेहनत करते थे। आधुनिकता के दौर में हम इतने अंधे होते जा रहे है कि हमे ना ही अपने खेतों की गुणवत्ता की परवाह रह गई है ना ही अपने स्वयं के स्वास्थ्य की। गलती हमारी भी नहीं है क्योंकि वक्त की ऐसा चल रहा जिसमें सभी प्रतिस्पर्धा में भाग रहे है। गावं से शहर की ओर पलायन दिन-प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है बढ़े भी क्यों नहीं बेरोजगारी और भुख इंसान को अपनों को छोड़ने पर मजबूर कर दे रहा है। जो लोग गावं में रह कर खेती किसानी कर भी रहे वो ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए ज्यादा उत्पादन चाहते है इसी कारणवश उन्हें खतरनाक पेस्टिसाइड और अन्य उत्पादन बढ़ाने वाले पदार्थों का प्रयोग कर रहे है। गावं से शहर की ओर आया व्यक्ति शहरीकरण का शिकार होता जा रहा है और शहरों में भी जनसंख्या घनत्व इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि शहर से समीप गांव का अस्तित्व खतरे में आता नजर या रहा है। इन्हीं सब कमियों का लाभ उठाकर बड़ी बड़ी कंपनियां अपना मुनाफा काम रही है। अमूल एक ऐसा नाम है जिसे देश का बच्चा- बच्चा जनता है। अकले अमूल कंपनी का कुल टर्न ओवर वित्त वर्ष 2024-25 में 90 हजार करोड़ था वहीं मदर डेयरी का लगभग 17,500 करोड़ रहा है। जिन कॉम्पनियों के उत्पादों पर हम आँख बंद कर के भरोसा कर रहे है क्या वो हमारे स्वास्थ्य के लिए उचित उत्पाद बना रही है? उत्तर में हम बिल्कुल भी सतप्रतिशत हां नहीं कह सकते है। बीते दिनों ट्रस्टीफाइड नामक एक यू ट्यूब चैनल ने अमूल, मदर डेयरी और कन्ट्री डीलाइट के दूध का स्वतंत्र माइक्रो बायोलॉजिकल परीक्षण करवाया परिणाम अत्यंत दुखद है, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (फ़स्साई) के सुरक्षा मानक से काफी ऊपर आए। इन कॉम्पनियों के दूध में कोलीफॉर्म्स और टोटल प्लेट काउन्ट की मात्रा फ़स्साई की सैफ लिमिट से अधिक पाए गए है जो एक हानिकारक बैक्टीरिया है। इसका अर्थ यह है की दूध में दूषित पानी की मात्रा अधिक है जिसको पीने से पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। विडंबना यह है की इंसान करे तो क्या करे सांस ले तो हवा जहरीली, सब्जी खाए तो पेस्टिसाइड भरा है फल, मसाले और अब दूध भी। रोजगार है नहीं मेहनत से इंसान पैसे कमा रहा है और इन सभी मिलवाटी उत्पादों का सेवन कर रहा जो महंगाई के दौर मैं जो भी थोड़ी बहुत बचत हो रही है वो दवाइयों में चली जा रही है। यह एक बहुत बड़ा प्रश्न है की इसका उपाय क्या है? ऐसी कोई भी खबर आती है थोड़े दिन तक चलती है फिर सभी अपने अपने कामों में व्यस्त और फिर से हम इन्हीं उत्पादों का सेवन करने लग जाते विवशता है या कोई अन्य उपाय है ही नहीं। अंत में यही कह सकते है मिलावट के दौर में व्यक्ति के जीवन का कोई भरोसा नहीं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

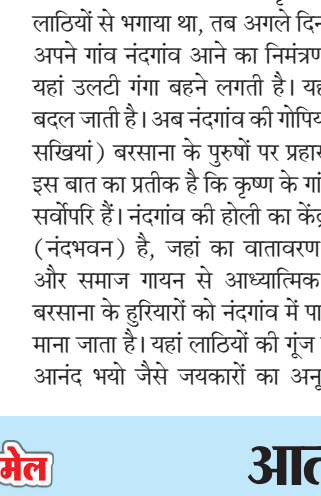

एक्स से

आज का दोहा

करने को कुछ है नहीं, भरने को बहुतेर।
आ भी जाओ राम जी, बहुत हो गयी देर।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

होलाष्टक के आठ दिनों का आध्यात्मिक विज्ञान

देश की बात

महेंद्र तिवारी

होलाष्टक का काल भारतीय संस्कृति में केवल तिथियों का समूह नहीं है, बल्कि यह समय के उस सूक्ष्म अंतराल का प्रतीक है जहां प्रकृति, ग्रह-नक्षत्र और मानवीय चेतना एक विशिष्ट रूपांतरण से गुजरते हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलने वाले ये आठ दिन जिन्हें हम होलाष्टक कहते हैं, वर्ष 2026 में 24 फरवरी से आरंभ होकर 3 मार्च तक अपनी व्याप्ति बनाए रखेंगे। इस अवधि को सामान्यतः शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है, लेकिन यदि हम इसके आध्यात्मिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक धरातल को गहराई से देखें, तो यह वर्जना वास्तव में एक गहरी तैयारी और आंतरिक शुद्धि का निमंत्रण है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इन आठ दिनों में सौरमंडल के आठ प्रमुख ग्रह- चंद्रमा, सूर्य, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहु-क्रमशः अपनी उग्र अवस्था में होते हैं। ग्रहों की यह उग्रता सीधे तौर पर मानव मस्तिष्क और उसकी निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। जब ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं इतनी अस्थिर और प्रखर हों, तो किसी भी नए जीवन-प्रसंग जैसे विवाह, गृह-प्रवेश या व्यापारिक प्रतिष्ठान की नींव रखना जोखिम भरा माना जाता है क्योंकि अस्थिर नींव पर खड़ा भवन दीर्घजीवी नहीं होता। अष्टमी तिथि को जब होलाष्टक का आरंभ होता है, तब चंद्रमा अपनी चंचलता के चरम पर होता है। चंद्रमा मन का कारक है, और इसकी उग्रता व्यक्ति के भीतर भावनाओं का ज्वार पैदा करती है। यही कारण है कि होलाष्टक के शुरुआती दिनों में लोग अक्सर बिना किसी ठोस कारण के बेचैनी या मानसिक भारीपन महसूस करते हैं। जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, सूर्य, मंगल और शनि जैसे क्रूर ग्रहों का प्रभाव बढ़ता जाता है, जिससे अहंकार, क्रोध और आलस्य की प्रवृत्तियां उभरने लगती हैं। पौराणिक संदर्भों में इस काल को प्रह्लाद की यातनाओं से जोड़कर देखा गया है। राक्षसराज हिरण्यकशिपु ने अपने ही पुत्र को भक्ति मार्ग से विचलित करने के लिए इन आठ दिनों में जो क्रूरतम प्रयास किए, वे मानवीय सीमाओं की परीक्षा थे। कभी प्रह्लाद को ऊंचे पर्वत से नीचे फेंका गया, कभी विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया और कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ। यह कथा हमें यह सिखाती है कि जब बाहरी परिस्थितियां अत्यंत प्रतिकूल हों और चारों ओर नकारात्मक शक्तियों का घेरा हो, तब केवल आंतरिक विश्वास और ईश्वर के प्रति अटूट समर्पण ही रक्षा कवच का कार्य करता है। प्रह्लाद की वह भक्ति आज के संदर्भ में हमारे 'आत्म-बल' का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो होलाष्टक का समय ऋतु परिवर्तन का संधिकाल है। उत्तर भारत में शीत ऋतु विदा ले रही होती है और ग्रीष्म का आगमन पदचाप सुनाने लगता है। इस संक्रमण काल में वातावरण में नमी और तापमान का संतुलन बिगड़ता है, जिससे सूक्ष्म जीवाणु और वायरस अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। हमारे पूर्वजों ने इस समय को 'अशौच' या संयम का समय इसलिए घोषित किया ताकि लोग भीड़भाड़ वाले आयोजनों से बचें और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। होलाष्टक के दौरान होलिका रोपण की परंपरा भी इसी वैज्ञानिक बोध का हिस्सा है। गाँव के चौराहे पर लकड़ियाँ और सूखी टहनियाँ एकत्र करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि परिवेश की स्वच्छता का अभियान है। होलिका दहन के समय निकलने वाली अग्नि और उसमें डाली जाने वाली औषधियाँ जैसे कपूर, गूगल और लोबान वातावरण को विसंक्रमित करने का कार्य करती हैं। इस प्रकार, जो हमें धार्मिक निषेध दिखाई देता है, उसके मूल में जन-स्वास्थ्य की गहरी चिंता छिपी हुई है। आधुनिक जीवनशैली में जहां तनाव और 'बर्नआउट' एक महामारी का रूप ले चुके हैं, वहां होलाष्टक को एक 'कॉस्मिक डिटॉक्स' या 'डिजिटल डिटॉक्स' के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेज़ी से बदलते जियोपॉलिटिकल हालात के बीच मिलेंगे नेतन्याहू से

इजरायल के साथ बड़े रक्षा सौदे पर लग सकती है मुहर

एजेंसी। काठमांडू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के दो दिन के दौरे पर जा रहे हैं। दुनिया भर में अनिश्चितताओं और तेज़ी से बदलते जियोपॉलिटिकल हालात के बीच इस दौरे को बहुत ज़रूरी माना जा रहा है। इस हाई-स्टेक दौरे के दौरान, भारत के एडवांस्ड इज़रायली वेपन सिस्टम की खरीद के लिए ज़रूरी एग्रीमेंट को फ़ाइनल करने की उम्मीद है। नई दिल्ली लेज़र-गाइडेड हथियार खरीदने के लिए बड़े डिफ़ेंस डील कर सकती है, जिसमें लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे ब्रह्मोस से भी ज्यादा खतरनाक हैं। भारत आयरन डोम एयर डिफ़ेंस सिस्टम और एडवांस्ड ड्रोन खरीदने पर भी विचार कर सकता है। इनमें से कई सिस्टम मोदी के खास मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत भारत और इज़राइल मिलकर बना सकते हैं।

पीएम का रणनीतिक सहयोग पर फोकस

पीएम नरेन्द्र मोदी की बुधवार से दो दिनों की इजरायल यात्रा शुरू हो रही है। 2017 के बाद पीएम के दौरे को द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। दोनों देश रक्षा, आर्थिक साझेदारी से लेकर अहम मुद्दों पर बात करेंगे। दिल्ली में तैनात इस्त्राइली राजदूत ने एक विडियो जारी कर इस दौरे को बेहद अहम बताया है। इसमें क्वॉटम, साइबर क्षेत्र और AI जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग की बात की गई है। इसके अलावा कहा गया कि कृषि समेत कुछ अहम क्षेत्रों पर भी जोर होगा।

सुदर्शन चक्र की तकनीक पर पार्टनरशिप

भारत 2035 तक शहरी सेंटर्स और ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाने के लिए 'सुदर्शन चक्र' नाम का एक घरेलू, मल्टी-टियर एयर डिफेंस आर्किटेक्चर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस कोशिश के तहत, नई दिल्ली आयरन डोम, एरो और डेविड्स स्लिंग सिस्टम जैसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के लिए इज़राइल के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। प्लान किया गया फ्रेमवर्क बराक-8 एमआर-एसएएम/एलआर-एसएएम प्लेटफॉर्म को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड सेंसर नेटवर्क और मज़बूत साइबर-डिफेंस क्षमताओं के साथ मिलाकर एक इंटीग्रेटेड प्रोटेक्टिव शील्ड बनाएगा।

मसाला
1000 प्रिसिजन गाइडेड बम

फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत हाल ही में मंज़ूर किए गए एक बड़े डिफेंस प्रोक्योरमेंट पैकेज के हिस्से के तौर पर इज़राइल से SPICE-1000 प्रिसिजन-गाइडेड बम किट खरीदने की ओर बढ़ रहा है। SPICE का मतलब है स्मार्ट, प्रिसाइज इम्पैक्ट, कॉस्ट-इफेक्टिव। SPICE GPS और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल गाइडेंस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है और लंबी दूरी से टारगेट को हिट कर सकता है। इन्हें खराब मौसम या GPS-जैमिंग माहौल में भी बहुत सटीकता से हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मध्य प्रदेश के उड़द उत्पादक किसानों को 600 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस : सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने राज्य के उड़द उत्पादक किसानों के लिए बड़ी सौगात दी है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि राज्य के उड़द उत्पादक किसानों को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के रूप में दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा राज्य के किसानों के लिए किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। राज्य के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। खासकर गर्मी की फसल में उड़द को प्रोत्साहन देने के लिए एमएसपी के अलावा मध्य प्रदेश सरकार अपने किसानों को 600 रुपए क्विंटल का बोनस देने जा रही है। यह बड़ी घोषणा और योजना है, इसके माध्यम से राज्य के किसानों को लाभ होगा और खेती का रकबा भी बढ़ेगा। इससे राज्य में लगभग तीन लाख हेक्टेयर का रकबा बढ़ाने की संभावना है। सीएम मोहन यादव ने आगे कहा कि राज्य में लगभग पांच लाख हेक्टेयर में उड़द का उत्पादन हो रहा है। उड़द का समर्थन मूल्य 7800 रुपए प्रति क्विंटल है। ऐसे में 600 जोड़ा जाएगा। राज्य सरकार किसानों के लिए भावांतर योजना लागू कर चुकी है और सोयाबीन किसानों को इसका लाभ भी हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि भावांतर योजना से अब तक सोयाबीन किसानों को 1500 करोड़ रुपए की राशि दी गई है।

एमके स्टालिन सियासी फायदे के लिए भावनात्मक मुद्दों का जिक्र कर रहे हैं : तमिलिसै

चेन्नई। भाजपा नेता तमिलिसै सौंदरराजन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी क्या वजहें हैं कि वे हमेशा चुनाव आने से पहले ही ऐसे मुद्दों को उठाना जरूरी समझते हैं, जिससे लोगों को भावनात्मक रूप से इस्तेमाल किया जा सकें। उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि हम इस बात को भलीभांति जानते हैं कि जैसी चुनाव की घड़ी निकट आती है, तो एमके स्टालिन कभी भाषा तो कभी परिसीमन जैसे मद्दों का जिक्र करके राजनीतिक लाभ अर्जित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इससे किसी भी प्रकार का राजनीतिक लाभ प्राप्त होने वाला नहीं है। भाजपा नेता तमिलिसै सौंदरराजन ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि एमके स्टालिन मौजूदा समय में भावनात्मक मुद्दों का जिक्र अपने पक्ष में राजनीतिक माहौल कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से बड़े स्तर पर राजनीतिक फायदा प्राप्त होगा। मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि इससे उन्हें किसी भी प्रकार का फायदा होने वाला नहीं है, क्योंकि आज की तारीख में प्रदेश की जनता काफी समझदार है। वो हर चीजों से वाकिफ हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री की ओर से ऐसे भावनात्मक मुद्दों का जिक्र किया जाना पूरी तरह से निष्फल ही साबित होगा।

बांग्लादेश पुलिस के 'एंटी-ड्रग' ऑपरेशन में पत्रकार और छात्र घायल

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी स्थित सुहरावर्दी उद्यान में "एंटी-ड्रग" ऑपरेशन के दौरान कई पत्रकार, ढाका यूनिवर्सिटी (डीयू) के छात्र और एक पुलिसवाला घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के मुताबिक सोमवार शाम को ये अभियान चलाया गया था। रमना जोन के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मसूद के मुताबिक, सोमवार शाम को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के रमना जोन ने यह ऑपरेशन शुरू किया था, जिसमें सात से आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और करीब 60 से 70 पुलिसवालों को तैनात किया गया। बांग्लादेश के जाने-माने डेली ढाका ट्रिब्यून ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा था कि, "लोगों को गिरफ्तार नहीं किया गया है; मकसद बस उन्हें डराने का था।" घायलों की पहचान अजकर पत्रिका के लोकल मीडिया रिपोर्टर कवसर अहमद रिपन, बांग्लान्यूज24 के रिपोर्टर तोफायेल अहमद, डीयू छात्र नईम उद्दीन और एक पुलिस कांस्टेबल के तौर पर हुई है। रिपन के मुताबिक, पुलिस ने शुरू में उनके साथी तोफायेल पर हमला किया, और जब उन्होंने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी पीटा गया। रिपन ने कहा, "मैं दौड़कर गया और पूछा कि वे उसे क्यों मार रहे हैं, तो उन्होंने मेरा फोन छीन लिया और मुझे भी मारना शुरू कर दिया।

विश्वविद्यालयों की विदेशी फंडिंग पर ट्रंप प्रशासन का पारदर्शिता अभियान तेज

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने विदेशी स्रोतों से विश्वविद्यालयों को मिलने वाली फंडिंग पर निगरानी ज्यादा सख्त करने की नई पहल शुरू की है। प्रशासन ने साफ किया है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को रोकने के लिए नहीं, बल्कि पारदर्शिता और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस घोषणा के तहत अमेरिकी शिक्षा विभाग और अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से एक नया सार्वजनिक रिपोर्टिंग पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के जरिए विश्वविद्यालय विदेशी स्रोतों से मिलने वाले उपहार और अनुबंध की जानकारी आसानी से दर्ज कर सकेंगे, और आम जनता भी इन आंकड़ों को देख सकेगी। पब्लिक डिप्लोमेसी की अंडर सेक्रेटरी सारा रोजर्स ने कहा कि वर्षों से लागू हायर एजुकेशन एक्ट की धारा 117 एक कानूनी प्रावधान है, जिसका उद्देश्य विदेशी फंडिंग और प्रभाव को लेकर अमेरिकी नागरिकों को पारदर्शिता और जवाबदेही प्रदान करना है। यह प्रावधान 1986 में जोड़ा गया था। इसके अनुसार संघीय सहायता पाने वाले किसी भी विश्वविद्यालय को एक कैलेंडर वर्ष में एक ही विदेशी स्रोत से 2.5 लाख डॉलर (250,000 डॉलर) से अधिक के उपहार या अनुबंध की जानकारी देना अनिवार्य है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस नियम के पालन में निरंतरता नहीं रही है। शिक्षा विभाग के अनुसार केवल वर्ष 2025 में अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने विदेशी संस्थाओं से 5.2 अरब डॉलर से अधिक फंडिंग प्राप्त होने की सूचना दी।

झारखंड को बड़ी सौगात

गम्हरिया-चांडिल रेलखंड पर तीसरी व चौथी लाइन को कैबिनेट की मंजूरी

उदय चंद्र सिंह

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 9,072 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ाने संबंधी तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दी। इनमें झारखंड की गम्हरिया-चांडिल तीसरी और चौथी लाइन भी शामिल हैं। इसके अलावा गोंडिया – जबलपुर लाइन दोहरीकरण और पुनारख-किऊल तीसरी और चौथी लाइन को भी मंजूरी दी गयी है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के 8 जिलों में व्यापत इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 307 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 5,407 गांवों में संपर्क में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 98 लाख है।

बढ़ी हुई रेल लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार आएगा और भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव से परिचालन सुव्यवस्थित बनाने और यात्री तथा माल भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के भविष्य दृष्टि अनुरूप इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास द्वारा रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ाकर वहां के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श द्वारा बहु-मार्गीय संपर्क और परिवहन दक्षता बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

कैबिनेट ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इस फैसले को लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने वाला कदम बताया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि कैबिनेट में लिए गए अहम फैसलों में सबसे प्रमुख निर्णय केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करना है। उन्होंने बताया कि भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से ही यह मांग उठती रही है कि राज्य का आधिकारिक नाम उसकी स्थानीय भाषा के अनुरूप होना चाहिए। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए लंबे समय से यह मांग की जा रही थी कि आधिकारिक रूप से भी राज्य का नाम 'केरलम' किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह केवल केंद्र का एकतरफा निर्णय नहीं है, बल्कि इसके लिए एक निर्धारित संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में राज्य सरकार और राज्य विधानसभा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्य विधानसभा की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी करेगी और इसके बाद संसद में प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य के नाम में बदलाव से संबंधित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसे आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा।

श्रीनगर एयरपोर्ट के विस्तार को कैबिनेट के फैसले का नायडू ने स्वागत किया

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सिविल एन्क्लेव के 1,677 करोड़ रुपए के विस्तार के लिए कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की मंजूरी का स्वागत किया है। यह प्रोजेक्ट, जिसे एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) लागू करेगा, जम्मू और कश्मीर में एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास को तेज करने में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार रीजनल कनेक्टिविटी को बदलने और केंद्र शासित प्रदेश की अपार आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने के लिए कमिटेड है। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अभी सालाना (वित्त वर्ष 2024–25) लगभग 44.7 लाख यात्रियों, लगभग 28,500 विमानों की आवाजाही और लगभग 10,000 मीट्रिक टन कार्गो को हैंडल करता है। सीजनल पीक, खासकर गर्मियों के महीनों में, मौजूदा टर्मिनल कैपेसिटी को लगातार बढ़ाते रहे हैं, जो विस्तार की तुरंत जरूरत को साफ तौर पर दिखाता है। मंजूर किए गए प्रोजेक्ट से एयरपोर्ट की सालाना पैसेंजर हैंडलिंग कैपेसिटी चार गुना बढ़ जाएगी, 2.5 मिलियन से बढ़कर 10 मिलियन पैसेंजर हर साल। पीक आवर में पैसेंजर हैंडलिंग कैपेसिटी 950 से बढ़कर 2,900 पैसेंजर हो जाएगी, जिससे भीड़भाड़ काफी कम होगी और पैसेंजर की सुविधा बढ़ेगी। एप्रन को 15 एयरक्राफ्ट के लिए बढ़ाया जाएगा, जिसमें वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट भी शामिल हैं, जिससे घरेलू और इंटरनेशनल कनेक्टिविटी बेहतर होगी और श्रीनगर उत्तरी भारत के लिए एक अहम एविएशन गेटवे के तौर पर उभरेगा। अभी जम्मू-कश्मीर के ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट में टूरिज्म का हिस्सा लगभग 7 फीसदी है। बेहतर एयर कनेक्टिविटी और वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, आने वाले सालों में यह हिस्सा बढ़कर 10-12 फीसदी होने का अनुमान है।

छिब्बर को मिला नीति आयोग की सीईओ का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। बीवीआर सुब्रह्मण्यम का तीन साल का कार्यकाल मंगलवार को पूरा होने के बाद सरकार ने निधि छिब्बर को नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का अतिरिक्त प्रभार दिया है। छिब्बर वर्तमान में नीति आयोग के विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) की महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। मौजूदा समय में वह केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन करके उनके प्रदर्शन और प्रभाव का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं। छत्तीसगढ़ कैडर की 1994 बैच की आईएएस अधिकारी छिब्बर ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इससे पहले वे केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की अध्यक्ष रह चुकी हैं, जहां उन्होंने प्रमुख सुधारों और परीक्षा प्रक्रियाओं की देखरेख की। उनके पास इतिहास में स्नातकोत्तर और विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री है, और उनकी अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं पर अच्छी पकड़ है।

पख्तूनख्वा में पुलिस वाहन पर फायरिंग, डीएसपी समेत 7 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुई अंधाधुंध फायरिंग में डीएसपी समेत सात पुलिसवालों के मारे जाने की खबर है। ये हमला केपी के कोहाट जिले में मंगलवार को हुआ। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस के हवाले से बताया कि हमला लाची के डीएसपी (पुलिस उपाधीक्षक) को निशाने पर लेकर किया गया था। उनके पुलिसिया वाहन पर शकरदरा रोड के पास हथियारबंद हमलावरों ने जबरदस्त फायरिंग की। डीएसपी अपने दो गार्ड के साथ मौके पर ही मारे गए थे। हमले के बाद, कोहाट से इलाके में और पुलिस की टुकड़ियां भेजी गईं, और हमलावरों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

कोर्ट ने उदय भानु को 4 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

एजेंसी। नई दिल्ली

पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को मंगलवार को चार दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। अदालत ने सुनवाई के बाद यह आदेश सुनाया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उदय भानु चिब को अदालत में मंगलवार की सुबह पेश किया गया, जहां सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने पहले अपना फैसला सुरक्षित रखा और दोपहर 12:30 बजे आदेश सुनाने की बात कही। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत से सात दिन की पुलिस कस्टडी की मांग की थी। पुलिस ने दलील दी कि चिब कथित साजिश में शामिल रहे हैं और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को सहयोग और दिशा-निर्देश दिए थे।

पुलिस का कहना था कि देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग प्रदर्शन में शामिल हुए थे और उनसे जुड़े तथ्यों की जांच के लिए आरोपी को विभिन्न स्थानों पर ले जाना जरूरी है। इसी आधार पर विस्तृत पूछताछ के लिए लंबी कस्टडी की मांग की गई। पुलिस के वकील ने अदालत को बताया कि प्रदर्शन से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी चिब कर रहे थे और जो लोग भारत मंडपम पहुंचे थे, वे उनके निर्देश पर वहां गए थे और लगातार उनके संपर्क में थे। पुलिस ने यह भी तर्क दिया कि घटना के समय वहां बड़ी संख्या में विदेशी प्रतिनिधि मौजूद थे और इस घटनाक्रम से वैश्विक मंच पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार इस मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और एकता जैसे गंभीर मुद्दे प्रभावित हुए हैं। वहीं बचाव पक्ष ने पुलिस कस्टडी की मांग का कड़ा विरोध किया।

उदय भानु चिब की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति का प्रमाण है: राहुल गांधी

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस (युवा कांग्रेस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी का विरोध किया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उदय भानु चिब की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लिखा कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है।

एआई शिखर सम्मेलन में युवा कांग्रेस सदस्यों ने राष्ट्रहित में प्रदर्शन किया

बेंगलुरु। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भारतीय युवा कांग्रेस के बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन का बचाव करते उसे राष्ट्रहित में बताया। उन्होंने नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और अनुचित बताया। खड़गे ने कहा कि युवा कांग्रेस सदस्यों ने राष्ट्रहित में और बेरोजगारी तथा किसानों की स्थिति जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन किया था। खड़गे ने कहा कि दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में एआईसीसी युवा कांग्रेस से जुड़े हमारे युवाओं को गिरफ्तार कर पुलिस और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एक नजर

डिजिटल गवर्नेंस को गति देने के लिए एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर की शुरुआत

नई दिल्ली / रांची। आईबीएम ने डिजिटल गवर्नन्स को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर की शुरुआत की है। कंपनी के अनुसार यह पहल आधुनिक शासन प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सेंटर भरोसेमंद एआई सोल्यूशन्स के विकास, परीक्षण और बड़े स्तर पर क्रियान्वयन के लिए एक साझा मंच के रूप में कार्य करेगा। आईबीएम के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अरविंद कृष्णा ने कहा कि एआई सरकारों की कार्यक्षमता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है तथा रिस्पॉन्सिबल एआई को अपनाना समय की आवश्यकता है। आईबीएम ने संकेत दिया कि वह झारखंड सहित पूर्वी भारत के राज्यों में डिजिटल क्षमताओं को सशक्त बनाने और एआई आधारित प्रशासनिक सोल्यूशन्स को आगे बढ़ाने के लिए तकनीकी सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रही है|

कनाडा का बड़ा फैसला, 26/11 के आतंकी तहव्वुर राणा की नागरिकता होगी रद्द

नई दिल्ली। मार्क कार्नी के नई दिल्ली दौरे से पहले एक अहम डिप्लोमैटिक कदम उठाते हुए, कनाडा 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की तैयारी कर रहा है। राणा, जो अभी भारत में अपनी सज़ा काट रहा है, को कनाडा सरकार के फैसले के बारे में ऑफिशियली बता दिया गया है। 64 साल का राणा पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साज़िश करने वालों में से एक, डेविड कोलमैन हेडली, उर्फ दाऊद गिलानी, जो एक US नागरिक है, का करीबी साथी है। ग्लोबल न्यूज़ की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के इमिग्रेशन अधिकारियों ने राणा पर गलत जानकारी देकर नागरिकता लेने का आरोप लगाया है। अधिकारियों का दावा है कि जब राणा ने 2001 में कनाडा की नागरिकता के लिए अप्लाई किया था, तो उसने अपने रहने की जगह और ट्रैवल हिस्ट्री के बारे में गलत जानकारी दी थी।

मीट-मछली दुकानों पर पाबंदी का फैसला गरीबों के पेट पर प्रहार : मौलाना रशीदी

पटना। बिहार सरकार ने शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास मीट मछली की दुकानों पर बैन लगाने का फैसला किया है, जिसकी अब अखिल भारतीय इमाम संघ के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने आलोचना की है। उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि बिल्कुल यह अच्छी बात है कि धार्मिक स्थल और शिक्षण संस्थानों के आसपास मीट-मछली की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि संविधान में खाने के अधिकार का भी प्रावधान है, जिसके तहत उसे कुछ भी खाने का अधिकार है। ये तो रहा पहला बिंदु। अब अगर दूसरे बिंदु की बात करें, तो बिहार जैसे राज्य में मछली और मीट की दुकानें आमतौर पर उन लोगों के द्वारा संचालित की जाती हैं जो मूल रूप से निचले तबके से आते हैं। मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि इस फैसले को जमीन पर उतारे जाने के बाद उन लोगों की जीविका पर संकट पैदा हो जाएगा, जो मछली या मीट बेचकर अपना गुजारा कर रहे हैं। अगर सरकार अपने इस फैसले को जमीन पर सच में उतारना चाहती है तो मेरा यह सुझाव रहेगा कि मीट मछली की दुकान से जीविका चलाने वाले लोगों के लिए जीवकोपार्जन का दूसरा साधन पहले विकसित किया जाए।

लखनऊ विवि में हनुमान चालीसा का पाठ करने पर एबीवीपी के कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर परिसर के अंदर स्थित ऐतिहासिक लाल बारादरी में हनुमान चालीसा का पाठ करने का प्रयास किया। परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ होने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और कई छात्रों को हिरासत में लेकर परिसर को खाली कराया। छात्रों की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही अन्य छात्र आ गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप है कि लाल बारादरी में नमाज अदा करने की अनुमति तो दे दी गई थी, जबकि हिंदू छात्रों को उसी स्थान पर हनुमान चालीसा पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, "यहां नमाज अदा करने की अनुमति तो दी जाती है, लेकिन हनुमान चालीसा पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाती है। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए विश्वविद्यालय में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

छत्तीसगढ़ में 1.72 लाख करोड़ का बजट पेश एजुकेशन, इंडस्ट्री और कनेक्टिविटी पर बड़ा निवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश करते हुए बस्तर और अन्य पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगार का बड़ा रोडमैप सामने रखा है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने साय सरकार का तीसरा बजट संकल्प थीम पर प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बजट 2026-27 को जनकल्याण और विकास को समर्पित बताते हुए कहा कि यह बजट किसानों, महिलाओं, युवाओं और कर्मचारियों के सशक्तिकरण के साथ छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर विशेष प्रावधानों से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आम जनता के जीवन स्तर में सुधार आएगा। सरकार ने इस वर्ष कुल व्यय 1.72 लाख करोड़ रुपए निर्धारित किया है, जिसमें राजस्व व्यय 1.45 लाख करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय 26,500 करोड़ रुपए रखा गया है।

मुहब्बत की दुकान में नफरत, अराजकता, दंगा और भारत विरोध का सामान मिल रहा : ब्रजेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को भाजपा राज्य मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी तथाकथित 'मुहब्बत की दुकान' में केवल 'नफरत, अराजकता, दंगा और भारत विरोध' का सामान मिल रहा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी झूठ की राजनीति के उस स्तर पर पहुंच चुके हैं, जहां से वापसी संभव नहीं है। पाठक ने कहा कि इस तरह का आचरण न केवल निंदनीय है, बल्कि राष्ट्रहित के विरुद्ध भी है।उन्होंने एआई समिट का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने वहां देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई और भारत को बदनाम करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा इस कृत्य का समर्थन करना यह दर्शाता है कि पूरी पटकथा के सूत्रधार वही हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के नाम पर 'नग्नता और अराजकता' स्वीकार्य नहीं हो सकती।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल शेड्यूल जारी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबला 5 जुलाई को मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप-1 में रखा गया है। ग्रुप-2 में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल हैं। टीम इंडिया अपना पहला मैच 14 जून को एजबेस्टन में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी, जिसके बाद 17 जून को उसका सामना नीदरलैंड्स से होगा। 21 जून को टीम इंडिया के सामने साउथ अफ्रीकी टीम होगी, जबकि 25 जून को उसका समना बांग्लादेश से होगा। 28 जून को भारत के सामने ऑस्ट्रेलियाई टीम होगी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, "आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी होना, इस ग्लोबल, प्रीमियर स्पोर्टिंग इवेंट की तैयारी में एक अहम पड़ाव है। यह इवेंट आईसीसी के महिला क्रिकेट में लगातार निवेश का हिस्सा है, जिसमें ज्यादा भागीदारी और हाई-परफॉर्मेंस के रास्ते, इवेंट और प्रोडक्शन स्टैंडर्ड, टूर्नामेंट प्राइज मनी, मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन और कमर्शियल पार्टनरशिप शामिल हैं, जिसका मकसद दुनिया भर के फैंस का ज्यादा ध्यान, जुड़ाव और रुतबा हासिल करना है। उन्होंने कहा, "भारत में आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप ने इस खेल को कई गुना बढ़ाया। हमारा मकसद जून-जुलाई में होने वाले इवेंट में भी इसी लय को बरकरार रखना है।"विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कुल 9 एडीशन खेले गए हैं, जिसमें भारत के नाम एक भी खिताब नहीं है। टीम इंडिया ने चार बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में प्रवेश किया है, लेकिन ट्रॉफी अपने नाम नहीं कर सकी। इस बार भारत का मकसद जीत के साथ अपने सफर को पूरा करना होगा।

टी20 वर्ल्ड कप : कप्तान हैरी ब्रूक ने खेली शतकीय पारी

पाकिस्तान दो विकेट से हारा

एजेंसी। पल्लेकेले

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मंगलवार को इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया। कप्तान हैरी ब्रूक की शतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान से मिले 165 रनों के लक्ष्य को 8 विकेट खोकर 19.1 ओवर में हासिल कर लिया।

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल साल्ट पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, जोस बटलर की खराब फॉर्म इस मैच में भी जारी रही, और वह 2 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। जैकब बेथेल 8 रन ही बना सके, जबकि टॉम बैंटन 2 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में पहली बार नंबर तीन पर उतरे कप्तान हैरी ब्रूक ने सैम करन के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े। करन 16 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, ब्रूक ने एक छोर संभाले रखा और अपने टी-20 करियर का पहला शतक 50 गेंदों में पूरा किया।

इंग्लिश कप्तान ने महज 51 गेंदों का सामना करते हुए 100 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। विल जैक्स ने 23 गेंदों में 28 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में पाकिस्तान की तरफ से शाहीन अफरीदी ने 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि उस्मान तारिक ने 2 विकेट निकाले।

पारी के 19वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने विल जैक्स और जेमी ओवरटन को पांच गेंदों के अंदर आउट करते हुए पाकिस्तान की वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन 20वें ओवर की पहली ही गेंद पर जोफ्रा आर्चर ने चौका लगाते हुए इंग्लैंड को जीत दिला दी।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 164 रन लगाए। टीम की तरफ से साहिबजादा फरहान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 45 गेंदों में 63 रनों की लाजवाब पारी खेली। वहीं, फखर जमान ने 25 रनों का योगदान दिया। बाबर आजम ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 25 रन बनाए। शादाब खान ने अंतिम ओवरों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 11 गेंदों में 23 रन बनाए।

गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से लियाम डॉसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 24 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं, जोफ्रा आर्चर ने 32 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि जेमी ओवरटन ने 2 विकेट निकाले। इस हार के साथ ही पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। वहीं, इंग्लैंड ने सुपर-8 राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अपनी स्थिति को बेहद मजबूत कर लिया है।

स्पेन ने शूटआउट में भारत को 4-3 से हराया

एजेंसी। होबार्ट

एफआईएच मेन्स प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को स्पेन के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर छूटा था, जिसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट से हुआ। भारतीय टीम अब 25 फरवरी को होबार्ट चरण के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। भारत ने 19वें मिनट में बढ़त बनाई जब कप्तान हार्दिक सिंह ने शानदार टर्न लेते हुए मनींदर सिंह को पास दिया और मनींदर ने बेहतरीन टोमहॉक शॉट के जरिए गेंद जाल में पहुंचा दी। इससे पहले स्पेन ने शुरुआती मिनटों में आक्रामक खेल दिखाया और चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित ने शानदार बचाव किया। पहले हाफ में स्पेन को कई मौके मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को बढ़त बनाए रखने में मदद की।

सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम 18 से 22 मार्च तक करेगा इंडियन ओपन स्क्वैश की मेजबानी

मुंबई। भारत में पेशेवर स्क्वैश के बढ़ते कद को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से इंडियन ओपन के 2026 संस्करण की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। टूर्नामेंट 18 से 22 मार्च तक मुंबई के ऐतिहासिक सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पिछले वर्ष प्रतिष्ठित बॉम्बे जिमखाना में सफल आयोजन के बाद अब प्रतियोगिता अपने दूसरे संस्करण के लिए ब्रेबोर्न स्टेडियम में स्थानांतरित हो रही है। प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) द्वारा मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट का 2025 संस्करण वर्ष के शीर्ष 10 प्रतिष्ठित पीएसए आयोजनों में शामिल रहा था, जो भारतीय स्क्वैश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गई। 2026 संस्करण में महिला वर्ग की गत चैंपियन अनाहत सिंह खिताब बचाने के इरादे से वापसी करेंगी। इसके अलावा भारत के शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी रमित टंडन, अभय सिंह, वीर चोत्रानी, वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा भी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में याह्या एलनवासानी, हाना मोआताज़ और माज़ेन हेशाम सहित अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे, जिससे मुकाबले का स्तर बेहद प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है।

डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के विश्वसनीय डिफेंडर जर्मनप्रीत सिंह को भारत के लिए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच (कैप) पूरे करने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट चरण में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के तीसरे मुकाबले में स्पेन के खिलाफ मैदान पर उतरते ही हासिल की।

पंजाब के अमृतसर जिले के राजधान गांव से ताल्लुक रखने वाले जर्मनप्रीत सिंह ने अपनी सजग रक्षण कला, संयम और खेल की समझ के दम पर भारतीय टीम में खुद को एक मजबूत स्तंभ के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने 2018 में नीदरलैंड में आयोजित पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, जहां भारत उपविजेता रहा था। यहीं से उनके सफल अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत हुई। उनके करियर का एक स्वर्णिम क्षण तब आया जब उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में विशेष मानी जाती है और इससे टीम में उनकी अहमियत और मजबूत हुई।

हम पर वापसी का दबाव था': कप्तान

एजेसी। ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहले वनडे मुकाबले में 6 विकेट से हराया। मंगलवार को एलन बॉर्डर फील्ड पर खेले गए मुकाबले में भारत से मिले 215 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जीत के बाद कप्तान एलिसा हीली टीम के प्रदर्शन से काफी खुश नजर आईं। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान ने कहा कि टी20 सीरीज गंवाने के बाद टीम पर वापसी करने का दबाव था। उन्होंने कहा, "मैं टीम के प्रदर्शन से काफी खुश हूं। टी20 सीरीज के बाद हम पर थोड़ा दबाव था कि हम वापसी कैसे करेंगे। आज जिस तरह से हम खेले, वह शानदार था। जबरदस्त वापसी करने के लिए टीम पर गर्व है। हमें होबार्ट में फिर से यही करना होगा।"

हीली ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को यह फॉर्मेट काफी रास आता है। उन्होंने कहा, "मैंने जैसा टॉस के समय कहा था कि हमें यह फॉर्मेट बहुत पसंद है और हम इसमें अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हमें लंबे समय तक दबाव बनाए रखना पसंद है। उम्मीद है कि हम होबार्ट जाकर वहां की परिस्थितियों के अनुकूल जल्द ही ढल जाएंगे।"

हीली के अनुसार पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन से टीम की खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा, "इस मैदान पर 21-0 का रिकॉर्ड शानदार है। उम्मीद है कि लड़कियां यहां जीत के सिलसिले को बरकरार रख सकेंगी। शायद अगले मैच से पहले ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को थोड़ा आराम चाहिए। कुछ खिलाड़ी थकी हुई हैं। मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। उम्मीद है कि इससे हमारी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा।"

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की पूरी टीम 48.3 ओवर में 214 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की तरफ से स्मृति मंधाना ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 58 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 53 रन बनाए। हालांकि, बाकी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्ले गार्डनर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर में सिर्फ 33 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, मेगन शट्ट ने 42 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए।

बेथ मूनी की 79 गेंदों में खेली गई 76 रनों की दमदार पारी और कप्तान एलिसा हीली के 50 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 215 रनों के लक्ष्य को महज 38.2 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। एनाबेल सदरलैंड 44 गेंदों में 48 रन बनाकर

स्मृति मंधाना (58 रन) और **हरमनप्रीत कौर** (53 रन) ने अर्धशतक लगाए

- ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में एश्ले गार्डनर ने 3 विकेट और मेगन शट्ट ने 2 विकेट लिए।
- बल्लेबाजी में बेथ मूनी ने 76 रन, हीली ने 50 रन बनाए।
- एनाबेल सदरलैंड 48 रन बनाकर नाबाद रहीं।
- जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम का मनोबल बढ़ा, अगला मुकाबला होबार्ट में खेला जाएगा।

हमने जैसा सोचा, विकेट वैसा नहीं था', ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से निराश मंधाना

ब्रिस्बेन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 38.2 ओवर में सिर्फ 4 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर के स्थान पर कार्यवाहक कप्तान की जिम्मेदारी संभालने वालीं स्मृति मंधाना ने कहा, "हमने दो विकेट काफी जल्दी गंवा दिए थे, जिसके बाद चीजें आसान नहीं रहती हैं। हमने वापसी करने की अच्छी कोशिश की। विकेट वैसा नहीं रहा, जैसा हमने सोचा था।"

रणजी फाइनल | शुभम पुंडीर का नाबाद शतक

पहले दिन जम्मू कश्मीर ने 2 विकेट खोकर 284 रन बनाए

एजेंसी। हुबली

जम्मू-कश्मीर ने केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर जारी रणजी ट्रॉफी एलीट 2025-26 के फाइनल मुकाबले में पहले दिन के खेल तक अपनी मजबूत पकड़ बना रखी है। मंगलवार को दिन की समाप्ति तक इस टीम ने 2 विकेट खोकर 284 रन बना लिए हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू-कश्मीर की शुरुआत निराशाजनक रही। टीम ने 18 के स्कोर पर कामरान इकबाल का विकेट खो दिया था। इकबाल टीम के खाते में सिर्फ 6 रन ही जुटा सके। इसके बाद यावर हसन ने शुभम पुंडीर के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हसन ने 150 गेंदों का सामना करते हुए 13 चौकों की मदद से 88 रन बनाए। यहां से शुभम पुंडीर ने कप्तान पारस डोगरा के साथ 22 रन की साझेदारी की। कप्तान पुंडीर 9 के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे, जहां से पुंडीर ने अब्दुल समद के साथ मोर्चा संभाला।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सोना में तेजी बरकरार: चांदी 1,100 रुपए से अधिक सस्ती हुई

एजेंसी। मुंबई

सोने और चांदी में मंगलवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। एक तरफ सोने में तेजी देखी गई और दूसरी तरफ चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत 1,021 रुपए बढ़कर 1,59,241 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि सोमवार को 1,58,220 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का दाम 1,44,930 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,45,865 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,18,665 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,19,431 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। सोने की अपेक्षा चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई। चांदी का दाम 1,163 रुपए कम होकर 2,62,912 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,64,075 रुपए प्रति किलो था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों में गिरावट देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक सोने के 2 अप्रैल 2026 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.97 प्रतिशत कम होकर 1,60,037 रुपए हो गया है।

रेवा डायमंड ज्वेलरी का आईपीओ लांच चार मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

ज्वेलरी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड का 380 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 26 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर चार मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक कंपनी के इस आईपीओ को सिर्फ 0.05 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 367 रुपये से लेकर 386 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 32 शेयर का है। रेवा डायमंड ज्वेलरी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को न्यूनतम एक लॉट यानी 32 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 12,352 रुपये का निवेश करना होगा। रिटेल इनवेस्टर्स इस आईपीओ में अधिकतम 16 लॉट यानी 512 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,97,632 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 98,44,559 नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसमें एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 44.94 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

आईपीओ लॉन्चिंग के एक दिन पहले कल यानि सोमवार को रेवा डायमंड ज्वेलरी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 170.58 करोड़ रुपये की राशि जुटाने में सफलता हासिल की। कंपनी ने 16 एंकर इन्वेस्टर्स को 386 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कुल 44.19 लाख शेयर आवंटित किए। कंपनी के एंकर बुक में कई बड़े इन्वेस्टर ने अपने रुचि दिखाई है।

कैबिनेट ने श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए 1,677 करोड़ रुपए की मंजूरी दी

एजेंसी। नई दिल्ली

कश्मीर घाटी में विमानन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 1,677 करोड़ रुपए की लागत से सिविल एन्क्लेव के विकास को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने इस परियोजना को स्वीकृति दी है। परियोजना के दायरे में सुरक्षा कर्मियों के लिए बैरकों (आवास) का निर्माण भी शामिल है। करीब 73.18 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला नया सिविल एन्क्लेव एक अत्याधुनिक टर्मिनल भवन से लैस होगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 71,500 वर्ग मीटर होगा, जिसमें 20,659 वर्ग मीटर मौजूदा ढांचा शामिल है। यह टर्मिनल पीक समय में 2,900 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा और इसकी वार्षिक क्षमता 1 करोड़ यात्रियों (10 मिलियन प्रति वर्ष) की होगी। कैबिनेट की ओर से जारी बयान में कहा गया है, "विस्तारित एप्रन क्षेत्र में 15 विमानों के पार्किंग बे होंगे, जिनमें 1 वाइडबॉडी (कोड ई) विमान के लिए स्थान शामिल है (9 मौजूदा और 6 नए प्रस्तावित), जबकि 3,658 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा संचालित होता रहेगा। परियोजना के तहत 1,000 कारों की क्षमता वाला बहु-स्तरीय पार्किंग परिसर भी बनाया जाएगा।

वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना व मातृभूमि के प्रति समर्पण का अमर मंत्र

वंदे मातरम् के 150 वर्ष स्मरणोत्सव पर मेदिनीनगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

● 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण, सामूहिक स्वच्छता शपथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज की ओर से वर्ष भर चलने वाले वंदे मातरम् के गौरवपूर्ण 150 वर्ष के स्मरणोत्सव, 'एक पेड़ मां के नाम' एवं स्वच्छ भारत अभियान विषय पर आज राजकीयकृत ब्राह्मण प्लस टू उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प तथा कन्या पूजन के साथ हुई। इसके उपरांत क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्री गौरव कुमार पुष्कर ने अतिथियों का परिचय कराते हुए विषय प्रवेश कराया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने और मातृभूमि के प्रति समर्पण भाव को सशक्त करने वाला अमर मंत्र है। बतौर अतिथि उपस्थित पर्यावरणविद् एवं वनराखी मूवमेंट के प्रणेता श्री कौशल किशोर जायसवाल ने वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों की जानकारी देते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का आह्वान किया। वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रभात मिश्र 'सुमन' ने वंदे मातरम् के पलामू से ऐतिहासिक जुड़ाव पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चन्द्र चटर्जी के बड़े भाई संजीव चट्टोपाध्याय, जो पलामू में मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात थे, ने 'पलामू' नाम से बांग्ला में एक प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत लिखा था। पत्रकार श्री सतीश चंद्र मिश्र 'सुमन' ने कहा कि वंदे मातरम् हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सेल्फी बूथ पर फोटो खिंचाकर 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गान करते हुए भारत माता को नमन किया। इस अवसर पर सामूहिक स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को राष्ट्रभावना और ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री संतोष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश कुमार दुबे ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रचार सहायक श्री मनोज कुमार सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

बच्चों को मिले पुरस्कार : जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित निबंध, रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नावागढ़ में माता शबरी पूजा शुरू, लंगरकोट में भव्य महायज्ञ

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के माड़न पंचायत स्थित नावागढ़ गांव में मंगलवार दोपहर कलश यात्रा के साथ माता शबरी पूजा शुरू हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद ने फीता काटकर किया। पूजा समिति के सदस्यों ने उन्हें फूलमाला और चुनरी देकर सम्मानित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश लेकर पूरे गांव का भ्रमण किया। नगर भ्रमण के पश्चात पूजा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। अपने संबोधन में प्रखंड प्रमुख ने कहा कि माता शबरी की सच्ची भक्ति और भगवान के प्रति अटूट प्रेम हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्म से महान बनता है। कार्यक्रम में रीमा शर्मा, मंटू शर्मा, धीरज कुमार, अरविंद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, संजय कुमार, सुधीर कुमार, राहुल कुमार, कंचन साव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

निकाली गई भव्य शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। लंगरकोट गांव स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शिवधाम परिसर में चल रहे नौ दिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के सातवें दिन भव्य शोभायात्रा निकाली गई। हरिद्वार से आए मुख्य आचार्य श्री श्री 1008 महाराज राघवेन्द्र जी का यज्ञ समिति ने स्वागत किया। ज्योतिर्लिंग के साथ गाजे-बाजे और जयकारों के बीच शोभायात्रा गांव और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। हजारों श्रद्धालु इसमें शामिल हुए। महायज्ञ में वृंदावन से आए कलाकारों ने रासलीला प्रस्तुत की। आचार्य श्री ने प्रवचन के माध्यम से भक्ति और आध्यात्मिक जीवन का संदेश दिया। सातवें दिन महिलाओं ने 12 घंटे तक यज्ञशाला की परिक्रमा की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समिति सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

खामडीह-पुरनाडीह मार्ग पर धूल व हाईवा से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। रांची–मेदिनीनगर मुख्य मार्ग से जुड़ी खामडीह होते हुए पुरनाडीह बोहिता तक जाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी ग्रामीण सड़क पर भारी वाहनों के परिचालन के विरोध में ग्रामीणों ने फिर सड़क जाम कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगातार हाईवा से मिट्टी ढुलाई के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है और पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार छाया रहता है। इससे फसलें प्रभावित हो रही हैं और लोगों का जीवन दूभर हो गया है। स्थानीय निवासी अनिल कुमार ने 9 फरवरी को उपायुक्त को आवेदन देकर जांच की मांग की थी। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद जांच के लिए अधिकारी पहुंचे, लेकिन स्थल निरीक्षण किए बिना लौट गए। ग्रामीणों ने भारी वाहनों पर नियंत्रण, सड़क की मरम्मत और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। समय पर कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

गढ़वा में ज्वेलरी दुकान से ठगी मामले में चैंबर ने डीआईजी से की मुलाकात

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स सह पलामू जिला व्यवसायी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को डीआईजी पलामू कौशल किशोर से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने डाल्टनगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त सचिव अनूप कुमार सोनी के गढ़वा स्थित प्रतिष्ठान में हुई ठगी की घटना को लेकर ज्ञापन सौंपा। बताया गया कि गढ़वा के पुरानी बाजार में "नरेश बाबू सर्राफ" नामक प्रतिष्ठान, जिसका संचालन अनूप कुमार सोनी के चाचा एवं भाई द्वारा किया जाता है, में 21 फरवरी 2026 को अज्ञात अपराधियों ने कथित रूप से हिप्नोटिज्म (सम्मोहन) का सहारा लेकर लगभग 200 ग्राम सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए। इस संबंध में गढ़वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रतिनिधिमंडल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

छतरपुर से 10 वर्ष से लापता जनजातीय युवक कोलकाता-बांग्लादेश बॉर्डर से बरामद

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। छतरपुर थाना क्षेत्र के काला पहाड़ गांव का एक जनजातीय युवक 10 वर्ष बाद सकुशल बरामद किया गया है। युवक को पश्चिम बंगाल के कोलकाता-बांग्लादेश बॉर्डर स्थित 24 साउथ परगना क्षेत्र से खोज निकाला गया। मंगलवार को उसे पलामू लाकर परिजनों को सौंपा गया। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मंगल परहिया का पुत्र मंदीस परहिया 10 वर्ष पूर्व काम की तलाश में घर से निकला था। इसके बाद से उसका परिवार से कोई संपर्क नहीं हो पाया था। 18 दिसंबर 2025 को इस संबंध में छतरपुर थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम में थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, अनुसंधानकर्ता धर्मवीर कुमार यादव समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने मानवीय सूचना तंत्र और तकनीकी सहायता के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान सूचना मिली कि मंदीस परहिया पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित बांग्लादेश सीमा के आसपास है। टीम तत्काल वहां पहुंची और निरंतर प्रयास के बाद उसे 24 साउथ परगना से बरामद कर लिया। 10 वर्षों बाद बेटे को जीवित देख परिवार भावुक हो उठा। परिजनों ने पुलिस टीम के प्रयास की सराहना करते हुए आभार जताया।

पलामू में धार्मिक आयोजनों की धूम कानून व्यवस्था पर भी गरमाई सियासत

● झारखंड बजट से पहले स्वेटर वितरण

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। झारखंड विधानसभा में बजट पेश होने से पहले स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरण का मुद्दा चर्चा में रहा। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि ठंड खत्म होने के बाद स्वेटर की बात करना व्यर्थ है। भाजपा नेताओं ने कहा कि बच्चों को दिसंबर-जनवरी में स्वेटर की जरूरत थी, लेकिन समय पर वितरण नहीं हुआ। सरकार ने स्वीकार किया कि कुछ जिलों में देरी हुई और केंद्र से राशि समय पर नहीं मिलने की बात कही। विपक्ष ने इसे जिम्मेदारी से बचने का प्रयास बताया। विपक्ष का कहना है कि योजनाओं की सफलता समय पर क्रियान्वयन में है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपये के बजट की तैयारी की जा रही है, लेकिन सरकार को पहले जमीनी स्तर पर योजनाओं को सही ढंग से लागू करना चाहिए। स्थानीय स्तर पर यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्ष ने मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे।

एनडीपीएस मामले में मो. नवाज अंसारी को 15 वर्ष का सश्रम कारावास

● डेढ़ लाख रुपए जुर्माना, राशि नहीं देने पर अतिरिक्त एक वर्ष की सजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 31/2024 में आरोपी मो. नवाज अंसारी को दोषी करार देते हुए 15 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

अदालत ने आरोपी को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 21(सी) एवं 22(सी) के तहत दोषी पाया। दोनों धाराओं में 15-15 वर्ष की सश्रम कारावास तथा एक-एक लाख 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने की स्थिति में एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 नवंबर 2024 को लेस्लीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत करमा गांव स्थित आरोपी के घर से नशीले कोरेक्स सिरप की बिक्री किए जाने की गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस जब उसके घर पहुंची तो आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके घर से 100 एमएल के 900 बोतल नशीला सिरप बरामद किया गया।

इस संबंध में अजय कुमार के बयान पर लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 130/2024, दिनांक 30 नवंबर 2024 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) एवं 22(सी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए उपरोक्त सजा सुनाई।

11वीं की परीक्षा आज से 39 केंद्रों पर 29 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

मेदिनीनगर। झारखंड अधिविद्य परिषद् (जैक) की ओर से 11वीं की वार्षिक परीक्षा बुधवार से शुरू होगी। परीक्षा 25 से 28 फरवरी तक जिले के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। जिले में कुल 39 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 29 हजार छात्र-छात्राएं कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय की परीक्षा में शामिल होंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश ने बताया कि सभी केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, साफ-सफाई एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

391 छात्रों को प्रवेश पत्र नहीं मिलने पर सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। डंडार कला स्थित मजदूर किसान इंटर महाविद्यालय के 11वीं के छात्र-छात्राओं ने प्रवेश पत्र नहीं मिलने के विरोध में मंगलवार को पांकी–मेदिनीनगर मुख्य पथ के बसडीहा में कई घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार 25 फरवरी से 11वीं की परीक्षा प्रस्तावित है, लेकिन नामांकित 391 छात्र-छात्राओं को अब तक प्रवेश पत्र नहीं मिला है। इससे पहले 21 फरवरी को छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के प्राचार्य अवध बिहारी सिंह के समक्ष प्रदर्शन किया था। कुछ दिन पूर्व भी बसडीहा में संक्षिप्त रूप से सड़क जाम की गई थी, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर हटवाया था। चार दिन बीत जाने के बाद भी कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलने पर छात्र-छात्राएं दोबारा सड़क पर उतर आए।

सूचना मिलते ही प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित प्रसाद सिंह, सांसद प्रतिनिधि सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे। सड़क जाम से कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। छात्रों ने कहा कि जब सीटें सीमित थीं तो अधिक नामांकन क्यों लिया गया। नामांकन के समय 2700 रुपये तथा पंजीयन के लिए 1250 रुपये शुल्क लिया गया, इसके बावजूद परीक्षा से वंचित करना गंभीर लापरवाही है। छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने उच्च स्तरीय जांच तथा जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। समाचार प्रेषण तक धरना जारी था। जिला शिक्षा पदाधिकारी के इस आश्वासन के बाद समाप्त हुआ धरना प्रदर्शन।

पेज एक के शेष

'अबुआ दिशोम बजट'...

लोक ऋण से 22 हजार 49 करोड़ 96 लाख रुपए एवं उधार तथा अग्रिम की वसूली से 300 करोड़ रुपए की व्यवस्था होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा 13 हजार 595 करोड़ 96 लाख रुपए होने का अनुमान है। यह अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2.18 प्रतिशत है। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने बताया कि वर्तमान मूल्य पर झारखंड का जीएसडीपी वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 5 लाख 16 हजार करोड़ रुपए रहा। सरकार का प्रयास होगा कि अगले 5 वर्षों में इसे दोगुना किया जाए। इसके लिए हमें वर्तमान मूल्य पर करीब 14 प्रतिशत का विकास करना होगा। स्थिर मूल्य पर यह करीब 9 से 10 प्रतिशत की विकास दर होगी। उन्होंने कहा कि 14.1 प्रतिशत की लक्षित विकास दर राज्य के मौजूदा संसाधनों का उपयोग करके, बाहरी कारकों, विशेष रूप से सूखे के प्रभाव को निष्प्रभावी करके और विकास को बढ़ावा देने वाले उपायों को लागू करके हासिल की जाएगी। इस क्रम में ग्रोथ इंजन कृषि, उद्योग, भौतिक संरचनाओं का विकास, वित्तीय सेक्टर का विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास तथा सामाजिक सुरक्षा पर विशेष बल दिया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि 'महिला किसान खुशहाली योजना' प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत महिला किसानों को एकीकृत खेती से जोड़कर अद्यतन तकनीक की मदद दी जाएगी और ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 25 करोड़ रुपए का बजटीय उपबंध किया गया है। गन्ना, जूट एवं अन्य नकदी फसलों का क्षेत्र विस्तार किया जाएगा। इसके लिए पुरानी योजना को 'नकदी फसल विकास एवं विस्तार योजना' पुनर्नामित करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 19 करोड़ 88 लाख रुपए का बजटीय उपबंध किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक एलएएमपीएस/ पीएसीएस में सहकारी विपणन परिसर-सह-सौर पैनल आधारित कोल्ड रूम के निर्माण के लिए कुल 162 करोड़ 20 लाख 90 हजार रुपए का बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। वित्त मंत्री किशोर ने कहा कि कैंसर रोग की रोकथाम के लिए झारखंड के सभी पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पीईटी और सीटी स्कैन मशीन लगाए जाएंगे। प्रारंभिक अवस्था में ही ब्रेस्ट कैंसर रोग की पहचान कर लिए जाने के उद्देश्य से राज्य के सभी 24 जिला सदर अस्पताल में मैमोग्राफी मशीन स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कैथलैब की स्थापना की जाएगी। साथ ही, राज्य में 750 'अबुआ दवाखाना' खोले जाने का भी लक्ष्य है। इसके माध्यम से लोगों में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अपने बजट भाषण में कहा कि झारखंड के सभी 17 सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों और 6 नवनिर्मित पॉलिटेक्निक संस्थानों को आईआईटी और एनआईटी की तर्ज पर जेएचआईटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। राज्य के चतरा जिला मुख्यालय में डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य के छह चयनित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय पर प्रशिक्षण प्रारंभ करने की योजना है। लघु वन पदार्थ का उन्नयन योजना के अंतर्गत पलामू वन प्रमंडल के कंदरी लाह फॉर्म का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य किए जाएंगे, ताकि लाह उत्पादन में वृद्धि हो सके एवं स्थानीय ग्रामीणों को आय के साथ-साथ रोजगार का सृजन हो सके। वित्त मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 1644 किलोमीटर पथ का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए पथों के निर्माण के लिए 1,000 करोड़ रुपए का बजटीय उपबंध प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 122 पुल का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पुलों के निर्माण कार्य के लिए 730 करोड़ रुपए का बजटीय उपबंध प्रस्तावित है। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम मंच के माध्यम से झारखंड ने 01 लाख 24 हजार 230 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इनसे इस्पात, ऊर्जा, विनिर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों में लगभग 45 हजार रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। विभिन्न औद्योगिक नीतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश लाया जाएगा। इससे राज्य के लगभग 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पर्यटन के क्षेत्र में रांची जिला के अंतर्गत दशम और जोन्हा जलप्रपात में ग्लास ब्रिज और रोप-वे का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, हुंडरू जलप्रपात रोप-वे का विकास कार्य कराया जाएगा। रामगढ़ जिला के अंतर्गत रजरप्पा में पर्यटकीय विकास के साथ-साथ पतरातू में स्काइवॉक एवं पतरातू जलाशय में सोलर बोट तथा फ्लोटिंग रेस्टोरेंट शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित कोयल व्यू प्वाइंट पर एक कांच का वॉच टावर बनाया जाएगा और मैग्नोलिया प्वाइंट पर एक स्काईवॉक का निर्माण किया जाएगा। देवघर जिले में पुनासी बांध का पर्यटन विकास, पलामू जिले में मलय बांध का पर्यटन विकास, चतरा जिले में कोलेश्वरी पहाड़ी पर रोपवे का विकास और खूंटी जिले में पेरवाघाघ जलप्रपात और पांडु-पुडिंग पिकनिक स्थल के इको-टूरिज्म सर्किट का विकास किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का परिणाम बजट लगभग 138 बाल-संबंधी योजनाओं के आधार पर तैयार किया गया है। इसके लिए कुल 10,793 करोड़ 16 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। यह राशि राज्य की कुल योजना राशि का लगभग 10.7 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भी लैंगिक बजट तैयार किया गया है, जो परिणाम बजट से संबंधित विभागों की योजनाओं पर आधारित है। इस वर्ष, 17 विभागों की महिलाओं से संबंधित लगभग 232 योजनाओं के आधार पर लैंगिक बजट तैयार किया गया है। इसके लिए कुल 34 हजार 211 करोड़ 27 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। इससे पहले, विधानसभा में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान प्रभारी मंत्री ने सत्ताधारी और विपक्षी दोनों दलों के कई सवालों के जवाब दिए। वित्त मंत्री के बजट भाषण के बाद, विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही को बुधवार को दिन में 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

पर्यटन क्षेत्र के लिए प्रस्ताव

- रांची के दशम और जोन्हा जलप्रपात में ग्लास ब्रिज और रोप-वे का निर्माण होगा।
- रांची के हुंडरू जलप्रपात में रोप-वे का विकास कार्य होगा।
- रामगढ़ के रजरप्पा में पर्यटन विकास का कार्य होगा।
- पतरातू में स्काइवॉक का निर्माण होगा।
- पतरातू जलाशय में सोलर बोट व फ्लोटिंग रेस्टोरेंट शुरू किया जाएगा।
- नेतरहाट के कोयल व्यू प्वाइंट पर कांच का वॉच टावर बनाया जाएगा।
- नेतरहाट के मैग्नोलिया प्वाइंट पर एक स्काईवॉक का निर्माण किया जाएगा।
- देवघर जिले में पुनासी बांध का पर्यटन विकास कार्य होगा।
- पलामू जिले में मलय बांध का पर्यटन विकास किया जाएगा।
- चतरा जिले में कोलेश्वरी पहाड़ी पर रोपवे का विकास किया जाएगा।
- खूंटी जिले में पेरवाघाघ जलप्रपात और पांडु-पुडिंग पिकनिक स्थल के इको-टूरिज्म सर्किट का विकास होगा।

लापरवाही सामने आने...

खोजबीन के दौरान विमान का मलबा कसियातु जंगल में मिला। विमान में दो पायलट कैप्टन विवेक और कैप्टन सबराजदीप के अलावा मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी, भगीना ध्रुव कुमार, डॉ विकास कुमार गुप्ता तथा पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा सवार थे। सभी की मौके पर ही मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में खराब मौसम को हादसे का संभावित कारण माना गया है। सोमवार देर शाम अचानक मौसम बिगड़ गया था। तेज हवा और झमाझम बारिश के बीच विमान अपने निर्धारित रूट से दाईं ओर डायवर्ट हो गया और संभवतः रास्ता भटक गया। ग्रामीणों ने जंगल से तेज धमाके की आवाज सुनने के बाद पुलिस-प्रशासन को सूचना दी।

लाइन होटल में...

राजनेताओं ने भी शोक-संवेदना वयक्त की है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और निष्पक्ष जांच की मांग की है। झारखंड के पूर्व श्रम मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता सत्यानंद भोक्ता ने भी घटना को दुखद बताते हुए सभी मृतकों के परिजनों को समान मुआवजा देने की मांग की है। इस बीच, राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता और मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। हादसे की आधिकारिक जांच जारी है।

सीयूजे में सीबीआई...

सीबीआई ने इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपने कब्जे में लिया है। ज्ञात हो कि यह पहली बार नहीं है, जब सीबीआई ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छापेमारी की हो। इससे पहले भी एजेंसी ने यहां वित्तीय लेन-देन और भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर कार्रवाई की थी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

विदेश गए बच्चे, अकेले होते माता पिता, सख्त कानून की तैयारी ?

विदेश जाने से पहले युवाओं से माता-पिता की देखभाल व आर्थिक सहयोग की स्पष्ट जिम्मेदारी का हलफनामा लिया जाएगा

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में तेजी से बदलते सामाजिक ढांचे के बीच बुजुर्गों की उपेक्षा का सवाल अब संसद तक पहुंच गया है। हालिया बजट सत्र में राज्यसभा में यह मुद्दा गंभीरता से उठाया गया कि विदेश या महानगरों में बस चुके बच्चों के कारण बड़ी संख्या में माता-पिता अकेले रह गए हैं। सुझाव दिया गया कि विदेश जाने से पहले युवाओं से ऐसा हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे माता-पिता की देखभाल और आर्थिक सहयोग की स्पष्ट जिम्मेदारी स्वीकार करें। साथ ही, समय-समय पर माता-पिता से संतुष्टि प्रमाण-पत्र लेने और शिकायत की स्थिति में पासपोर्ट संबंधी कार्रवाई जैसे प्रावधानों पर भी चर्चा हुई।

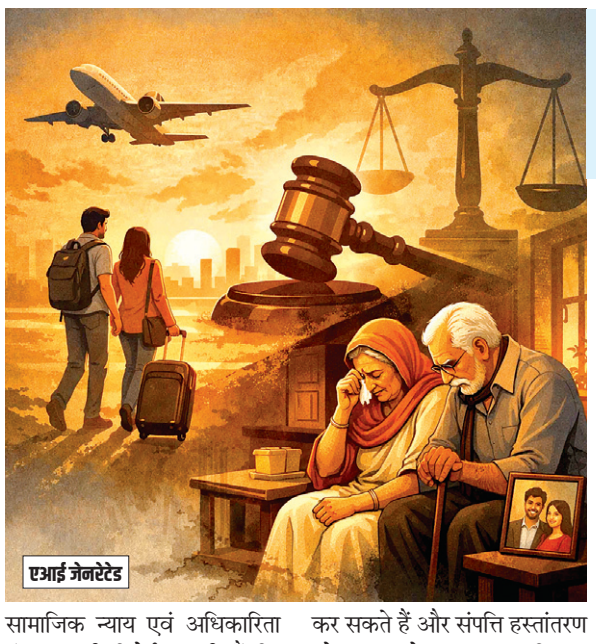

हर 6 माह में माता-पिता से संतुष्टि प्रमाण-पत्र लेने व शिकायत की स्थिति में पासपोर्ट निरस्त कराने जैसे प्रावधान

बढ़ती बुजुर्ग आबादी, बढ़ती चिंता

भारत में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या करीब 10.4 करोड़ थी, जो कुल आबादी का लगभग 8.6 % थी। बाद के अनुमानों और सरकारी रिपोर्टों के मुताबिक 2021 तक यह संख्या 13–14 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है, यानी करीब 10 प्रतिशत आबादी। अनुमान है कि 2030 तक यह अनुपात और बढ़ेगा। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या अधिक गंभीर है, जहां युवा बेहतर शिक्षा और रोजगार के लिए शहरों या विदेशों का रुख करते हैं। कई बुजुर्ग दंपति गांवों में अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं सीमित हैं और सामाजिक सुरक्षा तंत्र कमजोर है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट बताती हैं कि बुजुर्गों में अवसाद, अकेलापन और आर्थिक असुरक्षा प्रमुख समस्याएं बनकर उभरी हैं।

मौजूदा कानून व उसकी सीमाएं

बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए 2007 में मेंटिनेंस एंड वेलफेयर आफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटिजेन्स एक्ट लागू किया गया था। इस कानून के तहत माता-पिता अपने बच्चों या कानूनी वारिसों से भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं। यदि संतान देखभाल नहीं कर रही हो तो बुजुर्ग माता - पिता या परिवार के बुजुर्ग जिनकी जायदाद उन विदेश रह रहे बच्चों , भाई -भतीजे-भतीजी को मिलनी है , यदि सुधी नहीं ले रहे , देखभाल नहीं कर रहे तो बुजुर्ग जिला स्तर पर गठित न्यायाधिकरण में मुकदमा कर सकते हैं। जो मासिक भत्ता तय कर सकते हैं और संपत्ति हस्तांतरण को रद्द करने तक का अधिकार रखते हैं, यदि संतान देखभाल नहीं कर रही हो। हालांकि, व्यवहार में यह कानून पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाया है। कई बुजुर्ग कानूनी प्रक्रिया से गुजरने में हिचकते हैं, क्योंकि वे अपने ही बच्चों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से भावनात्मक रूप से आहत होते हैं। दूसरी बड़ी चुनौती एनआरआई मामलों में आती है। विदेश में रहने वाले बच्चों पर कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र, सूचना आदान-प्रदान और प्रवर्तन की जटिलताओं के कारण कठिन हो जाता है।

संसद में प्रस्ताव?

राज्यसभा में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि विदेश जाने वाले युवाओं के लिए माता-पिता की देखभाल सुनिश्चित करने के स्पष्ट नियम बनाए जाएं। प्रस्तावित उपायों में—विदेश यात्रा या पासपोर्ट आवेदन से पहले माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी का हलफनामा। हर छह महीने में माता-पिता की ओर से संतुष्टि प्रमाण-पत्र। शिकायत या उपेक्षा की स्थिति में पासपोर्ट नवीनीकरण रोकना या अन्य प्रशासनिक कार्रवाई। न्यूनतम स्तर पर नियमित संपर्क—जैसे साप्ताहिक फोन कॉल—को बाध्यकारी बनाना। यह प्रस्ताव इसलिए भी सामने आया क्योंकि पिछले वर्षों में ऐसे सैकड़ों मामले रिपोर्ट हुए, जहां विदेश में बसे बच्चों की अनुपस्थिति में माता-पिता की हालत गंभीर हो गई और कई मामलों में अंतिम संस्कार तक के लिए संतान नहीं लौटी।

समर्थन व विरोध में दलीलें

इस प्रस्ताव को सोशल मीडिया और नागरिक समूहों से समर्थन मिला है। समर्थकों का तर्क है कि जब माता-पिता अपनी जमीन-जायदाद बेचकर या कर्ज लेकर बच्चों को विदेश भेजते हैं, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य और समाज की जिम्मेदारी है। सख्त प्रावधान बच्चों में जवाबदेही की भावना पैदा करेंगे। वहीं आलोचकों का कहना है कि पासपोर्ट रद्द करना या यात्रा पर रोक लगाना व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट निरस्तीकरण आमतौर पर गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में होता है, न कि पारिवारिक विवादों में। कुछ एनआरआई संगठनों का तर्क है कि देश में रह रहे लेकिन माता-पिता की उपेक्षा करने वालों पर समान कठोरता नहीं दिखती। यदि सरकार इस दिशा में कदम बढ़ाती है तो विदेश मंत्रालय, पासपोर्ट प्राधिकरण और भारतीय दूतावासों के बीच समन्वित डिजिटल प्रणाली विकसित करनी होगी। एक ऑनलाइन पोर्टल के जरिए माता-पिता संतुष्टि प्रमाण-पत्र जमा कर सकें, शिकायत दर्ज कर सकें और उसकी निगरानी हो—ऐसी व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। आधार और डिजिटल पहचान तंत्र इस प्रक्रिया को सरल बना सकते हैं। और यह मुद्दा केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक भी है। भारतीय समाज में माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च कर्तव्य माना गया है। आर्थिक प्रगति और वैश्वीकरण के बीच यदि बुजुर्ग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तो यह सामाजिक ताने-बाने के लिए चिंता का संकेत है। संसद में उठी बहस इस बात की याद दिलाती है कि विकास की दौड़ में पारिवारिक जिम्मेदारियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सख्त कानून समाधान का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन जागरूकता, सामाजिक संवेदनशीलता और पारिवारिक संवाद भी उतने ही जरूरी हैं। बुजुर्गों का सम्मान व सुरक्षा सुनिश्चित करना ही एक संतुलित और मानवीय समाज की पहचान है।

कुंडली का बहाना बनाकर शादी से इनकार किया तो जेल!

पंडितजी को भी हो सकती है सजा

ब्यूरो

नई दिल्ली। शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में "कुंडली नहीं मिली" कहकर शादी से इनकार करने पर अब सीधे जेल हो सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ किया है कि ऐसा कृत्य भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत अपराध माना जा सकता है। एक आरोपी 4 जनवरी 2026 से न्यायिक हिरासत में है। उसने जमानत की मांग करते हुए कहा कि महिला के साथ उसके संबंध आपसी सहमति से थे और दोनों आठ साल से एक-दूसरे को जानते थे। लेकिन अदालत ने पाया कि आरोपी ने महिला को बार-बार भरोसा दिलाया था कि शादी में कोई रुकावट नहीं है, यहां तक कि कुंडली मिलान भी समस्या नहीं बनेगा। इसी भरोसे के आधार पर दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। बाद में आरोपी ने कुंडली न मिलने का हवाला देकर शादी से इनकार कर दिया।महिला ने नवंबर 2025 में पहली शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे आरोपी और उसके परिवार के शादी के आश्वासन पर वापस ले लिया गया था। बाद में जब शादी से इनकार हुआ तो मामला फिर सामने आया। जिस पर हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने जमानत देने से इनकार करते हुए कहा - यदि शादी का वादा शुरू से ही सच्चा न हो या महिला को झूठे आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाए जाएं और बाद में बहाने से शादी से मुकर जाया जाए, तो यह बीएनएस की धारा 69 के तहत "कपटपूर्ण तरीके से यौन संबंध" की श्रेणी में आ सकता है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के अनुसार— यदि कोई व्यक्ति धोखे से, झूठे वादे से, या अपनी पहचान छिपाकर यौन संबंध बनाता है, तो यह अपराध है। इसमें शामिल हैं- शादी का झूठा वादा, नौकरी या पदोन्नति का झूठा आश्वासन, पहचान छिपाना।दोष साबित होने पर आरोपी को कारावास और जुर्माना दोनों हो सकते हैं। यह अपराध संज्ञेय श्रेणी में आता है, यानी पुलिस बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकती है।

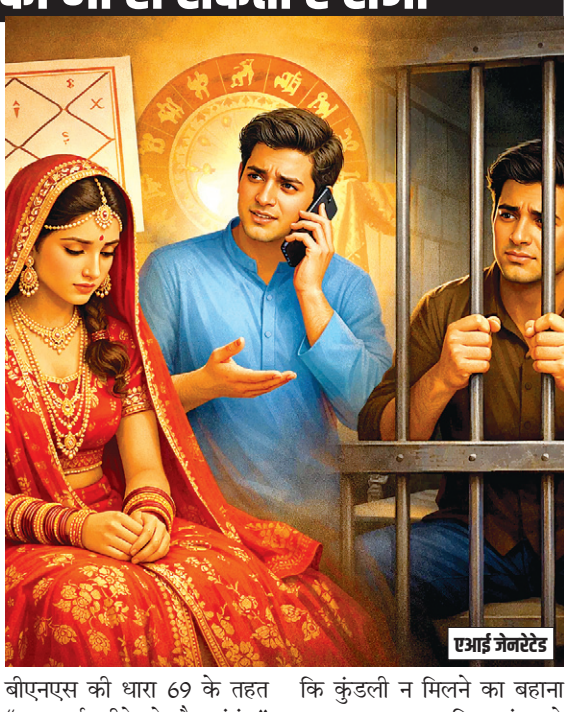

पंडितजी भी फंस सकते हैं?

अदालत की टिप्पणी के अनुसार, यदि जांच में यह पाया जाता है कि कुंडली न मिलने का बहाना जानबूझकर आपराधिक मंशा से गढ़ा गया या किसी व्यक्ति ने इस बहाने को गढ़ने में सहयोग किया, तो वह भी कानून के दायरे में आ सकता है।

यानी अगर कोई पंडित या अन्य व्यक्ति जानबूझकर झूठी राय देकर धोखाधड़ी में मदद करता है, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई संभव है। इस तरह अदालत का स्पष्ट संदेश है कि "शादी का वादा कोई खेल नहीं है। अगर वादा सिर्फ शारीरिक संबंध बनाने के लिए किया गया और बाद में बहाना बनाकर तोड़ा गया, तो यह अपराध है।" यह फैसला ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है, जहां लंबे संबंध के बाद अचानक शादी से इनकार कर दिया जाता है।

नेटवर्क गायब और आपका सिम स्वैप कर बैंक अकाउंट खाली

2025 में साइबर अपराधियों ने लोगों से ₹22,495 करोड़ लूटा

ब्यूरो

नई दिल्ली। पहले कहा जाता रहा कि सिर्फ़ एक एसएमएस या कॉल से आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है , लेकिन अब तो सामने आया है कि देश भर में सिम स्वैप फ्रॉड व अन्य साइबर ठगी की घटनाएँ बहुत ही तेज़ी से बढ़ गईं हैं। जिससे लोगों का लाखों-करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है।इससे सवाल उठने लगा है कि जब केंद्र सरकार लगातार साइबर सुरक्षा के दावे कर रही है, तब ऐसे बड़े स्तर पर साइबर अपराध कैसे हो रहे हैं?2025 में देश में साइबर अपराधों के कारण नागरिकों को लगभग 22,495 करोड़ का वित्तीय नुकसान हुआ, जो 2024 के लगभग 22,845 करोड़ के स्तर से भी फर्क नहीं करता — और यह सिर्फ दर्ज शिकायतों का हिसाब है। बीते 6 साल में कुल मिलाकर भारतीयों को साइबर फ्रॉड के कारण लगभग 52,976 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है, यानी हर साल औसतन 8,000 से 10,000 करोड़ की ठगी। सिम स्वैप फ्रॉड में हैकर पहले आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, जन्मतिथि, बैंक से जुड़ी डिटेल, ईमेल और अन्य डेटा जुटाता है। फिर मोबाइल सेवा प्रदाता को धोखा देकर आपके नाम पर नई सिम जारी करवाता है। पुराना सिग्नल गायब होते ही सारे बैंक ओटीपी, अलर्ट व सत्यापन कोड सीधे अपराधी के फोन पर जाने लगते हैं। कुछ ही मिनटों में अपराधी आपका नेट बैंकिंग पासवर्ड बदल देता है, वॉलेट, ईमेल और अन्य सेवाओं में लॉगिन कर रकम ट्रांसफर कर देता है — और आपको तब पता चलता है जब आपका नेटवर्क गायब हो गया है या बैंक बैलेंस जीरो हो चुका है। केंद्र सरकार ने कई साइबर सुरक्षा पहल शुरू की हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटीजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग सिस्टम जैसे तंत्र बनाये गये हैं। इसके अलावा लाखों सिम और आईएमईआई नंबर ब्लॉक भी किये गये हैं। लेकिन जो ग्रे सामने आ रही हैं साफ़ दिखाती हैं कि साइबर अपराधों में वृद्धि रुकने का नाम नहीं ले रही। इस साल दर्ज होने वाले मामलों की संख्या में भारी उछाल है — जबकि वित्तीय नुकसान में भी हर साल गोपनीय स्तर पर करोड़ों रुपए डूब रहे हैं। दोषियों को ट्रैक करना, अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को पकड़ना, और तेजी से विकसित तकनीकों से निपटना अभी भी चुनौती बना हुआ है। विशेष रूप से निवेश, डिजिटल

लॉलीपॉप ऑफ़र, फर्जी कॉल, व्हाट्सएप लिंक, और बैंक वर्चुअल सत्यापन से जुड़े फ्रॉड के मामलों में भारी संख्या में लोग उलझ रहे हैं। सिम स्वैप केवल एक तरीका है; इसके अलावा फिशिंग, नकली निवेश, "डिजिटल गिरफ्तार" जैसे फ्रॉड ने लोगों की जमा-पूंजी को गोल कर दिया है। उदाहरण के तौर पर एक अकेली घटना में एक बुजुर्ग व्यक्ति को 99 लाख से अधिक का नुकसान हुआ, जब अपराधियों ने उसे वरिष्ठ अधिकारी बनकर धोखा दिया। सुरक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि सिर्फ़ टेक्निकल सिस्टम पर्याप्त नहीं हैं। लोगों को खुद सतर्क रहना होगा:- सिम ब्लॉक के लिए अतिरिक्त पासकोड सक्रिय करें। एसएमएस ओटीपी के बजाय ऐप आधारित सत्यापन अपनाएँ।संदिग्ध कॉल और लिंक पर पर्सनल जानकारी न दें।बैंक और ईमेल पासवर्ड नियमित रूप से बदलें। लेकिन एक साधारण आदमी जो टेक्नालाजी बहुत नहीं जानता और इसे एक बड़ा झमेला मानता है , उसके लिए सरकार कोई सीधा सरल आसान तरीका क्यों नहीं बनाती है? वह तो इजराइल के साथ तमाम तरह के सुरक्षा सौदे किये हुए है? लेकिन लगता है कि और के फोन की निगरानी पेगासस से ज्यादा महत्वपूर्ण है, आम जनता का हर वर्ष हजारो करोड़ साइबर ठगों द्वारा लूटे जाने से बचाने की अपेक्षा। हालत यह भी है कि इसके उलट साइबर अपराधियों की तकनीक दिन-प्रतिदिन विकसित हो रही है, ऐसे में सरकारी संरचनाएँ और केवल बला टालने जैसी साबित हो रही हैं। और आपके फोन , मोबाइल नंबर अब सिर्फ़ नंबर नहीं—यह आपकी बैंक की चाबी, आपका डिजिटल अस्तित्व है। इसे सुरक्षित रखना अब प्राथमिक सुरक्षा का प्रश्न बन गया है। इसे कैसे सुरक्षित रखेंगे यह आप खुद जानें वरना कंगाल हो जाएंगे, और सरकार साइबर सुरक्षा के नाम पर प्रवचन करती रहेगी।

न्यूजीलैंड में विदेश यात्रा से खसरे के दो नए मामलों की स्वास्थ्य विभाग ने की पुष्टि

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खसरे के दो नए मामले सामने आए हैं जो हालिया विदेश यात्रा से जुड़े हैं। दोनों संक्रमित एक ही घर से हैं। खास बात ये है कि न्यूजीलैंड ने तीन हफ्ते पहले ही ऐलान किया था कि अब देश में खसरे का संकट नहीं है। मामले सामने आने के बाद विभाग ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दी है। 'लोकेशन ऑफ इंटरेस्ट' (ट्रैक किया जाने वाला स्थल) में सिंगापुर से आने वाली फ्लाइट एसक्यू281 और ऑकलैंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। अधिकारियों ने लोगों से ऐहतियात बरतने की अपील की है क्योंकि खसरा एक गंभीर और संक्रामक बीमारी है। 17 फरवरी को सिंगापुर से आई फ्लाइट के यात्रियों से संपर्क किया जा रहा है। हेल्थ न्यूजीलैंड (न्यूजीलैंड का स्वास्थ्य विभाग) ने कहा कि वेटाकेरे अस्पताल

का इमरजेंसी विभाग भी 'लोकेशन ऑफ इंटरेस्ट' है। लोगों को सतर्क रहने और लक्षण दिखने पर डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। सिंहुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, न्यूजीलैंड में सितंबर 2025 में खसरे का प्रकोप बढ़ा था जिसे इस महीने (फरवरी 2026) की शुरुआत में खत्म मान लिया गया। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी थी कि टीकाकरण की घटती दर और विदेश यात्रा की वजह से देश में अभी भी खतरा बना हुआ है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने पर जेलेंस्की बोले- 'हम शांति लाने के लिए सब कुछ करेंगे'

एजेंसी । नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें साल में प्रवेश कर गया है। हालांकि, अमेरिकी मध्यस्थता में दोनों देश युद्ध को खत्म करने के मकसद से बातचीत भी कर रहे हैं। दूसरी ओर युद्ध के चार साल पूरे होने पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, "पुतिन अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। उन्होंने यूक्रेनियन को नहीं तोड़ा। उन्होंने यह युद्ध नहीं जीता। हमने यूक्रेन को बचाया है और हम शांति लाने के लिए सब कुछ करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि न्याय हो। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 को युद्ध शुरू हुआ था, जो अब पांचवें साल में भी प्रवेश कर गया है। दोनों देशों के बीच जारी इस युद्ध की वजह भौगोलिक

राजनीति और सुरक्षा को माना जा सकता है। रूस के नजरिए से यूक्रेन पर हमले का एक बड़ा कारण उसके नाटो में शामिल होने की कोशिश और इसकी वजह से पैदा होने वाली सुरक्षा चिंताएं हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होता है, तो इसकी वजह से रूस के लिए खतरा बढ़ जाएगा। पश्चिमी देशों की मिसाइलें और सेना रूस की तरफ मुड़ जाएंगी।

महाश्मशान में 'मसान की होली' पर घमासान: परंपरा या अपसंस्कृति?

आरपी सिंह

वाराणसी। आध्यात्मिक नगरी काशी एक बार फिर आस्था, परंपरा और शास्त्रार्थ के केंद्र में है। विश्व प्रसिद्ध महाश्मशान—मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट—पर खेले जाने वाली 'मसाने की होली' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। काशी विद्वत परिषद और डोम राजा ने इस परंपरा का विरोध करते हुए इसे शास्त्र-विरुद्ध बताया है और तत्काल रोक लगाने की मांग की है।परिषद का कहना है कि महाश्मशान तप, तर्पण और मोक्ष की साधना का स्थल है, उत्सव और रंगोत्सव का नहीं। डोम राजा के तीसरे पुत्र विश्वनाथ चौधरी के एक बयान सोशल मीडिया पर चल रहा है कि शवयात्री पांच-छः घंटे तक शव की अंतिम क्रिया के लिए रुके रहते हैं और लोग रील बनाने के लिए बीयर पीकर हुड़दंग मचाते हैं जो शास्त्रसम्मत नहीं उन्हें मसानबाबा के मंदिर में जाकर होली खेलनी चाहिए । एक व्यक्ति अतुल कुल ने सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी के आधार पर कहा कि प्रशासन सिर्फ शोभा यात्रा की अनुमति देता है न कि शवदाह स्थल जाने के लिए । वहीं आयोजन पक्ष इसे काशी की प्राचीन शिव-परंपरा और

जीवन–मृत्यु के अद्वैत दर्शन से जोड़ रहा है। काशी में 'मसाने की होली' या 'भस्म होली' रंगभरी एकादशी के अगले दिन खेली जाती है, जिसे होली के औपचारिक आरंभ का प्रतीक माना जाता है। इस दिन साधु-संत और श्रद्धालु जलती चिताओं की राख और गुलाल से होली खेलते हैं। 'मसान' शब्द का अर्थ ही श्मशान है—वह स्थान जहाँ देह पंचतत्व में विलीन होती है। यह परंपरा शिव के उस विरागी स्वरूप से जोड़ी जाती है, जो श्मशान वासी हैं, भस्म रमाते हैं और मृत्यु को जीवन का सत्य मानते हैं। पुराणों में वर्णित है कि स्वयं भगवान शिव चिता-भस्म को विभूति के रूप में धारण करते हैं। काशी खंड (स्कंद पुराण) में काशी को 'अविमुक्त क्षेत्र' कहा गया है, जहाँ मृत्यु भी मोक्ष का द्वार मानी जाती है। इसी दर्शन के आधार पर समर्थक कहते हैं कि भस्म से होली खेलना जीवन की क्षणभंगुरता और वैराग्य का उत्सव है। मणिकर्णिका घाट की पौराणिक कथा के अनुसार, यहां माता पार्वती का कर्णभूषण (मणि) गिरा था, जिसे खोजते हुए स्वयं शिव यहाँ आए। इसलिए यह स्थल शिव-साधना और मोक्ष से जुड़ा माना जाता है। वहीं हरिश्चंद्र घाट का संबंध सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की कथा से जोड़ा जाता है, जिन्होंने यहीं डोम के अधीन दाह संस्कार का कार्य किया था। इन कथाओं के कारण ये घाट केवल भौतिक नहीं, आध्यात्मिक प्रतीक भी माने जाते हैं। काशी विद्वत परिषद के सदस्यों का कहना है कि "महाश्मशान में होली जैसे उत्सव मनाना शास्त्रों की परंपराओं के अनुरूप नहीं है। श्मशान की अपनी एक पवित्र मर्यादा है। यह उत्सव या प्रदर्शन का स्थल नहीं।" उनका दावा है कि कुछ वर्षों से इस आयोजन को 'सदियों पुरानी परंपरा' बताकर प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि प्राचीन धर्मशास्त्रों और आचार संहिताओं में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलता। परिषद का मत है कि श्मशान वैराग्य, आत्मचिंतन और मोक्ष-साधना का क्षेत्र है—जहां अनावश्यक भीड़, नृत्य या उत्सव अनुचित है।इधर सनातन रक्षक दल ने आरोप लगाया कि यह रिवाज वर्ष 2014 में साधुओं को ठंडई परोसने के बहाने शुरू हुआ और धीरे-धीरे इसे प्राचीन परंपरा के रूप में प्रचारित किया गया। उनका कहना है कि "मसान की होली के नाम पर नशाखोरी और अनुशासनहीनता बढ़ रही है, जिससे काशी की छवि धूमिल हो रही है।" प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्रा के लोकप्रिय 'मसान की होली' भजन का उल्लेख करते हुए कईयों का कहना है कि कलाकार ने स्वयं स्पष्ट किया था कि उनका गायन शिव-भक्ति से जुड़ा है, न कि श्मशान में होली खेलने की किसी परंपरा के समर्थन में।वहीं आयोजन से जुड़े लोग इन आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि आलोचक काशी की स्थानीय परंपराओं और तंत्र-शैव साधना की परिपाटी से अनभिज्ञ हैं। उनका दावा है कि शैव परंपरा में भस्म और श्मशान साधना का विशेष महत्व है। मुगल काल में कई लोक-परंपराएं क्षीण हुईं, जिन्हें बाद में पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग आर्थिक हितों के कारण विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा- "दान और आयोजन से जुड़े स्वार्थ पूरे न होने पर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

सच्चाई यह भी है कि काशी में श्मशान केवल दाह संस्कार का स्थल नहीं, बल्कि शिव के 'महाकाल' स्वरूप का प्रतीक भी है। तंत्र और अघोर परंपरा में श्मशान साधना का विशेष स्थान रहा है। किंतु स्मृति-ग्रंथों और आचार-संहिताओं में श्मशान को संयम, शुद्धता और सीमित आचरण का क्षेत्र माना गया है। इसी द्वंद ने 'मसान की होली' को आस्था बनाम आचार की बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। एक पक्ष इसे शिव के अद्वैत और मृत्यु-उत्सव की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति मानता है, तो दूसरा इसे शास्त्र-विरुद्ध और परंपरा-विकृति बताता है। ऐसे में काशी की गलियों में अब प्रश्न गूंज रहा है—क्या महाश्मशान में रंग और उत्सव की जगह है, या यह स्थल केवल मौन, मोक्ष और महाकाल का है? निर्णय चाहे जो हो, पर इतना तय है कि काशी में यह विवाद केवल एक आयोजन का नहीं, बल्कि परंपरा का भी है।